सीईसी के साथ बैठक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीच में छोड़ी - 7

वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं- 7-8 % की वृद्धि दर कायम रखना शीर्ष प्राथमिकता - 10

साल 2026 के ग्रैमी पुरस्कारों की हुई घोषणा, दलाई लामा ने रचा इतिहास - 11

दिल्ली की नजरें लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचने पर- 12

आज का मौसम
23.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.59
सूर्यास्त 05.53

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष द्वितीया 12:40 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 3 फरवरी 2026, वर्ष 35, अंक 364, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

अमेरिका-भारत में ट्रेड डील पर सहमति ट्रंप ने 25 से घटाकर 18% किया टैरिफ

प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत करने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने की घोषणा

- मोदी ने मेड इन इंडिया उत्पादों पर शुल्क 18 फीसदी करने पर कहा- शुक्रिया दोस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बन गई है, जिसके तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर लगने वाला जवाबी शुल्क मौजूदा 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत के बाद यह जानकारी दी।

ट्रंप ने दावा किया कि भारत अमेरिका के खिलाफ शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अपने प्रिय मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से बात करके बहुत अच्छा लगा। यह जानकर बेहद खुशी हुई कि अब 'मेड इन इंडिया'' उत्पादों पर शुल्क घटकर 18 फीसदी रह जाएगा। इस शानदार घोषणा के लिए भारत की 1.4 अरब जनता की ओर से राष्ट्रपति ट्रंप को हार्दिक धन्यवाद। मोदी ने कहा कि जब दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो इससे लोगों को लाभ होता है और पारस्परिक लाभकारी सहयोग के अपार अवसर खुलते हैं। मोदी ने कहा कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए राष्ट्रपति ट्रंप का नेतृत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत शांति के लिए उनके प्रयासों का पूर्ण समर्थन करता है। मोदी ने कहा, मैं उनके साथ मिलकर काम करने और हमारी साझेदारी को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तत्पर हूं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा, प्रधानमंत्री मोदी से मित्रता व उनके प्रति सम्मान के मद्देनजर तथा उनके अनुरोध पर तत्काल प्रभाव से अमेरिका और भारत के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बनी है, जिसके तहत अमेरिका जवाबी शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। उन्होंने कहा कि भारत भी इसी तरह अमेरिका के खिलाफ अपनी शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध की समाप्ति पर भी चर्चा

ट्रंप ने कहा मोदी के साथ उनकी बातचीत में रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर भी चर्चा हुई। कहा कि उन्होंने (मोदी ने) रूसी तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका से कहीं अधिक मात्रा में तेल खरीदने, तथा संभावित रूप से वेनेजुएला से भी खरीद पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा, इससे यूक्रेन में जारी युद्ध को खत्म करने में मदद मिलेगी, जिसमें इस समय हर हफ्ते हजारों लोगों की मौत हो रही है।

समझौते की मुख्य बातें

- ट्रेड डील के मुताबिक भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा
- भारत अमेरिकी सामानों पर टैरिफ को घटाकर शून्य कर देगा
- अमेरिका रेसीप्रोकल टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी करेगा
- भारत अमेरिका से ज्यादा मात्रा में तेल खरीदेगा
- अब भारत वेनेजुएला से तेल खरीदना शुरू कर सकता है
- टेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर, एनर्जी समेत अन्य उत्पाद की 500 बिलियन डॉलर की खरीद करेगा भारत

राष्ट्रपति ट्रंप बोले- भारत के साथ पहले से भी ज्यादा शानदार और मजबूत होंगे संबंध

प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा कि भारत ने काफी बड़े स्तर पर अमेरिकी उत्पादों को खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। ट्रंप ने कहा, भारत के साथ हमारे पहले से शानदार संबंध और मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री मोदी और मैं काम करके दिखाते हैं। अधिकतर लोगों के बारे में यह बात नहीं कही जा सकती। उन्होंने कहा कि इसमें 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के अमेरिकी ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य उत्पादों की खरीद शामिल है। ट्रंप और मोदी के बीच पिछली बार अक्टूबर 2025 में फोन पर बातचीत हुई थी। दोनों नेताओं ने पिछले वर्ष फरवरी में हुई एक बैठक में शरद ऋतु तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने पर सहमति जताई थी। हालांकि दोनों पक्षों के बीच कई दौर की बातचीत हुई, लेकिन ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद व्यापार समझौते पर प्रगति रुक गई थी। इनमें रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए दंड के तौर पर लगाया गया 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। मोदी-ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत ऐसे दिन हुई, जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर वाशिंगटन डीसी के दौरे पर पहुंचे हैं।

आम बजट से प्रदेश को मिलेगी विकास की नई उड़ान : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी ने आम बजट 2026-27 को उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह बजट राज्य के औद्योगिक, आर्थिक व सामाजिक विकास को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि सुधार, वृद्धि व वित्तीय अनुशासन का संतुलित दस्तावेज होने के कारण यह बजट 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य में यूपी की भूमिका को और मजबूत करेगा।

सोमवार को आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने जिस सुधारवादी विकास यात्रा को अपनाया है, उसका ठोस प्रतिबिंब इस बजट में दिखाई देता है। किसान, युवा, महिला, गरीब और मध्यम वर्ग सभी की आकांक्षाओं को केंद्र में रखकर बजट तैयार किया गया है। देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य होने के कारण यूपी को इसका सर्वाधिक लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि एमएसएमई सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ के विशेष फंड की घोषणा यूपी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश में करीब 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं, जो लगभग तीन करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार देती हैं। यह प्रावधान ओडीओपी योजना को नई तकनीक, स्किल ट्रेनिंग, आधुनिक पैकेजिंग और वैश्विक निर्यात से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि 12.2 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय से यूपी में सड़क, रेल, औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स ढांचे को अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के साथ-साथ हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से प्रदेश राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स हब के रूप में उभरेगा। बजट में घोषित सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में से दो उत्तर प्रदेश को मिलने से यात्रा समय घटेगा और उद्योग, व्यापार व पर्यटन को नई गति मिलेगी।

इनलैंड वाटरवे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वाराणसी-हल्दिया जलमार्ग पहले ही संचालित है और इसके विस्तार से माल ढुलाई की लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी। वाराणसी में शिप रिपेयर और मेंटिनेंस इकोसिस्टम के विकास से प्रदेश का जलमार्ग नेटवर्क और अधिक सशक्त होगा।

औद्योगिक विकास की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर पार्क, डेटा सेंटर और बायो-फार्मा हब से उत्तर प्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। प्रदेश में 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक के डेटा सेंटर निवेश हो चुके हैं। ललितपुर में बल्क ड्रग पार्क और गौतम बुद्ध नगर में मेडिकल डिवाइस पार्क यूपी को वैश्विक फार्मा हब की दिशा में आगे ले जा रहे हैं।

लखनऊ में पत्रकारों से वार्ता करते मुख्यमंत्री योगी।

- सेमीकंडक्टर एमएसएमई रक्षा और इन्फ्रास्ट्रक्चर से यूपी बनेगा निवेशकों की पहली पसंद
- हाई-स्पीड रेल फ्रेट कॉरिडोर व जलमार्गों से मिलेगा लॉजिस्टिक्स हब का दर्जा

प्रत्येक जिले में इमरजेंसी व ट्रॉमा सेंटर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकार वार्ता में कहा कि आम बजट के माध्यम से उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर सेंटर खोलने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। 'गोल्डन आवर' में समय पर उपचार मिलने से अनमोल जानें बच सकेंगी और जिला स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी।

चीन मुद्दे पर लोस में हंगामा

नरवणे के संस्मरण को लेकर राहुल का सत्तापक्ष पर वार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को सदन में पूर्व सेना प्रमुख के संस्मरण के मसौदे के कुछ अंश का हवाला देकर प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री पर निशाना साधने का प्रयास किया, जिस पर सत्तापक्ष और कांग्रेस के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक एवं हंगामा देखने को मिला तथा सदन की कार्यवाही बाधित हुई।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष की बातें पूरी तरह से काल्पनिक हैं और वह सदन को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। सदन में गतिरोध बने रहने पर सभा की बैठक पहले अपराह्न दो बजकर नौ मिनट पर अपराह्न तीन बजे तक, दूसरी बार तीन बजकर आठ मिनट पर शाम चार बजे तक और फिर चार बजकर 10 मिनट पर मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कांग्रेस का कहना है कि नेता प्रतिपक्ष सदन में पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे की पुस्तक 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के मसौदे के उस अंश को पढ़ना चाहते थे जिसमें 31 अगस्त, 2020 की एक घटना का उल्लेख है। यह संस्मरण अभी प्रकाशित नहीं हुआ है। अध्यक्ष ओम बिरला ने कांग्रेस नेता से कई बार यह अपील की कि वह पुस्तक या किसी पत्रिका को सदन में उद्धृत नहीं कर सकते हैं।

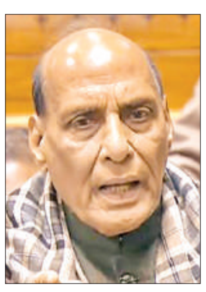

- प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री पर निशाना साधा, सत्तापक्ष और कांग्रेस में नोकझोंक
- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा-नेता प्रतिपक्ष की बातें पूरी तरह से काल्पनिक

नेता प्रतिपक्ष को व्यवस्था का पालन करना चाहिए

गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा कि सदन में पुस्तक और पत्रिका में प्रकाशित बातों को नहीं रखा जा सकता और नेता प्रतिपक्ष को व्यवस्था का पालन करना चाहिए। बिरला ने गांधी से कई बार कहा कि वह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपनी बात रखें। जब राहुल इस संस्मरण के कुछ अंश सदन के पटल पर रखने पर अड़े रहे तो बिरला ने कहा, आप आसन की अवमानना कर रहे हैं।

चांदी 52,000 टूटी, सोना 12,800 कमजोर

नई दिल्ली। चांदी की कीमतें लगातार तीसरे दिन तेजी से गिरीं। सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में यह 52,000 रुपये टूटकर 2.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई, जबकि कमजोर वैश्विक रुझानों और मजबूत डॉलर के बीच सोना टूटकर 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी 52,000 रुपये, या लगभग 17 प्रतिशत टूटकर 2,60,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई।

सीबीआई ने साइबर वित्तीय अपराध के खिलाफ देशव्यापी कार्रवाई की, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यापक बहुराष्ट्रीय कार्रवाई के तहत 10 राज्यों के 35 स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया

सीबीआई ने साइबर वित्तीय अपराधों पर व्यापक बहुराष्ट्रीय कार्रवाई के तहत देश में 35 स्थानों पर एक व्यापक तलाशी अभियान चलाने के बाद दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। 'ऑपरेशन साइस्ट्राइक' नाम से यह कार्रवाई 30 जनवरी को अमेरिका, ब्रिटेन, कुवैत, आयरलैंड और सिंगापुर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ

समन्वय में शुरू की गई थी।

सीबीआई अधिकारियों ने दिल्ली, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल सहित 10 राज्यों में 35 स्थानों पर तलाशी ली। इस अभियान के तहत देश में कई साइबर अपराध नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई की गई, जो अमेरिका, ब्रिटेन, कुवैत, आयरलैंड, सिंगापुर और भारत में लोगों को निशाना बनाते थे। सोमवार को सीबीआई ने बताया कि एजेंसी ने एक और अंतर्राष्ट्रीय साइबर वित्तीय अपराध नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जो नयी दिल्ली, गाजियाबाद और कर्नाटक से संचालित हो रहा था।

रुपया 44 पैसे बढ़कर 91.49 प्रति डॉलर पर

मुंबई। आम बजट 2026-27 पेश होने के एक दिन बाद अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 44 पैसे के सुधार के साथ 91.49 पर बंद हुआ। रुपये में यह बढ़त मुख्य रूप से कच्चे तेल की ऊंची कीमतों में आई गिरावट के कारण देखी गई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि आरबीआई 92 रुपये प्रति डॉलर के स्तर को बचाने के लिए पूरी मजबूती से सक्रिय नजर आया।

आठ मेडिकल कॉलेजों में कार्यवाहक प्राचार्य नियुक्त

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने राज्य के आठ स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यवाहक प्राचार्यों की नियुक्ति कर दी है। इन चिकित्सा महाविद्यालयों में निवर्तमान प्राचार्यों का निर्धारित तीन साल का कार्यकाल बीते 20 जनवरी को पूर्ण होने के बाद नए प्रशासनिक नेतृत्व को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिन महाविद्यालयों में कार्यवाहक प्राचार्यों की नियुक्ति की गई है, उनमें कानपुर देहात में उसी कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ.हरप्रीत सिंह, सोनभद्र में उप प्रधानाचार्य डॉ.आनंद कुमार, अमेठी में पैथोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ.योगेश यादव , कुशीनगर में उप प्रधानाचार्य डॉ. सुभाष गुप्ता शामिल हैं। इसके अलावा बुलंदशहर में जनरल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ.संजय कुमार मिश्र , गोंडा में बायोकेमिस्ट्री विभाग की डॉ.बीना सिंह, सुल्तानपुर में उप प्रधानाचार्य डॉ. प्रियंक वर्मा और बिजनौर में उप प्रधानाचार्य डॉ.तुहिन वशिष्ठ को भी वहीं का कार्यवाहक प्राचार्य बनाया गया है।

सुझाव जाति दर्ज करने की प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाली याचिका पर सुनवाई से इन्कार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश

जनगणना के प्रश्न सार्वजनिक करने पर विचार करे सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने 2027 की सामान्य जनगणना में नागरिकों की जाति संबंधी आंकड़ों को दर्ज करने, वर्गीकृत करने और सत्यापित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से सोमवार को इन्कार कर दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने केंद्र और भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त के कार्यालय को जनहित याचिका में इस मुद्दे पर दिए गए सुझावों पर विचार करने को कहा है।

शिक्षाविद् आकाश गोयल की ओर से दायर याचिका पर पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुक्ता गुप्ता ने कहा कि नागरिकों के जाति संबंधी विवरण को दर्ज करने, वर्गीकृत करने और सत्यापित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले एक पारदर्शी प्रश्नपत्र को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाना चाहिए। पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि जाति संबंधी आंकड़ों की पहचान के लिए पहले से तय कोई आंकड़ा नहीं है। जनगणना की प्रक्रिया जनगणना अधिनियम, 1958 और उसके तहत बनाए गए 1990 के नियमों के अनुसार संचालित होती है जो प्रतिवादी प्राधिकारियों को जनगणना करने के विवरण और तौर-तरीके तय करने का अधिकार देते हैं।

सीजेआई ने कहा, हमारे पास इस बात पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है कि याचिकाकर्ता और ऐसे ही विचार रखने वाले कई और लोगों की ओर से जताई गई आशंका के मद्देनजर प्रतिवादी प्राधिकारी किसी भी तरह की गलती से बचने के लिए विशेषज्ञों की सहायता से मजबूत व्यवस्था विकसित कर चुके होंगे। हमें लगता है कि याचिकाकर्ता ने महापंजीयक को दिए गए प्रतिवेदन के जरिए कुछ प्रासंगिक मुद्दे भी उठाए हैं। पीठ ने कहा कि प्राधिकारी याचिका में उठाए गए सुझावों पर विचार कर सकते हैं।

धर्मांतरण रोधी कानूनों के खिलाफ दाखिल याचिका पर केंद्र और 12 राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण रोधी कानूनों की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली नेशनल काउंसिल ऑफ चर्चेज इन इंडिया (एनसीसीआई) की नई याचिका पर सोमवार को केंद्र के साथ राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश सहित 12 राज्यों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। एनसीसीआई की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा के जरिए दाखिल इस याचिका में धर्मांतरण रोधी कानूनों के क्रियान्वयन पर तत्काल रोक लगाने का अनुरोध किया गया है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एनसीसीआई की दलीलों पर संज्ञान लेते हुए नई जनहित याचिका को इसी मामले में दाखिल अन्य याचिकाओं के साथ संबद्ध करने का निर्देश देते हुए कहा कि तीन न्यायाधीशों की पीठ इन सभी पर एक साथ सुनवाई करेगी।

न्यूज ब्रीफ

10 लाख श्रद्धालु रोडवेज बसों से पहुंचे माघ मेला

अमृत विचार, लखनऊ : प्रयागराज में आयोजित माघ मेला 2026 के दौरान उप्र. परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) द्वारा श्रद्धालुओं को सुविधाजनक बस सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। 1 फरवरी तक लगभग 10 लाख श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों ने परिवहन निगम की बसों के माध्यम से प्रयागराज पहुंचकर संगम में स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। यह जानकारी परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि माघ मेले के दौरान प्रदेश भर से लगभग 3800 बसों को प्रयागराज के लिए लगाया गया। परिवहन मंत्री ने बताया कि 3 जनवरी से 1 फरवरी के बीच प्रतिदिन औसतन 1,178 बसों का संचालन किया गया और लगभग 10 लाख यात्रियों ने परिवहन निगम की सेवाओं का उपयोग किया।

दो औद्योगिक इकाइयों को 2.70 करोड़ प्रतिपूर्ति

अमृत विचार, लखनऊ : औद्योगिक विकास मंत्री नंदी गोपाल गुप्ता नंदी ने निवेश एवं उद्योग को बढ़ावा देने की दिशा में अहम निर्णय लेते हुए दो वृहद औद्योगिक इकाइयों को प्रतिपूर्ति राशि और एक इकाई को ब्याजमुक्त ऋण देने की स्वीकृति प्रदान की है। डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड को 1,53,49,543 रुपये और कजारिया सेरामिक्स लिमिटेड को 1,17,34,221 रुपये की राशि प्रथम किस्त के रूप में देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इस प्रकार दोनों कंपनियों को कुल 2,70,83,765 की प्रतिपूर्ति राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही मंत्री नंदी ने चंदौली स्थित पावरकॉन सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड को 1.48 करोड़ रुपये का ब्याजमुक्त ऋण दिए जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है।

सूची से मतदाताओं के नाम काटने के आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने प्रदेश में मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम अवैध रूप से हटाए जाने का आरोप लगाते हुए राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की ओर से दी गई शिकायत में फार्म-7 के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया गया है। सपा द्वारा दिए गए ज्ञापन में पार्टी ने आरोप लगाया कि कई जिलों में भाजपा की ओर से जिलाधिकारियों पर भी दबाव बनाया जा रहा है। ज्ञापन में लखनऊ, मिर्जापुर, सीतापुर, सोनभद्र, कानपुर देहात, बुलंदशहर, गाजीपुर, अमेठी और मथुरा सहित कई जिलों की विधानसभाओं में बड़ी संख्या में फार्म-7 जमा किए जाने का उल्लेख किया गया है। सपा ने मांग की है कि फार्म-7 जमा करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

सिंगापुर की कंपनी से निवेश पर चर्चा

अमृत विचार, लखनऊ : सिंगापुर की अग्रणी एकीकृत कंटेनर लॉजिस्टिक्स कंपनी एपी मोलर माएर्स्क के प्रबंध निदेशक रीन पील पेडरसन ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश में निवेश के विस्तार और भविष्य की संभावनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। पेडरसन के साथ विवेक शर्मा, हेड बिजनेस डेवलपमेंट एवं रेगुलेटरी अफेयर्स (भारत, बांग्लादेश एवं श्रीलंका क्षेत्र) भी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एपी मोलर माएर्स्क को उत्तर प्रदेश में अपने निवेश का विस्तार करने का आमंत्रण देते हुए हरसंभव नीतिगत और प्रशासनिक सहयोग का भरोसा दिलाया। कंपनी प्रतिनिधि विवेक शर्मा ने बताया कि एपी मोलर माएर्स्क पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से उत्तर प्रदेश में निवेश कर रही है और सरकार से लगातार सहयोग मिलता रहा है।

जनता दर्शन के दौरान बच्ची अनाबी अली से संवाद करते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने सराही मासूम अनाबी की कविता, लोरेटो कॉन्वेंट में एडमिशन के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को 'जनता दर्शन' के दौरान एक मासूम बालिका अनाबी अली के प्रार्थना पत्र पर शहर के लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल में एडमिशन कराने के निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने उसकी कविता हम शेर बच्चे हैं हम बड़े होकर देश की शान बढ़ाएंगे.. सुनकर मुख्यमंत्री ने प्रशंसा की। मुख्यमंत्री अपनी माताओं के साथ आए अन्य बच्चों से भी आत्मीय संवाद किया। साथ ही एक-एक कर सभी फरियादियों से मिले और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध कब्जा की शिकायतों पर दोषियों के खिलाफ निरंतर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री आवास पर अपनी मां के साथ बालिका अनाबी अली भी पहुंची। वह कान्वेंट स्कूल में एडमिशन की चाह लेकर आई थीं। इस दौरान उसने दिल को छू लेने वाली बातचीत की। उसकी बातें सुनकर योगी ने तत्काल उसका एडमिशन पक्का कराने के लिए अधिकारियों को आदेश दिया। योगी से मिलने के बाद अनाबी अली ने कहा कि ''मैं सीएम से मिली। उनसे लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल में मेरा एडमिशन करवाने की रिक्वेस्ट की है। 'जनता दर्शन' में अवैध कब्जे से जुड़े कई प्रकरण सामने आए, जिन पर मुख्यमंत्री ने मौके पर ही कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आम नागरिक को न्याय के लिए भटकना न पड़े।

जनता दर्शन में एक महिला अपने बच्चे के साथ पहुंचीं, जिनके बच्चे का इलाज केजीएमयू में चल रहा है। महिला ने आर्थिक सहायता की मांग की। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए कहा कि 25 करोड़ प्रदेशवासी मेरा परिवार हैं। धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जरूरतमंदों को उपचार के लिए हरसंभव सहायता दी जाएगी।

अंत: फसली खेती मिशन मोड पर कराएं

मुख्यमंत्री योगी ने समीक्षा बैठक में गन्ना के साथ तिलहन-दलहन की खेती को लेकर दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में कृषि क्षेत्र को नई ऊंचाई देने का सबसे प्रभावी और व्यावहारिक रास्ता गन्ना आधारित तिलहनी-दलहनी अंतःफसली खेती है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल किसानों की आय को केवल दोगुना नहीं, बल्कि बहु-गुणित करने की क्षमता रखता है।

मुख्यमंत्री सोमवार को इस विषय पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गन्ने के साथ सरसों, मसूर, उर्द और मूंग जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों की अन्तःफसल अपनाने से किसानों को अतिरिक्त उत्पादन, कम लागत और पूरे वर्ष स्थिर नकदी प्रवाह मिलता है। इससे न केवल किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, बल्कि एकल फसल पर निर्भरता घटने से जोखिम भी कम होता है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल अतिरिक्त फसल, अतिरिक्त लाभ और अतिरिक्त सुरक्षा, तीनों एक साथ उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कृषि योग्य भूमि का क्षैतिज विस्तार अब संभव नहीं है। ऐसे में इकाई क्षेत्रफल से अधिक उत्पादन ही ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर बढ़ने का व्यावहारिक रास्ता है। कहा कि गन्ना आधारित अन्तःफसली खेती प्रदेश के कृषि भविष्य का नया मॉडल है।

लखनऊ में उच्चस्तरीय बैठक के दौरान अंत : फसली खेती को लेकर अधिकारियों को निर्देश देते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिए कि इस योजना को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक मिशन मोड में लागू किया जाए। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 29.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती होती है, जिसमें 14.64 लाख हेक्टेयर नया बोया गया और 14.86 लाख हेक्टेयर पेड़ी क्षेत्र शामिल है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े क्षेत्र में तिलहन-दलहन को व्यवस्थित रूप से जोड़ने से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और प्रदेश को तिलहन-दलहन में आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक बढ़त मिलेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अन्तःफसल का चयन वैज्ञानिक और व्यावहारिक आधार पर हो तथा कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) और कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से इसे खेत-स्तर तक पहुंचाया जाए। उन्होंने अनुसंधान संस्थानों की सिफारिशों के अनुरूप रबी में सरसों-मसूर और जायद में उर्द-मूंग को प्राथमिकता देने को कहा।

आधुनिक बीज नीति बनाएं : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 5 वर्षों में पांच 'सीड पार्क', हर क्लाइमेटिक जोन में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कृषि उत्पादन की वास्तविक शक्ति उच्च गुणवत्ता वाले, भरोसेमंद और प्रमाणित बीजों में निहित है। भूमि जोत के लगातार घटते आकार को देखते हुए अब रकबे के बजाय प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाने पर फोकस करना होगा। इसी लक्ष्य के साथ उन्होंने प्रदेश के लिए एक नई, आधुनिक और भविष्य-दृष्टि वाली बीज नीति तैयार करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को आवास पर आयोजित बीज नीति को लेकर समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि उच्च उपज, रोग-प्रतिरोधी और जलवायु-सहिष्णु किस्मों के विकास को प्राथमिकता देते हुए ऐसी नीति बने, जो बदलती जलवायु और बाजार की चुनौतियों का समाधान दे। बीज नीति पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने अगले पांच वर्षों के लिए बीज उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता और उपलब्धता को नए स्तर तक ले जाने का ठोस रोडमैप बनाने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने भरोसेमंद आपूर्ति के लिए हर बीज की एंड-टू-एंड ट्रेसेबिलिटी अनिवार्य करने के निर्देश दिए। किसानों तक पहुंचने वाला हर बीज पैकेट परीक्षणित, प्रमाणित और मानक अनुरूप होना चाहिए। इसके लिए कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर संस्थानों, उपकार तथा निजी बीज उद्योग को एक मंच पर लाकर बीज अनुसंधान, नवाचार और किस्म-रिलीज प्रक्रिया को तेज करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने अगले पांच वर्षों में कम से कम पांच 'सीड पार्क' स्थापित करने की योजना पर तेजी से काम करने को कहा। ये पार्क उत्पादन, प्रसंस्करण, गुणवत्ता परीक्षण और भंडारण की एकीकृत सुविधाओं से लैस होंगे।

रेशम उद्योग के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 'सॉइल टू सिल्क' की पूरी प्रक्रिया एक ही स्थान पर होगी प्रदर्शित

अमृत विचार : योगी सरकार ने रेशम उद्योग के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना की है। इस सेंटर में एरी, शहतूती और टसर रेशम से संबंधित सभी आधुनिक और पारंपरिक प्रक्रियाओं को दर्शाया गया है। यहां रेशम कीट पालन, कोकून उत्पादन, धागा निर्माण और वस्त्र तैयार करने तक की पूरी श्रृंखला को जीवंत रूप में देखा जा सकेगा।

यह बात सोमवार को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान ने इस केंद्र का उद्घाटन करने के बाद कहीं। उन्होंने बताया कि यह केंद्र रेशम उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया 'सॉइल टू सिल्क' की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें मिट्टी से लेकर रेशम धागा और वस्त्र निर्माण तक की हर अवस्था को एक ही स्थान पर प्रदर्शित किया जाएगा। बताया कि यह स्थल पहले अनुपयोगी स्थिति में था, जिसे अब आधुनिक स्वरूप देकर रेशम उद्योग की पहचान का केंद्र बनाया गया है।

एमएसएमई मंत्री ने एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के ग्रोथ फंड की घोषणा का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के लघु उद्यमियों को बड़ा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में उद्यान एवं रेशम विभाग के अपर मुख्य सचिव, विशेष सचिव-निदेशक (रेशम) तथा केंद्रीय रेशम बोर्ड के अधिकारी उपस्थित रहे।

48 हजार कर्मचारियों का वेतन रोकने का आदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति का विवरण न भरने पर सख्ती
- डीडीओ की जवाबदेही तय, नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई के निर्देश

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों में पारदर्शिता और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल के आदेश पर मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का विवरण अपलोड नहीं करने वाले लगभग 48,000 राज्य कर्मचारियों का जनवरी 2026 का वेतन रोक दिया गया है। यह कार्रवाई राज्य सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत की गई है।

अमृत विचार ने पहले ही शासन की ओर से दी गई चेतावनी से कार्मिकों को अवगत कराया था कि 31 जनवरी तक मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का विवरण अपलोड नहीं कराने पर जनवरी माह का वेचन रुकेगा। अब मुख्य सचिव एसपी गोयल ने स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956 के नियम-24 के अनुसार सभी राज्य कर्मचारियों के लिए अपनी चल (जैसे वाहन, बैंक बैलेंस, जेवर) और अचल (जैसे मकान, भूमि) संपत्तियों का विवरण हर वर्ष मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य है। इसके बावजूद समयसीमा के भीतर विवरण न देने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध यह सख्त कदम उठाया गया है।

मुख्य सचिव की ओर से यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि किसी ऐसे कर्मचारी का वेतन गलती से जारी हो जाता है, जिसने संपत्ति विवरण अपलोड नहीं किया है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित आहरण-वितरण अधिकारी (डीडीओ) की होगी। ऐसे मामलों में डीडीओ के खिलाफ विभागीय जांच और रिकवरी की कार्रवाई की जाएगी।

शासन स्तर पर यह भी स्पष्ट किया गया है कि कुछ समाचार माध्यमों में 68 हजार से अधिक कर्मचारियों के वेतन रोके जाने की जो बात सामने आई है, वह सही नहीं है। राष्ट्रीय सूचना केंद्र के आंकड़ों के अनुसार 31 जनवरी 2026 तक कुल 47,816 कर्मचारियों ने ही संपत्ति विवरण पोर्टल पर दर्ज नहीं किया और इन्हीं कर्मचारियों का वेतन रोका गया है। इन कर्मचारियों को वेतन तभी मिलेगा, जब मानव संपदा पोर्टल दोबारा खोलकर वे अपना विवरण अपडेट करेंगे।

गौरतलब है कि शासन ने 24 नवंबर 2025 को आदेश जारी कर 31 दिसंबर 2025 तक अर्जित संपत्तियों का विवरण 31 जनवरी 2026 तक अपलोड करने का निर्देश दिया था। इसके बाद 6 जनवरी 2026 को स्पष्ट किया गया था कि जो कर्मचारी समय पर विवरण नहीं देंगे, उन्हें फरवरी में जनवरी का वेतन नहीं दिया जाएगा। मुख्य सचिव के ताजा निर्देशों में सभी विभागों से कहा गया है कि वे ऐसे कर्मचारियों की सूची तत्काल तैयार करें और यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी नियमों का उल्लंघन न हो। यदि किसी विभाग ने गलती से वेतन जारी कर दिया है, तो उसकी रिपोर्ट के साथ एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई विवरण शासन को भेजना होगा। साथ ही, संपत्ति विवरण न देने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

देवगढ़ स्थित वन्य जीव अभ्यारण्य में बर्ड फेस्टिवल की शुरुआत करते मंत्री जयवीर सिंह।

नेचर एंड बर्ड फेस्टिवल की शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : विश्व वेटलैंड दिवस के अवसर पर ललितपुर के देवगढ़ स्थित महावीर स्वामी वन्य जीव अभ्यारण्य में 'उप्र. नेचर एंड बर्ड फेस्टिवल-2026' का आयोजन किया गया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को 'वेटलैंड एंड ट्रेडिशनल नॉलेजः सेलिब्रेटिंग कल्चरल हेरिटेज' थीम पर आधारित इस फेस्टिवल का उद्घाटन किया। मंत्री जयवीर सिंह ने ललितपुर और झांसी में लगभग 24 करोड़ रुपये की पर्यटन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया।

364 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के तहत प्रदेश में सिख, जैन, बौद्ध और मुस्लिम समुदाय के समग्र विकास के लिए बड़ी पहल की गई है। कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 364 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। ये परियोजनाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, खेल, महिला एवं बाल कल्याण, कृषि और नगर विकास जैसे अहम क्षेत्रों से जुड़ी हैं। यह पहल मुख्यमंत्री योगी की समावेशी विकास की अवधारणा की दिशा में महत्वपूर्ण है। पीएमजेवीके के तहत अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में एकजुटता प्रदर्शित करते राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य नेता। अमृत विचार

मनरेगा कानून को बचाने की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस : अविनाश पांडेय

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव-प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय ने कहा कि आज जब हम मनरेगा जैसे जन प्रिय कानून को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं तो एक बात स्पष्ट हो गई है कि पूरे देश में सिर्फ कांग्रेस के कार्यकर्ता ही जन भावनाओं को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा कानून को कांग्रेस ने बनवाया था, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का एक अहम कदम था। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह इस जनप्रिय कानून को खत्म करने की कोशिश कर रही है। उप्र. प्रभारी, प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मनरेगा अधिनियम के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सोमवार को 'संविधान संवाद एवं राज्य स्तरीय मनरेगा बचाओ संग्राम' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि कांग्रेस इस कानून को उसकी मूल आत्मा के साथ बनाए रखेगी। इस मौके पर एनजीओ प्रतिनिधियों, सिविल सोसायटी और जनजातीय समूहों के सदस्यों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव सह प्रभारी धीरज गुर्जर, सत्यनारायण पटेल, नीलांशू चतुर्वेदी, तौकीर आलम समेत कई अन्य नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अतिरिक्त बजट से उतरेगी करोड़ों की बकायेदारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लाखों श्रमिक परिवार और फर्मों को मिलेगी राहत

अमृत विचार : बजट में खासकर मनरेगा से जुड़े परिवार और फर्मों के लिए उम्मीदों से भरा है। केंद्र ने अतिरिक्त 30 हजार करोड़ का बजट दिया है। जो राज्यों में वितरित होने पर निर्माण सामग्री और श्रमिकों का बकाया भुगतान किया जाएगा। प्रदेश में इस वर्ष की करीब 1591.29 करोड़ के आसपास बकायेदारी बनी हुई। बजट से लोगों में भ्रम भी दूर हो गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2026-27 में नई प्रक्रिया के तहत विकसित भारत-जी राम जी के कार्य शुरू होंगे। इसके लिए भी बजट का पिटारा केंद्र सरकार ने खोला है।

प्रदेश में इस वर्ष ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत कच्चे-पक्के कार्य कराए गए। निर्माण के लिए फर्मों से ईंट, मौरंग, सरिया, गिट्टी, बालू आदि खरीदी गई। जिसका भुगतान समय पर न होने से करोड़ों की बकायेदारी होती गई। बीच-बीच में पर्याप्त बजट न मिलने से बकायेदारी पूर्ण रूप से खत्म नहीं हो पाई। इसी तरह कुशल व अकुशल श्रमिकों को उनकी मजदूरी समय पर न मिलने से बकायेदारी बनी रही। जानकारों की मानें तो केंद्र ने बकायेदारी का ध्यान रखते हुए आकलन कराकर अतिरिक्त बजट निर्धारित किया है।

व्याख्यान

लविवि में अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. अभिजीत बनर्जी ने निर्धनता के पांच स्तंभों का किया विस्तार से वर्णन

आय बढ़ाने की जगह प्राथमिकता और व्यवहार में परिवर्तन जरूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: वर्ष 2019 में अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. अभिजीत बनर्जी ने कहा कि आय बढ़ाने की तुलना में प्राथमिकताओं और व्यवहार में परिवर्तन लाना अधिक प्रभावी परिणाम दे सकता है। गरीबी को प्रभावित करने वाले पांच प्रमुख स्तंभ हैं। पोषण, सूक्ष्म ऋण (माइक्रोक्रेडिट), शिक्षा, गरीबी का जाल व छोटे प्रयास। उन्होंने भूख और वैश्विक गरीबी जैसी समस्याओं के समाधान हेतु प्रयोगात्मक दृष्टिकोण के अनुप्रयोग पर चर्चा की और कहा कि मौजूदा समय में व्यापक ढांचे की जगह जमीनी स्तर पर ध्यान देने से बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री प्रो. अभिजीत बनर्जी का स्वागत करते कुलपति प्रो. जेपी सैनी व प्रो. अरविंद मोहन। अमृत विचार

सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान के दौरान प्रो. बनर्जी ने 147 देशों में किए गए अपने एक क्षेत्रीय अध्ययन का उल्लेख करते हुए बताया कि यह धारणा सही नहीं पाई गई कि आय में वृद्धि होने से पोषण स्तर में सुधार हो जाता है। उन्होंने तर्क दिया कि अत्यधिक महत्वाकांक्षी पाठ्यक्रम और कठोर शिक्षण पद्धतियां ऐसे विद्यालयी तंत्र के निर्माण के लिए उत्तरदायी हैं, जो प्रतिभा की पहचान नहीं कर पाता और बहुत कम वास्तविक अधिगम उत्पन्न करता है।

यह रहे कार्यक्रम में मौजूद : यूपी के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन, रोहित नंदन, मनोज कुमार सिंह, पूर्व कृषि उत्पादन आयुक्त प्रदीप भटनागर, अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी, अमित घोष, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, पूर्व कुलपति जीबी पटनायक, कुलपति प्रो. जेपी सैनीव प्रो. अरविंद मोहन आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कर्ज की अनुपलब्धता फंसाती गरीबी में

ऋण की अनुपलब्धता लोगों को गरीबी के दुष्चक्र में फंसा देती है। उत्पादक परिसंपत्तियों के हस्तांतरण को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ संयोजित करने वाले कार्यक्रम परिवारों को गरीबी से आत्मरोज़गार की ओर ले जाने में सहायक हो सकते हैं। सूक्ष्म वित्त के बारे में उन्होंने कहा कि पिछले 10 से 15 वर्षों में सूक्ष्म वित्त संस्थानों का तीव्र विस्तार हुआ है, फिर भी वे अब भी औसत व्यक्ति की पहुंच से बाहर हैं।

सुशासन की नीतियां पर्याप्त नहीं

सुशासन, लोकतंत्र, विधि का शासन और व्यापार नीति अपने आप में नीति-निर्माण का मार्गदर्शन करने के लिए पर्याप्त हैं, सही नहीं है। नीति-निर्माण में जिस बात का अभाव है, वह सामाजिक नीतियों के क्रियान्वयन से संबंधित सूक्ष्म विवरणों पर स्पष्ट मार्गदर्शन है। यहीं "प्लम्बिंग" (कार्यान्वयन की बारीक प्रक्रिया) की आवश्यकता उत्पन्न होती है।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

अमृत विचार, मलिहाबाद : रहीमाबाद में बाइक से घर जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मूलत: सीतापुर सिधौली निवासी शुभम (24) ट्रायली होलन पेस्ट कंट्रोल कंपनी में काम करता था। वह श्याम विहार कॉलोनी फैजुल्लागंज में रहता था। सोमवार को कम्पनी के कार्य से बाइक से शुभम संडीला गया हुआ था। वापस आते समय 7 बजे रहीमाबाद के पास अवध ढाबा के पास अनियंत्रित तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लहूलुहान शुभम को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया जहां मौत हो गई।

सभासद को दी धमकी रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : इटौंजा के महोना निवासी सभासद मनोज रावत को युवक ने गालियां दी। सभासद ने बताया कि कुछ दिन पहले उन्हें एक वीडियो देखा। उस वीडियो में इटौंजा के अटेसुवा निवासी उधम सिंह पासी समाज को लेकर अभद्र टिप्पणी कर रहे थे। इतना ही नहीं, आरोपी ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक और वीडियो और पोस्ट कर दी। इसमें आरोपी अपनी कमर में तमंचा लगा कर विधायक, सांसद, मंत्री और पुलिस को गाली-गलौज करते हुए अभद्र टिप्पणी कर रहा था। सभासद का कहना है कि इस हरकत से उधम ने जातीय दंगा भड़काने का प्रयास किया है। इतना ही नहीं पासी समाज की भावनाओं को भी आहत हुआ है। सभासद की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कराया है। एसीपी बीकेटी ज्ञानेंद्र सिंह के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

रंजिश में हमला एफआईआर दर्ज

अमृत विचार, माल : नारायणपुर निवासी संदीप सिंह पर पुरानी रंजिश में गांव के ही राजेंद्र गौतम व रंजीत यादव अपने दो साथियों के साथ रॉड व बांके से हमला कर दिया। संदीप के मुताबिक सोमवार की सुबह लगभग साढ़े 10 बजे पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही राजेंद्र गौतम व रंजीत यादव अपने दो अन्य साथियों के साथ एकराय होकर गाली गलौज करने लगे।गाली गलौज का विरोध करने पर उक्त व्यक्ति लोहे की रॉड व बांका से जानलेवा हमला कर दिया।जिससे लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर गया।शोर सुनकर ग्रामीणों को एकत्रित होता देख उक्त व्यक्ति मौके से भाग निकले।संदीप सिंह की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर लिया है।

दहेज की मांग पूरी न होने पर दिया तीन तलाक

अमृत विचार, लखनऊ : मलिहाबाद के केवलहार निवासी विवाहिता ने पति व ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न और तीन तलाक देने का आरोप लगाया है। पीड़िता अंजुम ने बताया कि उसका निकाह 2011 को मो. सगीर खान से हुआ था। आरोप है कि दहेज के लिए पति और ससुराल पक्ष के लोग मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते रहे। मायके पक्ष से करीब 5 लाख रुपये नकद और 1.5 लाख रुपये ऑनलाइन दिए जा चुके हैं। फिर भी पैसों की मांग की जाती रही। 25 जनवरी को पति ने 2 लाख रुपये की मांग की। विरोध करने पर मारपीट कर तीन तलाक दे दिया। अंजुम ने सास नफीस जहान, ससुर अब्दुल सरीफ खान, ननद निशा व रूतबा और देवर सउद खान पर भी मारपीट और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पति घर बेचकर उसे और तीन नाबालिग बच्चों को बेघर करने की कोशिश कर रहा है। इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि पति समेत छह ससुरालीजनों पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

रैंप पर उतरीं बिल्लियां, श्वान भी छाए

लामार्टीनियर ग्राउंड पर अवध पेटफूड सेलर्स और ब्रीडर्स ट्रेड बोर्ड ने कराया आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

डॉग शो में महिला को पुरस्कार देते संजय गुप्ता, साथ में अन्य।

अमृत विचार : अवध पेटफूड सेलर्स और ब्रीडर्स ट्रेड बोर्ड (संबद्धः उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल)की ओर से दो दिवसीय 'मेगा पेट कार्निवल'का समापन लामार्टीनियर ग्राउंड पर हुआ। इसमें बड़ी संख्या में पशु प्रेमी मौजूद रहे। इस बार डॉग शो के साथ कैट शो का भी आयोजन किया गया। इसमें 100 बिल्लियों ने रैंप पर जलवा बिखेरा।

कार्निवल के पहले दिन एक 'वृहद कैट शो' का आयोजन किया गया। शो मशहूर वेटनरी डॉक्टर और कैट विशेषज्ञ डॉ. एसए खान के कुशल निर्देशन में हुआ। इसमें लखनऊ के विभिन्न हिस्सों से आए पेट पेरेंट्स ने अपनी 100 से अधिक बिल्लियों के साथ हिस्सा लिया, जिन्होंने अपनी सुंदरता और चंचलता से सभी का मन मोह लिया। आयोजन स्थल पर 'पेट अवेयरनेस' और 'रेबीज जागरूकता' कार्यक्रम भी चलाया गया, इसमें लोगों को पालतू पशुओं की देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। वहीं दूसरे दिन डॉग शो और फैशन शो की धूम रही। इसमें लखनऊ के 40 से अधिक अलग-अलग नस्लों (ब्रीड्स) के 250 से अधिक श्वानों ने प्रतिभाग किया। शाम को आयोजित विशेष 'डॉग फैशन शो' में डॉग्स के नखरों और रैंप वॉक ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा और उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने शिरकत की। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए इसे पशु प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन पहल बताया। आयोजन का नेतृत्व बोर्ड के अध्यक्ष नीरज मूलचंद, उपाध्यक्ष चन्दन शर्मा, सचिव नितिन राठौर और कोषाध्यक्ष मैडी ने किया।

जमीन पर कब्जेदारी में किसान पर हमला

अमृत विचार, नगराम : नगराम के काजीखेड़ा गांव में जमीन पर कब्जेदारी को लेकर चल रही रंजिश के चलते एक किसान के साथ लाठी डंडों से जमकर मारपीट की गई। पुलिस ने घायल किसान की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। काजीखेड़ा गांव निवासी राम गुरुवार की रात करीब नौ बजे अपने खेत से घर लौटे थे। आरोप है कि उनके दरवाजे के सामने पहले से मौजूद श्यामू ने अपने बेटे नितिन अपने साथी आलोक के साथ मिलकर जमीन के विवाद को लेकर कहासुनी शुरू कर दी। गाली-गलौज का विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए लाठी-डंडों से पिटाई कर दी और उनका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

पुराने लखनऊ में 16 स्थानों पर बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● **शब-ए-बरात को देखते हुए यातायात पुलिस ने जारी किया डायवर्जन**

अमृत विचार: शब-ए-बरात को देखते हुए मंगलवार की शाम पुराने लखनऊ में 16 जगहों पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यह जानकारी डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित ने दी। डायवर्जन मंगलवार शाम पांच बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि जरूरी हो तभी निकलें। इस दौरान किसी इमरजेंसी में ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं।

यहां रहेगी रोक

- सीतापुर रोड से लेकर पक्का पुल और कैसरबाग से लेकर रकाबगंज तक आ-जा नहीं सकेंगे।
- हरदोई रोड की तरफ से आने वाले भारी वाहन (रोडवेज बसों को छोड़कर) दुबग्गा पेट्रोल पम्प तिराहे से बालागंज/चौक की ओर रोक रहेगी।
- कैसरबाग बस अड्डा से सीतापुर की ओर जाने वाली रोडवेज बसें एवं भारी वाहन डालीगंज पुल से शाहमीना, पक्कापुल की ओर रोक रहेगी।
- कैसरबाग बस अड्डा से हरदोई रोड की ओर जाने वाली रोडवेज बसें शाहमीना से पक्कापुल की ओर रोक रहेगी।
- कैसरबाग/हजरतगंज की ओर से शाहमीना तिराहा से पक्का पुल की ओर रोक रहेगी।
- पक्का पुल खदरा साईड तिराहा से पक्कापुल चौक की ओर रोक रहेगी।
- नीबू पार्क (रूमी गेट पुलिस चौकी) चौराहा से बड़े इमामबाड़े/पक्का पुल की ओर रोक रहेगी।
- कोनेश्वर चौराहे से नीबू पार्क चौराहा (रूमी गेट) की ओर रोक रहेगी।
- रकाबगंज पुल से सामान्य यातायात नादान महल रोड की ओर रोक रहेगी।
- राणा प्रताप चौराहे से आगे नया ओवर ब्रिज ढाल से ऐशबाग की ओर रोक।
- नाका हिण्डोला चौराहा से बड़े वाहन, चार पहिया वाहनों को ऐशबाग पुल की तरफ नहीं जाने दिया जायेगा।
- दो पहिया वाहन मोतीनगर/राजेन्द्र नगर चौराहा से आगे व ऐशबाग पुल के नीचे ऐशबाग ईदगाह की ओर नहीं जा सकेंगे।
- हैदरगंज तिराहा (लाल माधव) से ऐशबाग ईदगाह, ऐशबाग पुल की तरफ दो पहिया वाहनों के अतिरिक्त कोई भी चार पहिया/भारी वाहन की रहेगी रोक।
- स्टेशन रोड/कानपुर रोड से आने वाले भारी वाहनों को मवैया तिराहे से एवरेडी/मिलएरिया की ओर रोक।
- आलमबाग चौराहे से भारी वाहन (लंगड़ा फाटक) बाबू जगजीवन राम अकादमी, एवरेडी, मिल एरिया की तरफ नहीं जाएंगे।
- शांतिनगर चौराहे से सामान्य यातायात कुड़ियाघाट की तरफ रोक रहेगी।

यहां से जाएं

- चौराहा नं. 08, निराला नगर/आई0टी0 होकर जा सकेंगे।
- बुद्धेश्वर/आईआईएम सीतापुर रोड होकर जा सकेंगे।
- भारी वाहन डालीगंज पुल चौराहा से दाहिने आईटी चौराहा, निराला नगर, पुरनिया होते हुए जा सकेंगी।
- ये बसें शाहमीना तिराहे से बॉयें मेडिकल कालेज, मेडिकल क्रांस (चरक), कोनेश्वर चौराहा होते हुए जा सकेंगी।
- ये वाहन मेडिकल कालेज, चौक से कोनेश्वर या डालीगंज पुल चौराहे से दाहिने आईटी चौराहा होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन नया पुल बन्धा रोड/डालीगंज बाजार होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन मेडिकल क्रास, चौक व नये पुल से होते हुए जा सकेंगे।
- चौक/बालागंज होकर जा सकेंगे।
- मेडिकल कालेज/नाका होकर जा सकेंगे।
- चारबाग, नत्था, मवैया होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन रकाबगंज पुल/नत्था, मवैया होकर जा सकेंगे।
- मोतीनगर/राजेन्द्र नगर व ऐशबाग स्टेशन रोड, भूसामण्डी होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन बुलाकी अड्डा, मिल एरिया होकर जा सकेंगे।
- चारबाग/आलमबाग होकर जा सकेंगे।
- आलमबाग/बाराबिरवा होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन बालागंज चौराहा होते हुए जा सकेंगे।

प्रधानाचार्या के खिलाफ जांच में घालमेल का आरोप

अमृत विचार, निगोहां : श्रीसत्य नारायण तिवारी विद्यामंदिर इंटर कॉलेज की कार्यवाह प्रधानाचार्या पर वित्तीय भ्रष्टाचार, अवैध वसूली, अनुशासनहीनता, अभिभावकों का शोषण का आरोप लगाया गया था। जांच मस्तीपुर राजकीय हाईस्कूल की प्रधानाचार्या किरन यादव को सौंपी गई। रामदेव रावत और दिलीप तिवारी ने जांच में गड़बड़ी का आरोप लगा शिकायत मुख्यमंत्री को भेजी है।

मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री को भेजे पत्र में कहा गया है कि 21 बिंदुओं की शिकायत की जांच करने में जांचकर्ता पक्षपातपूर्ण कार्य कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष 5 मई को मुख्यमंत्रली के जनसुनवाई पोर्टल पर 21 बिंदुओं की शिकायत कार्यवाहक प्रधानाचार्या सरिता विश्वकर्मा के खिलाफ भेजी गई थी। जिसमें प्रवेश फार्म में छात्रों से 100 रुपया की जगह 800 रुपया लेने, टीसी फार्म को बेचने और चरित्र प्रमाण पत्र में पैसा लेने सहित 21 आरोप लगाए गए थे। मुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री को भेजे गए शिकायती पत्र में जांचकर्ता की भूमिका और कार्यवाहक प्रधानाचार्या के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

चोरी की चार टन सरिया के साथ चार गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● **25 जनवरी को भैसामऊ क्रासिंग के पास से हुई थी चोरी**

अमृत विचार: बक्शी का तालाब थाना पुलिस ने चोरी की चार टन सरिया संग चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात का सोमवार को खुलासा करते हुए प्रयुक्त ट्रक भी बरामद किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी ऋषभ रुणवाल के मुताबिक 25 जनवरी को बक्शी का तालाब थानाक्षेत्र के भैसामऊ क्रॉसिंग के पास शिवरतन ट्रेडर्स की दुकान के बाहर से 40 कुंतल सरिया चोरी हुई थी। रविवार देर रात बक्शी का तालाब पुलिस को सूचना मिली कि एक ट्रक चोरी की सरिया के साथ इन्दौराबाग तहसील जाने वाली सर्विस लेन, किसान पथ कट के पास खड़ा है। पुलिस ने घेराबंदी कर चार आरोपियों को पकड़ा। उनके पास से ट्रक में लगी 23 बंडल सरिया बरामद हुई। पुलिस का दावा है कि आरोपी सरिया बेचने की फिराक में थे। आरोपियों में उन्नाव के सोहरामऊ का मेवालाल यादव, अखिलेश कुमार, दीपक यादव और जयदीप यादव शामिल है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों पर लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, सुल्तानपुर और बाराबंकी में अपराधी मामले दर्ज है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

बंद मकानों में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते दिनों दो मकानों में हुई चोरी का खुलासा पुलिस ने कर दिया। इस मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक बिजनौर के माती निवासी सुजीत ने बीते दिनों रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि 26 जनवरी की शाम जब वह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ मोहनलालगंज के गणेश खेड़ा स्थित ससुराल चला गया। रात में चोरों ने उसके घर का ताला तोड़कर कीमती सोने चांदी के गहने और 56 हजार रुपये चोरी कर लिए। अगले दिन वापस आने पर इसकी जानकारी हुई। वहीं, कस्बा के कटरा मोहल्ला निवासी कल्लू गौतम ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 18 जनवरी की रात वह परिवार सहित कमरे में सो रहा था। तभी छत के रास्ते घुसे चोर दूसरे कमरे में रखे सोने चांदी के गहने और करीब 15 हजार रुपये चोरी कर ले गए। पुलिस ने घटना के खुलासे के लिए टीमें गठित की थी। रविवार रात एक युवक थाना क्षेत्र में अलीनगर खुर्द की ओर किसान पथ अंडरपास के नीचे से पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी कस्बा के पटवारी मोहल्ला निवासी फैजान अहमद है। उसके पास से सोने की एक नाक की कील और एक जोड़ी पायल व 1810 रुपए बरामद किए हैं।

ज्वैलर्स से लूट के खुलासे के लिए चार टीमें दे रहीं दबिश

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा में रविवार देर रात ज्वैलर्स से हुई लूट की घटना के खुलासे के लिए चार टीमें छापेमारी कर रही हैं। बनी गांव निवासी उदय की जुनाबगंज में उदय ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। रविवार को दुकानदार उदय बाजार गये थे। उनके भाई जय सिंह शाम करीब 7.30 बजे जेवर लेकर घर जा रहे थे। वह राम-लखन के मकान पास पहुंचे थे। तभी दो बाइक पर तीन बदमाशों ने घेर लिया। तमंचा दिखाकर धमकी दी और उनसे 70 जोड़ी चांदी के पायल व 200 ग्राम सोने के जेवर लूट लिये। पीड़ित जय सिंह के मुताबिक एक बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उसकी बाइक को ओवरटेक कर लात मार दी, जिससे वह गिर पड़ा। इसके बाद बदमाशों ने चाकू और तमंचा सटाकर गहनों से भरा बैग छीन लिया। मौके से भाग निकले। सूचना पर सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर रजनीश कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। पुलिस के मुताबिक थाना पुलिस की दो टीमों के साथ सर्विलांस टीम भी जांच में जुटी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

सतीश पॉली क्लीनिक पर कसा शिकंजा

स्वास्थ्य विभाग ने थमाया नोटिस, थाने में तहरीर भी दी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

क्लीनिक बंद करने के लिए संचालक सतीश को नोटिस देते हुए सीएचसी अधीक्षक।

अमृत विचार : काकोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत ग्राम दोना में संचालित सतीश पॉली क्लीनिक पर स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। सीएचसी अधीक्षक केडी मिश्रा ने निरीक्षण के बाद अवैध क्लीनिक को बंद कराने के लिए पुलिस को तहरीर सौंप दी है।

सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि 31 जनवरी को क्लीनिक का निरीक्षण किया गया, जहां एक मरीज का इलाज आईवी फ्लूड के माध्यम से करते हुए सतीश यादव को पाया गया। जांच में सामने आया कि सतीश की केवल डिप्लोमा इन फार्मेसी योग्यता है, बावजूद इसके वह चिकित्सकीय उपचार दे रहे थे।

निरीक्षण में क्लीनिक के भीतर चार बेड और एक मॉनिटर पाए गए, वहीं फार्मेसी में बड़ी मात्रा में दवाइयां मौजूद थीं। क्लीनिक संचालक ने फार्मेसी लाइसेंस तो दिखाया, लेकिन क्लीनिक संचालन के लिए कोई वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका। स्वास्थ्य विभाग ने मौके पर ही नोटिस जारी कर तत्काल क्लीनिक बंद करने के निर्देश दिए थे, लेकिन क्लीनिक संचालक ने इसके बावजूद संचालन जारी रखा। पुलिस इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले साल मई माह में भी स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने छापेमारी में सतीश पॉली क्लीनिक को अवैध पाया था। नोटिस देकर स्पष्टीकरण मंगा गया। संतोषजनक जवाब न मिलने पर संचालन पर रोक भी लगाई गई थी। इसके बावजूद पॉली क्लीनिक का संचालन धडले से हो रहा था।

शाइन सिटी की एचआर मैनेजर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने शाइन सिटी इंफ्रा लि. की एचआर मैनेजर को सोमवार दोपहर गिरफ्तार कर लिया। वह छह साल से फरार चल रही थी। उनके खिलाफ निवेशकों की रकम हड़पने और अन्य तरीके से धोखाधड़ी के मामले में गोमतीनगर में वर्ष 2020 में एफआईआर दर्ज की गई थी।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी एचआर मैनेजर प्रीति सिंह जानकीपुरम की रहने वाली हैं। इस मामले में नौ आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। अब एक आरोपी ही फरार रह गया है। शाइन सिटी कम्पनी ने कई जिलों में कम दाम पर प्लाट और कई अन्य लुभावनी योजनाओं का झांसा देकर निवेशकों से करोड़ों रुपये जमा करा लिए थे। उसके बाद इन निवेशकों को बिना कुछ दिए ही विपुल खंड स्थित कार्यालय बंद कर सब फरार हो गए थे। इसके बाद ही कई एफआईआर दर्ज हुई थी। महिला अधिकारी जानकीपुरम निवासी प्रीति सिंह नामजद हुई थी।

सिटी डायरी

धरने पर बैठी प्रधान।

धरने पर बैठीं ग्राम प्रधान ने एसडीएम पर लगाया आरोप

अमृत विचार, मलिहाबाद : ग्राम पंचायत में रुके विकास कार्यों को कराने समेत कई मांगों को 14 दिनों से तहसील परिसर में धरने पर बैठीं ग्राम प्रधान विजय लक्ष्मी ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कहा कि कई बार बार शिकायत के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। सड़क, नाली, साफ-सफाई समेत अन्य कार्य ठप हैं। आरोप लगाया कि सोमवार को उपजिलाधिकारी और हल्का लेखपाल निर्भय सिंह ने धरना स्थल पर आकर बैनर फाड़ दिया और लेखपाल ने अभद्र व्यवहार भी किया।लेखपाल पर पर विकास कार्यों में बाधा डालने का भी आरोप लगाया। इस संबंध में उपजिलाधिकारी ने कहा कि प्रधान की गांव से संबंधित समस्याओं का निस्तारण कराया जा रहा है। वह मौके पर निस्तारण की मांग पर अड़ी हैं। अभद्रता का आरोप बेबुनियाद है।

संत रविदास की जयंती पर आयोजित गोष्ठी में बोलते वक्ता।

संत रविदास की जयंती पर हुई गोष्ठी

अमृत विचार, काकोरी : संत रविदास की जयंती पर रविवार को कुसमी गांव में गोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समाजोत्थान समिति चौखड़ीखेड़ा की ओर से निकाली गई झांकी का जगह जगह पर लोगों ने स्वागत किया। बलबीर गौतम की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बसपा नेता जगदीश रावत, सपा नेता टीबी सिंह, सपा के विधानसभा क्षेत्र उपाध्यक्ष सुमित कनौजिया, राम नारायण रावत, सहकारी संघ लिमिटेड काकोरी सभापति केशरी राव धारा सिंह यादव, अध्यापक श्याम लाल गौतम, सुरेश गौतम, विनोद गौतम, रमेश गौतम, राम नरेश रावत, शेर बहादुर सिंह यादव नन्हा, सनेही रावत, तूफानी गौतम शामिल रहे।

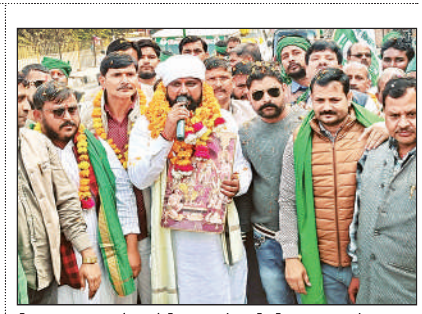
किसान यात्रा को संबोधित करते ऋषि मिश्रा, साथ में अन्य।

किसान क्रांति पदयात्रा का स्वागत

अमृत विचार,निगोहां : भारतीय किसान यूनियन भानू गुट की किसान क्रांति पदयात्रा का सोमवार को नगराम, समेसी, रामपुर और निगोहां में स्वागत किया गया। संगठन के प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा की अगुवाई में पदयात्रा का रविवार को गोसाईगंज ब्लॉक से शुरू हुई थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह ने यात्रा को रवाना किया था। भाजपा नेता संजीव शुक्ला निशु मिश्रा, निगोहां प्रेस क्लब संरक्षक मुकेश द्विवेदी, अध्यक्ष विमल सिंह चौहान ने स्वागत किया।ऋषि मिश्रा ने बताया कि 10 फरवरी को पीजीआई क्षेत्र स्थित वृंदावन योजना मैदान में किसान महापंचायत के साथ यात्रा का समापन होगा। उन्होंने किसान आयोग के गठन समेत कई मांगें उठाईं।

शिविर में जांच करती हुई डॉक्टर।

200 लोगों ने कराई जांचें

अमृत विचार, लखनऊ : निजी अस्पताल की ओर से सोमवार को राजाजीपुरम स्थित द्विवेदी औषधालय में नि:शुल्क आंख, शुगर और बीपी जांच का शिविर लगाया गया। ई-ब्लॉक उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनूप द्विवेदी ने बताया कि शिविर का 200 व्यापारी व स्थानीय लोगों ने लाभ लिया। डॉ. संजय जायसवाल और डॉ. नूरजहां ने जांच कर परामर्श दिया। संगठन के पदाधिकारी उमेश कुमार भी रहे।

आयोजन | उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह करेंगे सोलर सिस्टम और लिफ्ट का उद्घाटन

157 वर्ष का हो गया बलरामपुर अस्पताल, स्थापना दिवस आज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

पत्रकारवार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देती हुए निदेशक डॉ. कविता आर्या और सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी।

अमृत विचार : गोलागंज क्षेत्र में 1869 में शुरू हुई 'रेजिडेंसी हिल डिस्पेंसरी' वर्ष 1902 में बलरामपुर अस्पताल में तब्दील हो गई। 12 बेड से शुरू हुआ ये अस्पताल अपनी स्थापना के 157वें वर्ष तक के सफर में 776 बेड का हो चुका है।

मंगलवार को अस्पताल के स्थापना दिवस पर मरीजों के लिए कई अन्य सुविधाएं शुरू होने जा रही हैं। निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए 650 किलोवॉट क्षमता का सोलर पैनल और न्यू बिल्डिंग वॉर्ड में मरीजों को एक तल से दूसरे तल ले जाने के लिए नई लिफ्ट का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण करेंगे। पद्मश्री डॉ. राजेंद्र प्रसाद भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता आर्या ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि इस बार स्थापना दिवस समारोह ''विरासत से विश्वास तक'' की थीम पर मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अस्पताल की छतों पर लगाए गए सोलर पैनल से हर माह साढ़े पांच से छह लाख रुपये की बिजली का उत्पादन होगा। वार्ड-11 में नई लिफ्ट लगाई गई है। लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट भी जल्द ही चालू कर दिया जाएगा। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अस्पताल को रंगीन झालरों से सजाया गया है।

सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया कि अस्पताल की ओपीडी में वर्ष 2025 में 10 लाख नए और 25 लाख पुराने मरीजों का इलाज किया गया। 35 लाख मरीजों को डॉक्टरों ने परामर्श दिया। प्रदेश भर के 43,682 मरीज भर्ती भी किए गए। इस दौरान लगभग 48.82 लाख पैथोलॉजी जांचें, 55,997 रैबीज इंजेक्शन और 9,915 सीटी स्कैन किए गए।

गुर्दा मरीजों को बड़ी राहत

- चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देवाशीष शुक्ला ने बताया कि गुर्दा रोगियों के लिए डायलिसिस सुविधा को मजबूत किया गया है। अस्पताल में डायलिसिस मशीनों की संख्या छह से बढ़ाकर 15 कर दी गई है, जबकि पीपीपी मॉडल पर 14 मशीनें संचालित हो रही हैं। पहले जहां प्रतिदिन 30 से 40 डायलिसिस होती थीं, अब रोजाना 60 मरीजों की डायलिसिस की जा रही है। एक वर्ष में करीब 20 हजार मरीजों को डायलिसिस की सुविधा दी गई।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 3 फरवरी 2026

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

सहायिका भर्ती की कराई स्क्रीनिंग

अमृत विचार, लखनऊ : आंगनबाड़ी केंद्रों पर सहायिका के 1107 पदों की भर्ती प्रक्रिया तेज हो गई है। सोमवार को विकास भवन में कमेटी द्वारा आवेदनों की स्क्रीनिंग की गई। सीडीओ, डीपीओ और सीडीपीओ की उपस्थित में आवेदनों के अभिलेख जांचे गए। आवेदकों को विकास खंड वार बुलाया गया था। परिसर में महिला आवेदकों की कतार रही।

आठ माह से नहीं मिला मानदेय

अमृत विचार, लखनऊ : मनरेगा के तहत सोशल ऑडिट सेल के जिला व ब्लॉक मुख्यालय पर तैनात लोगों को आठ माह से मानदेय नहीं मिला है। लंबे समय से बिना मानदेय के कर्मियों का जीवन-यापन करना मुश्किल हो गया है। मानदेय भी कम है। कर्मियों ने अफसरों व शासन स्तर पर गुहार लगाई लेकिन, सुनवाई नहीं हुई।

50 हजार पशुओं का हुआ टीकाकारण

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि 24 जनवरी से चल रहे गांव-गांव मुंहपका- खुरपका टीकाकरण अभियान में 3 .80 लाख पशु के सापेक्ष 50 हजार से अधिक का टीकाकरण टीमों ने कर लिया है। 45 दिन तक यह विशेष अभियान चलेगा।

कर्मचारियों से किया वादा नहीं हुआ पूरा : मिश्र

अमृत विचार, लखनऊ : इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्रा ने कहा कि बजट में देशभर के पांच करोड़ कर्मचारी परिवार की उपेक्षा की गई है। प्रधानमंत्री का वादा था कि 1 जनवरी, 2026 से आठवां वेतन आयोग लागू किया जाएगा, पेंशन में वांछित सुधार किया जाएगा। आउटसोर्स, ठेका, संविदा कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन सहित सभी सुविधाएं देने का निर्णय लिया जाएगा। वादे की बात बजट में कहीं नहीं दिखी। इप्सेफ के महासचिव प्रेमचन्द्र और उप महासचिव अतुल मिश्रा ने इस बजट को कर्मचारी विरोधी बताया और इसके लिए एकजुट होकर कर्मचारी हितरक्षक आंदोलन करने की बात कही।

पति ने प्रेमिका से पत्नी को पिटवाया

अमृत विचार, आलमबाग : कृष्णा नगर इलाके में तीन दिन पूर्व सड़क पर महिलाओं द्वारा एक महिला की पिटाई की गई। इसका वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद कृष्णानगर पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर चार महिलाओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कृष्णा नगर के न्यू इंद्रलोक कॉलोनी केसरी खेड़ा में रहने वाली पीड़िता अंजली ने बताया कि उसके पति मनोज कुमार गुप्ता ने तीन दिन पूर्व मोबाइल फोन देने के लिए उसे अलीनगर सुनहरा बगीचे में बुलाया था। जहां उसके पति मौजूद नहीं थे, लेकिन पति की प्रेमिका काजल गौतम से मुलाकात हो गई। उसने बिना वजह गालियां देनी शुरू किया। पीछे से काजल ने उसके सिर पर डंडे से वार कर दिया। जिससे वह नीचे गिर पड़ी और काजल, उसकी मां सुनीता और काजल की मौसेरी बहन उसपर हमला कर दिया। राहगीरों ने इस मारपीट का वीडियो बनाना शुरू कर दिया।

सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही पुलिस

अमृत विचार, लखनऊ : कानपुर रोड स्थित हाइडिल कॉलोनी से लिफ्ट देने के बहाने थार से ट्रक चालक को अगवा कर लिया गया। उसे सैरपुर इलाके में खेत में फेंक दिया गया। इस मामले में सैरपुर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश में सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। हालांकि देर रात तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा था। कानपुर के घाटमपुर निवासी हृदय नारायण ट्रक चालक है। शनिवार को अमौसी स्थित एलपीजी गैस प्लांट पर ट्रक खड़ा कर कानपुर जाने के लिए निकला था। कानपुर रोड पर हाइडिल के पास पहुंचकर सवारी वाहन का इंतजार कर रहा था। इसी बीच काली थार सवार लोगों ने उसे लिफ्ट देने के बहाने अगवा कर लिया था। हाथ पैर बांध दिए थे। उसके 60 हजार रुपये लूट लिए थे। विरोध करने पर मारपीट की थी। इसके बाद सैरपुर इलाके में आलू के खेत में पीड़ित को फेंक कर फरार हो गए थे। रविवार सुबह ग्रामीणों ने उसे बंधन मुक्त कराया था। इस मामले में सैरपुर और सरोजनीनगर पुलिस सीमा विवाद में पड़ गई थी। हालांकि अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद सैरपुर पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसओ सैरपुर मनोज कुमार कोरी के मुताबिक काली थार सवार बदमाशों के भागने का रूट पता किया जा रहा है।

बिना बाईपास सर्जरी बदले दिल के वॉल्व

टीएवीआई तकनीक से केजीएमयू के चिकित्सों ने दो बुजुर्ग मरीजों को दिया नया जीवन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 48 घंटे में मरीज को अस्पताल से दे दी गई छुट्टी

अमृत विचार : किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के लारी कार्डियोलॉजी विभाग के डॉक्टरों ने दिल के वॉल्व की गंभीर बीमारी से पीड़ित दो बुजुर्ग मरीजों का बिना बाईपास सर्जरी की। ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वॉल्व इम्प्लांटेशन (टीएवीआई) तकनीक अपनाकर मरीजों को बड़े ऑपरेशन और लंबे दर्द से बचाया गया।

84 वर्षीय मरीज के वॉल्व में खराबी के कारण दिल की पंपिंग क्षमता बेहद कम हो गई थी। डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, पेशाब में खून आने और दोनों फेफड़ों में पानी भरने जैसी गंभीर समस्याएं भी थीं। डॉ. शरद चन्द्रा ने बताया कि इस स्थिति में बाईपास सर्जरी संभव नहीं थी। जांच में धमनियों में अत्यधिक कैल्शियम जमा होने से वह संकरी हो चुकी थीं। ऐसे में इंट्रावस्कुलर लीथोट्रिप्सी बैलून तकनीक से कैल्शियम तोड़कर धमनियों को चौड़ा किया गया और पैर की नस के जरिए कैथेटर डालकर सफलतापूर्वक नया वॉल्व प्रत्यारोपित किया गया।

दूसरे मरीज की उम्र 75 वर्ष है, जिनका आठ साल पहले सर्जरी से बदला गया दिल का वॉल्व पूरी तरह फेल हो चुका था। दिल को खून पंप करने में कठिनाई हो रही थी। उम्र और अन्य बीमारियों के चलते दोबारा बाईपास सर्जरी जोखिम भरी थी। डॉ. गौरव चौधरी के अनुसार, टीएवीआई तकनीक से मरीज का वॉल्व सफलतापूर्वक बदला गया और प्रत्यारोपण के 48 घंटे बाद ही मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

डॉ. अखिल शर्मा ने बताया कि अधिक उम्र और गंभीर बीमारियों वाले मरीजों में बाईपास सर्जरी चुनौतीपूर्ण होती है। ऐसे मरीजों के लिए टीएवीआई तकनीक उम्मीद की नई किरण है, जिसमें कम समय में, कम दर्द के साथ सुरक्षित इलाज संभव हो पाता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में 50 निजी सचिवों के अस्थायी पद सृजित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शासनादेश जारी कर न्यायमूर्तियों की प्रभावी संख्या 150 मानकर पद सृजन

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायिक कार्यों को अधिक प्रभावी और सुचारु बनाने की दिशा में बड़ा निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने निजी सचिव संवर्ग के 50 अस्थायी पदों के सृजन को लेकर सोमवार को नया शासनादेश जारी किया है। इसके तहत अब न्यायमूर्तियों की स्वीकृत संख्या 160 के सापेक्ष प्रभावी संख्या 150 मानते हुए ये पद सृजित किए गए हैं। यह शासनादेश 3 अगस्त 2022 को जारी पूर्व आदेश को निरस्त करते हुए जारी किया गया है।

शासनादेश के अनुसार, पहले निजी सचिवों की नियुक्ति को इस शर्त से जोड़ा गया था कि न्यायमूर्तियों की कार्यरत संख्या 125 तक पहुंचे। बाद में यह पाया गया कि यह शर्त "द इलाहाबाद हाईकोर्ट प्राइवेट सेक्रेटरीज (कंडीशंस ऑफ सर्विस) रूल्स, 2001" के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। नियमों के अनुसार, न्यायमूर्तियों के साथ केवल निजी सचिव ही कार्यरत रह सकते हैं, न कि अपर निजी सचिव। इसी आधार पर 2022 के शासनादेश में सृजित 17 अपर निजी सचिव और 33 निजी सचिव के कुल 50 अस्थायी पदों को लेकर लगी शर्त को हटाते हुए नया आदेश जारी किया गया है। नए शासनादेश के तहत निजी सचिव संवर्ग के 50 अस्थायी पद 28 फरवरी 2026 तक के लिए सृजित किए गए हैं।

शीघ्र शुरू हों एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन : योगी

उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

- प्रशिक्षण, स्वरोजगार, एमएसएमई और सेवा क्षेत्र को एक ही परिसर में जोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उप्र. दिवस के अवसर पर घोषित 'सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन' प्रदेश में औद्योगिक विकास को रोजगार और कौशल से सीधे जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने इसे सभी जिलों में उपयुक्त स्थलों पर भूमि चिन्हित कर शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। कहा कि परियोजना को समयबद्ध ढंग से लागू किया जाए, ताकि युवाओं को प्रशिक्षण, रोजगार और उद्यमिता के अवसर एक ही परिसर में उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री ने लोकभवन में सोमवार को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि राज्य की औद्योगिक नीति का उद्देश्य केवल उद्योग स्थापित करना नहीं, बल्कि ऐसा सक्षम और व्यावहारिक इकोसिस्टम तैयार करना है, जहां स्थानीय युवाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार और वेतन आधारित रोजगार के अवसर साथ-साथ मिलें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जोन स्थानीय आवश्यकताओं और क्षेत्रीय औद्योगिक संभावनाओं के अनुरूप विकसित किए जाएं, ताकि प्रत्येक जनपद की विशिष्टता के अनुसार रोजगार सृजन हो सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन उद्योग, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार और उद्योग-सहायता से जुड़े विभिन्न विभागों और सुविधाओं को एकीकृत रूप में उपलब्ध कराने की पहल है। उन्होंने एमएसएमई, सेवा आधारित उद्योगों, स्टार्ट-अप और नवाचार से जुड़े क्षेत्रों को विशेष रूप से प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। इसके लिए प्लग-एंड-प्ले यूनिट, फ्लैटेड फैक्ट्री और साझा अवसंरचना विकसित की जाएगी, जिससे उद्यमियों को शुरुआती स्तर पर ही आवश्यक सुविधाएं मिल सकें।

50 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित होगा जोन

योजना के अंतर्गत प्रत्येक जनपद में न्यूनतम 50 एकड़ क्षेत्रफल में एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन विकसित किए जाएंगे। प्रस्तावित लेआउट में औद्योगिक क्षेत्र, फ्लैटेड फैक्ट्री, वाणिज्यिक क्षेत्र, सड़क नेटवर्क, कॉमन फैसिलिटी, सर्विस सेक्टर, हरित क्षेत्र और कार्यालय स्पेस का संतुलित विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

पोर्टल पर लंबित प्रकरणों से डीएम नाराज

जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक : नादरगंज से सीपेट तक सड़क 28 तक बन जाएगी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक में जिलाधिकारी विशाख जी। अमृत विचार

अमृत विचार : जिलाधिकारी विशाख जी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक हुई। निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी विभागों को प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

औद्योगिक क्षेत्र अमौसी व नादरगंज में अवस्थापना सुविधाओं के बारे में यूपीसीडा के अधिशासी अभियंता ने जिलाधिकारी को बताया कि नादरगंज से सीपेट तक मुख्य सड़क एवं ड्रेन का कार्य प्रगति पर है। मुख्य सड़क 28 फरवरी तक बन जाएगी। सड़क की नाली का निर्माण 15 फरवरी तक पूरा हो जाएगा। आंतरिक सड़कों के चौड़ीकरण एवं नालियों के निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृति के लिए भेजा गया है। अधिशासी अभियंता ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन नगर निगम से समन्वय करते हुए नियमित कराया जा रहा है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, अपर नगर आयुक्त, उपायुक्त उद्योग, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय प्रबंधक यूपीसीडा, लखनऊ विकास प्राधिकरण, नगर निगम सहित उद्योग से संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारी, औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

9.8 करोड़ बच्चों को खिलाई जाएगी पेट के कीड़ों की दवा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बच्चों को पेट के कीड़ों से मुक्त करने के उद्देश्य से 10 फरवरी को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 9.8 करोड़ बच्चों को एल्बेंडाजोल दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो बच्चे इस दिन दवा सेवन से वंचित रह जाएंगे, उन्हें 13 फरवरी को मॉप-अप राउंड के तहत कवर किया जाएगा। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के महाप्रबंधक डॉ. सतीश कुमार गौतम ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और आईसीडीएस के बीच समन्वय स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि 21 जिलों के 64 चयनित ब्लॉकों और शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सर्वजन दवा सेवन (आईडीए) अभियान संचालित किया जाएगा। इन क्षेत्रों में कृमि मुक्ति दिवस नहीं मनाया जाएगा, क्योंकि वहां पहले से एल्बेंडाजोल दवा दी जा रही है।

शिक्षकों के समायोजन प्रक्रिया पर अंतरिम रोक 17 तक बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालयों में समायोजन के मामले में याची शिक्षकों के समायोजन प्रक्रिया पर 13 जनवरी को लगी अंतरिम रोक को अगली सुनवाई तक के लिए बढ़ा दिया है। मामले ने अगली सुनवाई 17 फरवरी को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति श्री प्रकाश सिंह की एकल पीठ ने शिक्षकों की ओर से दाखिल कुल 130 अलग-अलग याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए पारित किया। सोमवार को सुनवाई के दौरान पक्षकारों ने अपना-अपना जवाबी शपथ पत्र व प्रत्युत्तर शपथ पत्र दाखिल किया। इस पर कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के लिए 17 फरवरी की तारीख नियत करते हुए, तब तक के लिए अंतरिम रोक बढ़ा दी है। उल्लेखनीय है कि याचिकाओं में तीसरे चरण के समायोजन में नियमों की अनदेखी को आधार बनाया गया है। कहा गया है कि पहले चरण के समायोजन में विभिन्न जिलों के तमाम स्कूल एकल हो गए थे, उसके बाद अगस्त में दूसरे चरण का समायोजन तो हुआ लेकिन विसंगतियां दूर नहीं हो सकी तथा मनमाने तरीके से कुछ जिलों में वरिष्ठ तो कुछ में कनिष्ठ शिक्षकों को दूसरे स्कूलों में भेज दिया गया।

संसद में विपक्ष को भी सुना जाए : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादियों ने समय-समय पर कई बार चीन सीमा के मुद्दे को सरकारों के सामने रखा है कि हमारे देश को पाकिस्तान से ज्यादा चीन से सावधान रहना पड़ेगा।

सपा प्रमुख सोमवार को संसद भवन के बाहर मीडिया के सवालों को जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि चीन ने हमारी काफी जमीन पर कब्जा किया हुआ है, इसलिए यह महत्वपूर्ण मुद्दा है। नेता विरोधी दल लोकसभा जो मामला उठा रहे थे, वह राष्ट्रीय सुरक्षा का था। जब सदन में प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और गृहमंत्री मौजूद थे, नेता विरोधी दल और विपक्ष जो बात उठा रहा था, उसे आने देना चाहिए था। सदस्यों की चिंता और बात आनी चाहिए, हम सभी लोग इसीलिए चुनकर आए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि एक तरफ चीन सीमा पर घुसपैठ करता है दूसरी तरफ चीन के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार हो रहा है। सदन में अगर कोई बात रख रहा है तो उसे आना चाहिए।

इलाज में अहम भूमिका निभा रहा अल्ट्रासाउंड

पीजीआई में कार्यशाला

कार्यक्रम में शामिल पीजीआई के निदेशक डॉ. आरके धीमन सहित अन्य विशेषज्ञ।

अमृत विचार, लखनऊ : अल्ट्रासाउंड मशीन अब केवल बीमारी की पहचान तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह कारगर इलाज में भी अहम भूमिका निभा रही है। यह बात पीजीआई के निदेशक डॉ. आरके धीमन ने कही। वह पीजीआई के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग की ओर से आयोजित अल्ट्रासाउंड-गाइडेड रीजनल एनेस्थीसिया पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला एस-क्राफ्ट-26 को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. धीमन ने बताया कि अल्ट्रासाउंड जांच की मदद से महीन तार नसों में डाला जाता है, जिससे नसों में मौजूद रुकावट को आसानी से दूर किया जा सकता है। दर्द के लिए जिम्मेदार नसों की सटीक पहचान कर उन्हें ब्लॉक करना संभव हो गया है। उपचार अधिक सुरक्षित और प्रभावी हो गया है। एनेस्थीसियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. संजय धीराज ने कहा कि पहले नसों की रुकावट दूर करने के लिए सर्जरी जरूरी होती थी, लेकिन अब अल्ट्रासाउंड-गाइडेड तकनीक से महीन तार के माध्यम से बिना ऑपरेशन ही रुकावट को दूर किया जा सकता है। संस्थान के डीन डॉ. शालीन कुमार ने बताया कि यह तकनीक दर्द को कम करने के साथ-साथ रिकवरी समय को भी काफी घटाती है। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देवेंद्र गुप्ता, डॉ. प्रतीक सिंह बैस सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद रहे।

तालकटोरा रोड के दुकानदारों से लिया जाए पुराना किराया, नोटिसों से नाराज व्यापारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- उप मुख्यमंत्री से मिले उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के नेता

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल लखनऊ इकाई के अध्यक्ष अमरनाथ अग्रवाल, महामंत्री योगेन्द्र सिंह के नेतृत्व में व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मिला और मांग पत्र सौंपा। इसमें तालकटोरा रोड आलमबाग के दुकानदारों पर बढ़ाए गए बेतहाशा किराए व लाखों की नोटिस को लेकर नाराजगी जताई गई। व्यापारियों ने कहा कि किराया कम किया जाए।

संगठन मंत्री श्याम मिश्रा ने बताया कि ताल कटोरा रोड के 335 दुकानदारों पर नगर निगम द्वारा 2017 में किराया बढ़ाया गया था। इस पर दुकानदारों ने अत्यधिक किराए को कम करने की मांग उठाई थी। व्यापारियों ने पूर्व महापौर सयुंक्ता भाटिया के सामने भी इसे रखा था, जिसमें पुरानी दर पर किराए जमा करने का प्रस्ताव दिया गया था, इसके बाद व्यापारियों ने किराए जमा करने का प्रयास किया तो अधिकारियों ने बताया कि विसंगतियां होने के कारण अभी किराया नहीं लिया जा सकता है। अब दुकानदारों को नगर निगम ने बढ़ी हुई दर से 2017 से 2025 तक के किराए की एकमुश्त वसूली नोटिस लाखों रुपए की भेज कर जमा करने का दबाव बना रहा है। न जमा करने पर 13 दुकानें सील कर दी गई हैं। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने नगर आयुक्त को फोन पर व्यापारियों की समस्याओं को समाधान करने को कहा। इसके बाद व्यापारियों का प्रतिनिधि मंडल नगर आयुक्त गौरव कुमार से मिला। सम्बंधित समस्याओं का प्रतिवेदन दिया, नगर आयुक्त से लगभग 25 मिनट चली वार्ता के दौरान नगर आयुक्त ने पूरे प्रकरण को गंभीरता से सुनने के बाद जोनल अधिकारी अरुण कुमार गुप्ता को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष अमरनाथ अग्रवाल, महामंत्री योगेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष धर्मपाल अग्रवाल, संगठन मंत्री श्याम मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष मंगलेश मिश्रा, प्रशांत वर्मा, राहुल सिंह, रमन मिश्रा, चरन सिंह, पंकज मेहंदी रत्ता, रमन आहूजा, कमलिया, सुनील गुलवानी, शमसुद्दीन आदि व्यापारी शामिल रहे।

कला-संस्कृति

पारंपरिक आभूषणों-बर्तनों को सुरक्षित रखने के साथ नई पीढ़ी से जोड़ने का हो रहा कार्य

प्रदेश की जनजातीय विरासत संजोने की अनूठी पहल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

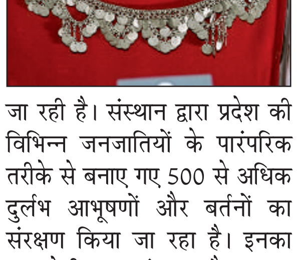

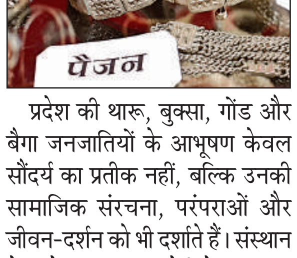

अमृत विचार: प्रदेश की समृद्ध जनजातीय विरासत को संरक्षित और संवर्धित करने में उत्तर प्रदेश जनजाति एवं लोक कला संस्कृति संस्थान अनूठी पहल कर रहा है। जनजातियों के पारंपरिक आभूषणों और बर्तनों को न केवल सुरक्षित कर रहा है, बल्कि उन्हें नई पीढ़ी से जोड़ने का भी कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समावेशी विकास की अवधारणा के अनुरूप यह पहल जनजातीय संस्कृति को सम्मान और पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। संस्थान द्वारा प्रदेश की विभिन्न जनजातियों के पारंपरिक तरीके से बनाए गए 500 से अधिक दुर्लभ आभूषणों और बर्तनों का संरक्षण किया जा रहा है। इनका दस्तावेजीकरण, संग्रहण और समय-समय पर प्रदर्शनियों के माध्यम से जनसामान्य के सामने प्रस्तुतीकरण किया जाता है, ताकि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से परिचित हो सके।

प्रदेश की थारू, बुक्सा, गोंड और बैगा जनजातियों के आभूषण केवल सौंदर्य का प्रतीक नहीं, बल्कि उनकी सामाजिक संरचना, परंपराओं और जीवन-दर्शन को भी दर्शाते हैं। संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी के अनुसार, ये आभूषण पूरी तरह हस्तनिर्मित होते हैं और सदियों पुराने शिल्प ज्ञान का जीवंत उदाहरण हैं। गिलेट या गोटा चांदी, पुराने भारतीय सिक्के, मनके, तांबा, पीतल, लकड़ी, हड्डी और सीप जैसी प्राकृतिक सामग्रियों से बने हंसली, पायल, करधनी, कड़े, झुमकी, हार, बाजूबंद और मंगलसूत्र जनजातीय जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। पारंपरिक भट्टियों में धातु को गर्म कर, हाथों से आकार देकर इन आभूषणों को तैयार किया जाता है। संस्थान इन शिल्पों को संरक्षित करने के साथ-साथ उनके आधुनिक रूप भी विकसित कर रहा है, जिन्हें आज की युवा पीढ़ी अपना रही है।

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच तक बनी पहुंच

संस्थान का कार्यक्षेत्र केवल आभूषणों तक सीमित नहीं है। थारू, बुक्सा, अगरिया, खरवार और सोनभद्र अंचल की जनजातियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले पीतल, तांबा और मिट्टी के बर्तनों का भी संरक्षण किया जा रहा है। धातु पात्र, मृदभांड और जंगली लौकी से बनी 'तुंबी' आज भी जनजातीय जीवनशैली की झलक पेश करते हैं। अगरिया जनजाति धातु शिल्प में अपनी विशिष्ट पहचान रखती है, जबकि थारू जनजाति चावल से पारंपरिक पेय 'जाड़' बनाने में मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करती है। संस्थान इन कलाकृतियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर रहा है।

रेस्टोरेंट के कर्मचारियों से पूछताछ, मालिक हिरासत में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सुसाइड नोट लिख कर कैशियर ने फंदा लगा कर दी थी जान

अमृत विचार: मड़ियांव में रविवार को मूड बेकर्स एंड रेस्टोरेंट के कैशियर अंशु की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने सोमवार को आधा दर्जन कर्मचारियों से पूछताछ की है। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अंशु की मौत का कारण हैंगिंग आया है। पुलिस ने शव परिजन को सुपुर्द कर दिया। देर शाम को गुलाला घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

मड़ियांव में सीतापुर रोड स्थित खदरा निवासी मनु अवस्थी का मूड बेकर्स एंड रेस्टोरेंट है। वहां हरिओम नगर निवासी अंशु यादव कैशियर थे। रविवार को अंशु ने पांच रुपये की हेराफेरी के आरोप में सुसाइड नोट लिख कर रेस्टोरेंट के हॉल में चादर से फंदा लगा लिया था। भाई उमेश ने रेस्टोरेंट मालिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने मनु को हिरासत में लेकर पूछताछ की। अंशु के भाई उमेश ने बताया कि सोमवार को भाई का गुलाला घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा ने बताया कि रेस्टोरेंट के कर्मियों से घटना क्रम को लेकर पूछताछ की गई है।

बाराबंकी में महिला किसान नेता की हत्या

खेत में मिला खून से लथपथ शव, नगर कोतवाली क्षेत्र के खजूर गांव की घटना

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : भाकियू अवध गुट महिला विंग की जिलाध्यक्ष का खून से लथपथ शव एक खेत में पड़ा मिला। शव के हालात से साफ है कि किसी भारी वस्तु से वार कर हत्या की गई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, वहीं रात से ही बंद मृतका के मोबाइल का विवरण खंगाला जा रहा है।

जानकारी के अनुसार यह घटना नगर कोतवाली क्षेत्र की है। सोमवार सुबह भारतीय किसान यूनियन (अवध गुट) महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष सुनीता कश्यप का खून से लथपथ शव खजूर गांव के पास नहर के किनारे एक खेत में पड़ा मिला। उधर से गुजर रहे ग्रामीणों ने शव देखा तो खबर तेजी से फैली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की ससुराल असंद्रा थाना क्षेत्र के ग्राम अशरफपुर में है जबकि वह मूल रूप से जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम बाबू का पुरवा की रहने वाली थी। घटनास्थल के अनुसार सुनीता के सिर पर किसी भारी चोट से वार के कई निशान मिले हैं। इससे ईंट से कई वार कर उसकी हत्या किए जाने की आशंका है। बतौर किसान नेता मृतका सुनीता जिले में काफी सक्रिय थीं। तीन दिन पहले वह किसी काम से जहांगीराबाद थाना भी गईं थीं। हालांकि हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मृतका के मोबाइल नम्बर की सीडीआर खंगाल रही है। जांच में पता चला कि रविवार रात आठ बजे सुनीता का मोबाइल फोन बंद हो गया था। पिछले कई साल से सुनीता ससुराल में नहीं रहती थी। हालांकि उसका आना जाना था। पति अपने चारों बच्चों के साथ हरिद्वार ऋषिकेश में रह रहा है। पति गंगाराम की मानें तो करीब 10 दिनों से उसकी बात पत्नी से नहीं हुई थी। सीओ सिटी संगम कुमार ने बताया कि हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

संदिग्ध दशा में झोपड़ी में लगी आग, जिंदा जला युवक

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : रविवार को आधी रात के समय पशुओं की निगरानी करते समय संदिग्ध परिस्थितियों में झोपड़ी में आग लगने से वहां सो रहे पशुपालक की जिन्दा जल जाने मौत हो गई। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, वहीं परिवार में कोहराम मच गया। घटना दरियाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम बक्सुपुर मजरे मीनपुर में रविवार की आधी रात को हुई। ांव के बाहर बनी झोपड़ी में अचानक आग लगने से यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान बलराम (40) पुत्र स्वामीदीन के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार बलराम रोज की तरह पशुओं की निगरानी के लिए झोपड़ी में सो रहे थे। रात करीब 12 बजे झोपड़ी में अचानक आग भड़क उठी। आग और धुएं में फंस गया बलराम बाहर नहीं निकल सका। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक झोपड़ी पूरी तरह जल चुकी थी। पुलिस ने झोपड़ी के अंदर से जला हुआ शव बरामद किया। घटना की जानकारी मिलने पर नायब तहसीलदार उमेश द्विवेदी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस हादसे से मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

फंदे से लटका मिला बैंक मैनेजर की पत्नी का शव

रामसनेहीघाट, बाराबंकी : अमृत विचार : कोआपरेटिव बैंक मैनेजर की पत्नी का शव घर में फंदे से लटका मिला। पायका मैदान के सामने किराए के मकान में कोऑपरेटिव बैंक की सूरतगंज शाखा प्रबंधक सुरेन्द्र सिंह की पत्नी रीमा सिंह (35) ने आत्महत्या कर ली। दोपहर करीब तीन बजे जब उनके पुत्र अंशू और आयुष विद्यालय से घर लौटे तो दरवाजा बंद था बच्चों ने काफी देर तक आवाज लगाई, लेकिन प्रतिक्रिया नहीं मिली। बच्चों ने पड़ोसियों को सूचना दी। इसके बाद एक पड़ोसी छत के रास्ते मकान में दाखिल हुआ। कमरे में रीमा का शव लटकता मिला।

तेज रफ्तार लोडर ने पति-पत्नी को रौंदा, मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

रफ्तार की मार

- चकेरी के मंगलाविहार अंडरपास के पास हुआ हादसा, चालक लोडर छोड़कर हुआ फरार, पुलिस कर रही तलाश

अमृत विचार। चकेरी थाना क्षेत्र के मंगलाविहार अंडरपास के पास रविवार देर शाम जेठ के घर जा रहे बाइक सवार दंपति को तेज रफ्तार लोडर ने रौंद दिया। हादसे में जहां पति की मौके पर ही मौत हो गई वहीं पत्नी ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में चीखपुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेज दिया।

22 चकेरी चकेरी सनिगवां निवासी चंद्रपाल सिंह यादव (43) रूमा स्थित फैक्टरी में काम करते थे। बेटे आशीष ने बताया कि पिता, मां अनीता देवी (40) के साथ रविवार देर शाम बर्रा के दामोदर नगर में रहने वाले अपने जेठ नवल किशोर के घर जा रहे थे। अभी माता पिता मंगला विहार बड़ी पुलिया अंडरपास के पास पहुंचे ही थे कि तभी रामादेवी की ओर से जा रहे तेज रफ्तार लोडर ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी।

राहगीरों के शोर मचाने पर चालक पकड़े जाने के डर से दंपती को रौंदते भागने लगा। इस दौरान चंद्रपाल की मौके कर ही मौत हो गई, जबकि अनीता को स्थानीय राहगीरों के सहयोग से पुलिस द्वारा नाजुक हालत में उपचार के लिए कांशीराम अस्पताल भेजा गया। वहां डॉक्टर ने हैलट रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान महिला ने कुछ देर बाद दम तोड़ दिया। इस संबंध में चकेरी इंस्पेक्टर अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि चालक लोडर छोड़कर भाग निकला है। परिजनों की तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

सऊदी में बंधक बना गोंडा का युवक

करनैलगंज, गोंडा, अमृत विचार : रोजगार की तलाश में सऊदी अरब गए करनैलगंज के युवक की जिंदगी पर संकट गहरा गया है। जिले के करनैलगंज थाना क्षेत्र के मोहल्ला बमपुलूस निवासी मोहम्मद समीर ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर आत्महत्या की चेतावनी दी है। पीड़ित का आरोप है कि उसे एजेंट ने झांसे में लेकर विदेश भेजा और वहां उसे अमानवीय हालात में रखा जा रहा है। परिजनों के मुताबिक निंदूरा निवासी एजेंट बबलू खान ने अच्छे काम और बेहतर वेतन का लालच देकर समीर से 1.5 लाख रुपये लिए और वीजा दिलाया। लेकिन सऊदी पहुंचते ही उससे वादा किया गया काम नहीं कराया गया। उससे दिन-रात कठोर श्रम कराया जा रहा है और मना करने पर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

वायरल वीडियो में समीर बेहद डरा दिखाई दे रहा है। उसने बताया कि उसे आराम का समय नहीं दिया जा रहा और काम से इनकार करने पर यातना दी जाती है। रोते हुए उसने कहा कि अगर उसे जल्द वहां से नहीं निकाला गया तो वह आत्महत्या कर लेगा। बेटे का वीडियो सामने आने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। समीर की मां ने कोतवाली करनैलगंज में एजेंट बबलू खान के खिलाफ तहरीर दी है। परिवार ने आरोपी पर कार्रवाई और समीर की वतन वापसी की मांग की है। पीड़ित मां ने कहा, मेरा बेटा वहां मुसीबत में है। अगर उसे कुछ हुआ तो इसके जिम्मेदार वही लोग होंगे जिन्होंने हमें धोखे में रखा।

सऊदी अरब में बंधक बना साफ कराया शौचालय

टिकैतनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : विदेश में अच्छी नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक से लगभग डेढ़ लाख रुपये की ठगी कर ली गई। यही नहीं पीड़ित को सऊदी अरब में बंदी बनाकर उससे शौचालय साफ कराया गया। रिश्तेदार की मदद से वतन लौटे पीड़ित की रिपोर्ट कोर्ट के आदेश पर दर्ज की गई है। थाना क्षेत्र के मोहल्ला नूरवाफ के निवासी साजिद (25) पुत्र मोहम्मद अहमद ने पुलिस को बताया कि जून 2025 में उसकी मुलाकात एक होटल पर मोहम्मद फरीद उर्फ फरीदुद्दीन नामक व्यक्ति से हुई थी। फरीद ने खुद को विदेशों में नौकरी दिलाने वाला एजेंट बताते हुए सऊदी में वेटर की नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। वीजा, टिकट व कागजात के नाम पर आरोपी ने करीब 1,49,800 रुपये ले लिए। बाद में बताया गया कि वेटर की जगह माल लादने–उतारने का काम मिलेगा। 12 नवंबर 2025 को साजिद सऊदी अरब पहुंच गया, जहां एयरपोर्ट से उसे एक व्यक्ति अपने साथ ले गया। आरोप है कि वहां उससे माल ढुलाई के बजाय शौचालय साफ करने को कहा गया। मना करने पर उसे एक मकान में बंद कर कई दिनों तक भूखा रखा और बेरहमी से पीटा। किसी तरह रिश्तेदार की मदद से वह 4 दिसंबर को भारत लौट सका। आने के बाद जब उसने आरोपी से अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी।

संदिग्ध दशा में वृद्धा की मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बंकी कस्बा के दक्षिण टोला में वृद्ध महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों को वृद्धा मृत अवस्था में मिली। उसके कान व हाथ के जेवर गायब मिले। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। परिवार वाले इसे लूट की घटना बता रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बंकी कस्बा के दक्षिण टोला मोहल्ला निवासी शकुंतला शुक्ला (80) के पति सत्य नरायन शुक्ल इस दुनिया में नही हैं। इनके बड़े बेटे अनिल शुक्ल की भी मौत हो चुकी है। घर में छोटा बेटा अशोक कुमार शुक्ल, इनकी पत्नी शिवकुमारी, भाभी सुधा और बच्चे रहते हैं। बच्चे अपनी बुआ के घर लखीमपुर खीरी गए हुए हैं। वृद्धा शकुंतला मकान में नीचे के कमरे में रह रही थीं जबकि पूरा परिवार पहली मंजिल पर रहता है।

अवैध खनन के नाम पर रिश्वतखोरी, एसआई व हेड कांस्टेबल निलंबित

गोंडा, कार्यालय

अमृत विचार : अवैध खनन के नाम पर एक शिकायतकर्ता से 30 हजार रुपये की अवैध वसूली का मामला सामने आने पर देवीपाटन परिक्षेत्र के भ्रष्टाचार निरोधी हेल्पलाइन पर की गई शिकायत के बाद बड़ी कार्रवाई की गई है। मामले में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर आई जी अमित पाठक ने थाना मोतीपुर, बहराइच में तैनात उपनिरीक्षक अमरेश गिरी एवं हेड कांस्टेबल शैलेन्द्र यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

शिकायतकर्ता निजामुद्दीन निवासी बेगम पुरवा, मटेही कला, थाना मोतीपुर, बहराइच की पुत्री की शादी थी। मकान के सहन में हुए गड्ढे को भरने के लिए वह 7 जनवरी को डंपर से मिट्टी लेकर लौट रहा था। इसी दौरान रात करीब 11 बजे उपनिरीक्षक अमरेश गिरी एवं हेड कांस्टेबल शैलेन्द्र यादव ने डंपर को रोक लिया और अवैध खनन का हवाला देते हुए थाना ले जाने की धमकी दी। आरोप है कि दोनों पुलिसकर्मियों ने 30 हजार रुपये की मांग की और पैसा न देने पर जेल भेजने की बात कही। शिकायतकर्ता के अनुसार मजबूरी में उसने 30 हजार रुपये उधार लेकर दोनों को दे दिए। इसके बाद उसने देवीपाटन परिक्षेत्र, गोंडा के भ्रष्टाचार निरोधी हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने पर पुलिस महानिरीक्षक, देवीपाटन के भ्रष्टाचार निरोधी सेल द्वारा गोपनीय जांच कराई गई, जिसमें आरोप सही पाए गए। तत्पश्चात क्षेत्राधिकारी मिहींपुरवा द्वारा कराई गई विस्तृत जांच में भी आरोपों की पुष्टि हुई। दोष सिद्ध होने पर परिक्षेत्रीय कार्यालय के निर्देश पर दोनों को निलंबित करते हुए उत्तर प्रदेश अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दंड एवं अपील) नियमावली-1991 के तहत विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

नहर में मिला पांच दिन से लापता अधेड़ का शव

देवा, बाराबंकी

अमृत विचार : घुंघटेर थाना क्षेत्र से लापता अधेड़ का शव नहर में पड़ा मिला। मृतक मानसिक विक्षिप्त बताया जा रहा। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

क्षेत्र के पिण्डसावां गांव निवासी अलाउद्दीन (50) पुत्र आजम अली बीती 27 जनवरी को घर से लापता हो गए थे। लापता होने के बाद उनके कपड़े कुर्सी थाना क्षेत्र अंतर्गत शारदा नहर के किनारे मिले। इस आधार पर परिजनों ने नहर में कूदने की आशंका जताते हुए कुर्सी थाने में सूचना दर्ज कराई थी। सोमवार की सुबह अलाउद्दीन का शव किसान पथ के पास नहर में बरामद हुआ। कुर्सी थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्णकांत सिंह ने बताया कि परिजनों द्वारा पूर्व में दी गई सूचना के अनुसार मृतक मानसिक रूप से विक्षिप्त था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

याद किये गये पद्मश्री के.डी. सिंह बाबू

बाराबंकी, अमृत विचार : पद्मश्री सम्मानित महान हॉकी खिलाड़ी के.डी. सिंह 'बाबू' के जन्मदिवस के अवसर पर सोमवार को स्टेडियम में सादे लेकिन भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाराबंकी हॉकी एसोसिएशन के सचिव मज़हर अज़ीज़ खां ने बाबू साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर मज़हर अज़ीज़ खां ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि हर वर्ष एसोसिएशन द्वारा इस अवसर पर हॉकी मैच का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार हॉकी ग्राउंड तैयार न होने के कारण मैच नहीं हो सका और प्रतीकात्मक रूप से चित्र पर माल्यार्पण कर जन्मदिवस मनाया गया। कार्यक्रम में हॉकी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मोहम्मद असलम, संयुक्त सचिव चंदा रानी, हॉकी कोच विवेक सिंह, गौतम दास सहित अन्य खेल प्रेमियों ने भी बाबू साहब के चित्र पर फूल-माला अर्पित कर उनके योगदान को याद किया।

न्यूज ब्रीफ

सड़क दुर्घटना में युवक की गयी जान

संतकबीरनगर, अमृत विचार। मेंहदावल क्षेत्र के कौवाठोर के पास रविवार देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल युवक को सीएचसी मेंहदावल ले गई, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। मृतक की पहचान गोरखपुर जिले के गीडा थाना क्षेत्र अंतर्गत भरसा गांव निवासी 25 वर्षीय दिलीप शर्मा पुत्र शंभू शर्मा के रूप में हुई है। बताया गया कि दिलीप रविवार को मेंहदावल क्षेत्र के मिश्रौलिया मिश्र गांव स्थित अपनी बहन सुनीता पत्नी सोनू के घर पैदल जा रहे थे। इसी दौरान देर शाम कौवाठोर के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सीएचसी पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मानसी द्विवेदी को पीएचडी की उपाधि

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास क्षेत्र उसका बाज़ार के ग्राम पंचायत तिघरा निवासिनी मानसी द्विवेदी को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि ने वनस्पति विज्ञान में विद्या वाचस्पति (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने अपना शोध कार्य स्ट्रॉबेरी फल को सड़ाने वाले कवक रोगजनकों का अध्ययन और प्राकृतिक एजेंटों द्वारा उनका प्रबंधन विषय पर पूरा किया। यह शोध वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. पूजा सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। पीएचडी सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि है जो गहन मौलिक शोध और शोध प्रबंध (थीसिस) के सफल बचाव के बाद विवि द्वारा दी जाती है। यह डिग्री ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता दर्शाती है।

राममंदिर में भी भक्तों को मिलेगा सेवा करने का मौका

मंदिर ट्रस्ट तैयार कर रहा एक विस्तृत पारदर्शी योजना, वेबसाइट के माध्यम से कार्यों की जानकारी देते हुए स्वीकृति प्राप्त कर सकेंगे भक्त

सत्यप्रकाश, अयोध्या।

अमृत विचार: स्वर्ण मंदिर की तेज पर राम मंदिर में भक्तों को श्री रामलला के चरणों में सेवा अर्पित करने का मौका मिलेगा। भक्तों ने रामलला का झांकी उत्सव, आरती और भोग अर्पित करने के साथ सफाई और यात्रियों की सेवा का काम करने की इच्छा जताई है। जिस पर राम मंदिर ट्रस्ट एक विस्तृत पारदर्शी योजना तैयार कर रहा है। जिसमें एक वेबसाइट के माध्यम से ट्रस्ट को कार्यों की जानकारी देते हुए स्वीकृति प्राप्त कर भक्त अपनी आस्था को निवेदित कर सकेंगे।

● मंदिर परिसर के निकट अतिथि गृह में रह सकेंगे सेवादार

राम मजन्मभूमि परिसर में मुख्य मंदिर के साथ 800 मीटर की परिधि में कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। इसके अलावा अन्य ऋषि मुनियों के मंदिर व यात्रियों के लिए सुविधा केंद्र की भी व्यवस्था है। आने वाले समय में बड़ी संख्या भक्त सेवार्थियों के रूप में कार्य करते हुए नजर आएंगे। इसके लिए राम मंदिर ट्रस्ट देश के अलग-अलग क्षेत्र से आने वाले भक्त को एक स्थान पर रहने की सुविधा भी देगा। मंदिर परिसर के निकट अतिथि गृह तैयार किया है। इसमें सेवा का कार्य करने वाले को निशुल्क रहने भोजन करने की सुविधा दी जाएगी।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने सोमवार को बताया कि देश दुनिया भर से लोग भगवान की सेवा करने के लिए उत्सुक है। आने वाले राम भक्तों की सेवा के लिए देश भर से विभिन्न संस्थाएं व ट्रस्ट निशुल्क सेवा उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्था पहले से ही चल रहा है। निकास द्वार अंगद टीला पर प्रतिदिन भक्तों तरह तरह के प्रसाद का वितरण किया जा रहा है। कहा कि अभी कुछ समय बाद भक्त राम मंदिर परिसर में भी अपनी सेवा दे सकेंगे।

राम मंदिर में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालु। अमृत विचार

आमजन को दिलाया सुरक्षा का एहसास

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। पुलिस द्वारा सतर्कता एवं सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु अपने-अपने थाना क्षेत्रो में पैदल गश्त/चेकिंग कर आमजनमानस में सुरक्षा का एहसास कराया गया। एसएसपी डॉ. अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में जनपद के क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष द्वारा सतर्कता एवं सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु अपने-अपने सर्किल/थाना क्षेत्रों में पड़ने वाले चिह्नित हॉट स्पाट बाजार, रेलवे स्टेशन, बार्डर एरिया पर एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में पैदल गश्त की जा रही है।

सूचना

सूचित करना है कि आस्था मैटरनिटी एवं लैप्रोस्कोपिक सेन्टर अस्पताल के वर्ष 2000 व उससे पहले के रिकार्ड नष्ट किये जा रहे हैं। अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के एक सप्ताह के अन्दर सम्पर्क करें। **आस्था मैटरनिटी एवं लैप्रोस्कोपिक सेन्टर सीपी–4, सेक्टर–4, पकडी पुल (आशियाना) (एलडीए कालोनी) लखनऊ, फोन नं0–0522–4070369, मो0:7408427722**

निजी परिसर में धार्मिक प्रार्थना को अनुमति जरूरी नहीं: हाईकोर्ट

यूपी सरकार का जवाब संज्ञान में लेने के बाद उक्त आदेश पारित

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने व्यवस्था दी है कि यूपी में निजी परिसर में धार्मिक प्रार्थना आयोजित करने के लिए अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि ऐसा मौका आता है जहां प्रार्थना सभा का दायरा बढ़ता है और सार्वजनिक मार्ग या सार्वजनिक संपत्ति इसके दायरे में आती है तो ऐसी स्थिति में याचिकाकर्ता को पुलिस को सूचना देनी होगी और कानून के तहत आवश्यक अनुमति लेनी होगी। हाईकोर्ट दो ईसाई निकायों- 'मारानाथा फुल गोस्पेल मिनिस्ट्रीज' और 'एमैनुअल ग्रेस चैरिटेबल ट्रस्ट' की एक जैसी दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। जिनमें निजी परिसरों में प्रार्थना सभाएं आयोजित करने की अनुमति मांगी गई थी। इन रिट याचिकाओं को निस्तारित करते हुए न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार का जवाब संज्ञान लेने के बाद उक्त आदेश पारित किया। राज्य सरकार ने बताया कि कानून में अनुमति लेने का ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के जवाब में यह स्पष्ट किया गया है कि निजी परिसरों में धार्मिक प्रार्थना आयोजित करने को लेकर याचिकाकर्ताओं पर कोई रोक नहीं है। याचिका में कहा गया था कि दोनों ईसाई संगठन अपने निजी परिसरों में एक धार्मिक सभा का आयोजन करना चाहते थे, लेकिन राज्य सरकार ने इसकी अनुमति के लिए उनके आवेदन पर कार्रवाई नहीं की। अदालत ने 27 जनवरी को अपने आदेश में कहा कि राज्य सरकार ऐसे मामले में निर्णय कर सकती है जिसमें जरूरत पड़ने पर ऐसी सुरक्षा उपलब्ध कराई जानी हो।

दो नई बस सेवाओं की हुई शुरुआत

कुशीनगर, अमृत विचार। हाटा नया बस स्टेशन से गोरखपुर सहजनवा, बस्ती, अयोध्या होते हुए लखनऊ तक बस सेवाओं के प्रारंभ सोमवार को किया गया इस अवसर पर हाटा विधायक मोहन वर्मा ने बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हाटा विस क्षेत्र को गोरखपुर मंडल से लेकर लखनऊ व हाटा से भैसही पिपराइच व पादरी बाजार गोरखपुर तक सीधी कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी, जिससे आमजन को राहत मिलेगी। इस दौरान विधायक ने कहा कि जनता की सुविधा और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा भविष्य में भी परिवहन सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। विधायक ने इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, कुशीनगर सांसद विजय कुमार दुबे के प्रति आभार व्यक्त किया। उक्त अवसर पर हाटा नगर मंडल अध्यक्ष मुंशी सिंह, भाजपा नेता रामबचन सिंह, सभासद रणजीत सिंह, विनय सिंह, प्रमोद गुप्ता, अर्जुन गुप्ता, अनुराग कुशवाहा सहित परिवहन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम MOHD JAFFER था अब मैने बदलकर अपना नाम MOHD ZAFAR रख लिया है भविष्य में मुझे MOHD ZAFAR के नाम से जाना व पहचाना जाए। MOHD ZAFAR S/O VAJHUL QAMAR 259 VILL SUKHIPUR POST BADSHAHNAGAR DISTT BARABANKI (225401)

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **गुफराना औबेद निवासी 10/137 मदनी नगर शुक्लागंज, नेतुवा गंगाघाट उन्नाव**, ये सूचित करती हूं कि मेरा नाम गुफराना से गुफराना औबेद हो गया। अब से मैं गुफराना औबेद के नाम से जानी जाउंगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल अंकपत्र, प्रमाणपत्र वर्ष 2012 अनुक्रमांक 2654213 एवं इंटरमीडिएट वर्ष 2014 अनुक्रमांक 1946555 तथा बी0ए0 अंकपत्र वर्ष 2017 अनुक्रमांक 15188668 मूल वास्तव में खो गया है। सुशील कुमार त्रिपाठी निवासी–ई–3/357 गली नं0 08बी, पुस्ता–04 सोनिया बिहार, करावल नगर उत्तर पूर्वी दिल्ली–110094

सूचना

मैने अपना नाम SAYED MOHD HASIM ALI HAIDER से बदलकर MOHD HASIM SAYED रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।S/0-ALI HAIDER SAYED ADD-359/48A, KATRA KHUDA YAAR KHAN SADATGANJ DIST-LUCKNOW-226003(U.P.)

सूचना

मैंने अपना नाम AASHISH MEHROTRA से बदल कर ASHISH KUMAR MEHROTRA रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: SHAMBHU NATH MEHROTRA R/O:315/78 BAN WALI GALI CHOWK LUCKNOW UTTAR PRADESH -226003

सूचना

मैं BAHAUDDIN पुत्र MUZAFFAR HUSSAIN, निवासी ग्राम–भिटौरा, पो0 –मनकापुरु , गोण्डा, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैने अपना नाम बदलकर BAHAUDDIN IDRISHI S/O MUJFFAR HUSAIN कर लिया है, अतः आज से मुझे BAHAUDDIN IDRISHI S/O MUJFFAR HUSAIN के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

मैने अपना नाम SHARMA PANKAJ PRAMODKUMAR से बदलकर PANKAJ PRAMOD SHARMA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-PRAMOD SHARMA ADD-3/102, VIRAT KHAND 3- NR-LUCKNOW PUBLIC SCHOOL, GOMTINAGAR DIST-LUCKNOW-226010(U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम मजहरुल हसन जाफरी से बदल कर मजहरुल हसन पुत्र श्री अता हुसैन रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **मजहरुल हसन पुत्र श्री अता हुसैन निवासी–338/11, सिरके वाली गली, काजमैन रोड थाना–सआदतगंज, लखनऊ 226003**

सूचना

मैने अपना नाम RAIS MOHAMMAD KHAN से बदलकर RAIS MOHAMMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-TAHSILDAR ADD-655A/49C ADIL NAGAR, JANKI PURAM DIST-LUCKNOW-226021 (U.P)

सूचना

मैं रिषी कुमार गुप्ता आज से अपना नाम बदलकर रिषी गुप्ता रख रहा हूँ आज से मुझे नए नाम से जाना व पहचाना जाए। **रिषी गुप्ता पुत्र श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता, निवासी– रानीगंज नई बस्ती लखीमपुर खीरी हैं।**

सूचना

मैंने अपना नाम NAZIM AKHTAR से बदल कर NAZIM रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: MOHAMMAD AYUB R/O:MAHULI MADHOGANJ UTTAR PRADESH 230403

सूचना

मै **सीता देवी पत्नी कमलेश, निवासी–ग्राम मैता सरायं कटियान, पो0– अटेसुवा जिला उन्नाव**, हम पति–पत्नी अपने पुत्र आलोक कुमार को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखाल कर रहे है। आलोक कुमार द्वारा यदि किसी प्रकार का कोई लेन देन किसी भी व्यक्ति से करता है तो उसके वह स्वयं जिम्मेदार होगें। हम पति–पत्नी से किसी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। क्योकि हमारा पुत्र हम पति व पत्नी का कहना नही मानता है।

सूचना

मेरे पासपोर्ट और वोटर कार्ड में मेरे पिता का नाम BAJAHULAKAMAR अंकित था जबकि मेरे पिता का सही नाम VAJHUL QAMAR था। इसलिए मैं अपने समस्त दस्तावेज में पिता का नाम VAJHUL QAMAR संशोधन कर रहा हूँ। भविष्य में मेरे सभी दस्तावेज में पिता के नाम को VAJHUL QAMAR के नाम से जाना जाए। MOHD ZAFAR S/O VAJHUL QAMAR 259 VILL SUKHIPUR POST BADSHAHNAGAR DISTT BARABANKI 225401

सूचना

मैं **शकन्तुला देवी पत्नी पिल्लू कश्यप पुत्र चिनकू कश्यप निवासिनी ग्राम सतईपुरवा कृष्णानगर कालोनी परगना व तहसील व जिला गोण्डा थाना कोतवाली नगर जनपद गोण्डा** मेरे दो लड़के क्रमशः राकेश कश्यप व सुनील कुमार कश्यप का अपने माता पिता व तीन बहनों से कोई वस्ता व सरोकार नहीं है। उपरोक्त दोनों अपनी पत्नी का कहना मानते है उक्त लोग हमें काफी परेशान करते है न मेरी देखभाल करते है और न ही कोई सहायता करते हैं और मेरी बहू हम लोग को प्रताणित करती है उनके इन कृत्यों से तंग आकर उन्हें अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै **सन्तो पत्नी सन्तू निवासी ग्राम जसवंतपुर मजरा मतुआ पोस्ट समसपुर थाना कछौना तहसील संडीला ज़िला हरदोई** की निवासी हूँ मेरे आधार कार्ड पर सन्तो SANTO अंकित है जबकि पालिसी संख्या 223828793 पर सन्ती SANTI अंकित है मै सन्तो उर्फ़ सन्ती दोनों नामों से जानी व पहचानी जाती हूँ दोनों नाम एक ही महिला के हैं। सन्तो पत्नी सन्तू निवासी ग्राम जसवंतपुर मजरा मतुआ पोस्ट समसपुर थाना कछौना तहसील संडीला ज़िला हरदोई

सूचना

मैं बच्चन लाल पुत्र स्व0 श्री मुंशीलाल निवासी–मकान संख्या–162, खसरा संख्या–762, डी0एच0 2 सोसाईटी, कुर्सी रोड, लखनऊ का हूँ।, मैने अपने पुत्र संजय कुमार निवासी–19/1256, मुंशी पुलिया, सेक्टर–19, इन्दिरा नगर, लखनऊ को उसके चाल–चलन ठीक न होने के कारण व उनकी पत्नी श्रीमती अनुकृति शुक्ला को अपने व परिवार के साथ हर समय लड़ाई–झगड़ा मार–पीट तथा अभद्र भाषा का प्रयोग करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। उक्त किसी भी कार्य के वह दोनों स्वंय ज़िम्मेदार होंगे। मेरा व उसके परिवार से संजय कुमार एवं उनकी पत्नी श्रीमती अनुकृति शुक्ला के किये गये किसी भी कार्य से कोई वास्ता व सरोकार न होगा।

सूचना

सूचित हो कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम खान हफ़ीज़ लतीफ लिख गया है जोकि गलत है। मेरे आधार कार्ड व अभिलेखों में मेरा नाम हफीज खान है जोकि सही है अतः मेरा ड्राइविंग लाइसेंस भी मेरे वास्तविक नाम से बनाया जाना सुनिश्चत करें। इस संशोधन के लिए भविष्य में किसी भी प्रकार की होने वाली कार्यवाही के जिम्मेदार हम स्वयं होंगे। **हफीज खान पुत्र लतीफ खान ग्राम–दूबर साईपुरवा, भवनियापुर रामगढ़ी नानपारा बहराइच, पिन कोड – 271865**

क्रिकेट स्पर्धा: लखनऊ ने दिल्ली को हराया

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित गौतम बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 4 में सोमवार का मैच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला दिल्ली व लखनऊ के बीच खेला गया, जिसमें लखनऊ के कप्तान यशवर्धन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की पूरी टीम निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 199 रन बनायें। वहीं दिल्ली की तरफ से प्रतीक रमन ने नॉट आउट 87, विकास राय ने 47, भास्कर भारद्वाज ने 28 और सक्षम राय ने 17 रन का योगदान दिया। लखनऊ की तरफ से तुषार ने दो आशुतोष, अमित, आदित्य ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की टीम ने 19.02 बाल में 5 विकेट होकर लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। लखनऊ की तरफ से राजकुमार ने नवत 40, संदीप गुप्ता ने 32, आशुतोष चौधरी ने 32, समय को 39, निखिल राव 28, विनायक ने 22 रनों का योगदान दिया। दिल्ली की तरफ से भास्कर ने दो आनन्द, सक्षम, सचिन ने 01-01 विकेट लिया। वहीं बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 4 टूर्नामेंट का मैच के मैन ऑफ द मैच लखनऊ के आशुतोष चौधरी रहे। टूर्नामेंट मैच के मुख्य अतिथि शोहरतगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व ब्लाक प्रमुख श्याम जायसवाल रहे। इस अवसर पर इस अवसर पर सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, मनीष श्रीवास्तव, विवेक त्रिपाठी, विपिन त्रिपाठी, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, रंजीत चौधरी, बेचन प्रसाद, केशव यादव, राहुल चौधरी, चन्दन पाण्डेय, वकील खान, अशरफ अंसारी उर्फ बाबूजी सहित तमाम अन्य लोग मौजूद रहे। वहीं मंगलवार का मुकाबला गोरखपुर और लखनऊ के बीच खेला जायेगा।

क्रिकेट प्रतियोगिता की शुरुआत कराते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

रायबरेली में खेलते समय गड्ढे में गिरा बच्चा, मौत

ऊंचाहार (रायबरेली)

अमृत विचार। क्षेत्र के डिहवा मजरे कंदराँवां गांव में सोमवार देर शाम घर के बाहर खेल रहे एक चार वर्षीय मासूम बच्चे की गड्ढे में भरे पानी में डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गांव निवासी उमेश कुमार का चार वर्षीय बेटा अपने घर के दरवाजे पर ही खेल रहा था। घर के समीप ही एक गड्ढा था जिसमें पानी भरा हुआ था। मासूम अपनी धुन में खेलते-खेलते अचानक उस गड्ढे की ओर चला गया और पैर फिसलने से गहरे पानी में जा गिरा। दुर्भाग्यवश, घटना के वक्त आसपास किसी की नजर नहीं पड़ी, जिससे बच्चे को तत्काल मदद नहीं मिल सकी। काफी देर बाद जब घर में बच्चे की आवाज नहीं आई, तो परिजनों को चिंता हुई। खोजबीन करने पर जब उनकी नजर गड्ढे में पड़ी तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। बदहवास परिजनों ने आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर भागे। वहां मौजूद चिकित्सकों ने बच्चे की जांच की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हादसे में 7वीं के छात्र की मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। गोरखपुर जनपद के हरपुर-बुदहट क्षेत्र अंतर्गत परमेश्वरपुर के पास सोमवार को हुए सड़क हादसे में घायल सातवीं कक्षा के छात्र की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। बेटे की मौत की खबर मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हरपुर-बुदहट थाना क्षेत्र के पन्नापुर उर्फ प्रानपुर गांव निवासी 16 वर्षीय सूर्यांश पुत्र विजय कुमार सुरवलिया स्थित एक विद्यालय में कक्षा सात का छात्र था। सोमवार को वह स्कूल गया था। दोपहर बाद परिजन उसे बाइक से लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान परमेश्वरपुर के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सूर्यांश के सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से घायल छात्र को जिला अस्पताल संतकबीरनगर भिजवाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसे भर्ती कर उपचार शुरू किया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि सूर्यांश दो भाई और दो बहनों में तीसरे नंबर का था। उसके पिता मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। होनहार बेटे की असमय मौत से पूरा परिवार सदमे में है। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।

सिर चढ़कर बोला अल्ताफ के सुरों का जादू

मगहर महोत्सव

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। मगहर महोत्सव के अंतिम दिन आयोजित सांस्कृतिक संध्या में बॉलीवुड के मशहूर गायक अल्ताफ राजा ने अपनी दमदार आवाज़ और सदाबहार गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। रात 9 बजे जैसे ही कार्यक्रम की शुरुआत हुई, पूरा पंडाल तालियों और सुरों से गूंज उठा। बॉलीवुड के सुपरस्टार सिंगर अल्ताफ रजा के मंच पर माइक के थामते ही एक के बाद एक अपने लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल में रोमांच भर दिया। श्रोताओं ने उनके गीतों पर झूमते हुए देर रात तक संगीत का आनंद लिया। उन्होंने अपने मशहूर गीत 'आवारा हवा का झोंका' से शुरुआत की। इसके बाद 'मेरी महबूबा मेरी ज़िंदगानी है मेरी महबूबा', 'पर्दा है पर्दा, पर्दानशीं को बेपर्दा न कर दूँ', 'जो मेरी रूह को चैन दे, प्यार दे'... तुम तो ठहरे परदेसी, साथ क्या निभाओगे... 'हम वो दीवाने हैं जो ताज़ा हवा लेते हैं'...', डम-डम डिगा-डिगा'..., 'ऐ मेरी जोहरा जबीं'...'हमें तो लूट लिया मिलकर हुस्न वालों ने'..., और 'बेवफ़ा तेरा मासूम चेहरा भूल जाने के काबिल नहीं है' ...जैसे गीतों ने श्रोताओं को भावुक कर दिया। हर गीत पर दर्शकों की फरमाइशें और तालियों की गूंज सुनाई देती रही। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि एडीजी जोन गोरखपुर मुथा अशोक जैन, डीआईजी बस्ती रेंज संजीव त्यागी, डीएम आलोक कुमार, एसपी संदीप कुमार मीना और सीडीओ जयकेश त्रिपाठी ने गायक अल्ताफ राजा को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। महोत्सव की यह अंतिम सांस्कृतिक संध्या संगीत प्रेमियों के लिए लंबे समय तक यादगार बनी रहेगी। इस अवसर पर महंत विचार दास, एडीएम वित्त जयप्रकाश, एसडीएम सदर अरुण कुमार, पूर्व चेयरमैन मगहर नुरुज्जमा अंसारी, अवधेश सिंह, पवन श्रीवास्तव, एसडीएम मेंहदावल संजीव राय आदि रहे।

मगहर महोत्सव स्मारिका का विमोचन करते मुख्य अतिथि एडीजी जोन गोरखपुर।

भारतीय रेल को 2.78 लाख करोड़ हुआ आवंटित

आम बजट

गोरखपुर, अमृत विचार। भारत सरकार के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आम बजट 2026-27 की प्रमुख विशेषतायें भारतीय रेल को पूँजीगत व्यय हेतु कुल रू. 2.78 लाख करोड़ आवंटित, उत्तर प्रदेश को रिकॉर्ड रू. 20,012 करोड़ का आवंटन, उत्तर प्रदेश में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण का कार्य पूरा, उत्तर प्रदेश में रू. 92,000 करोड़ की रेल परियोजनायें चल रही हैं। उत्तर प्रदेश में 157 अमृत भारत स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य चल रहा है। स्वीकृत 07 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में से 02 उत्तर प्रदेश में हैं, यह परियोजना दिल्ली-वाराणसी एवं वाराणसी-सिलीगुड़ी के लिये स्वीकृत, बिहार को रिकॉर्ड रू. 10,379 करोड़ का आवंटन, बिहार में रू. 1,09,158 करोड़ की रेल परियोजनायें चल रही हैं। स्वीकृत 07 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में से 01 बिहार होकर गुजरेगी। यह परियोजना वाराणसी-सिलीगुड़ी वाया पटना के लिये स्वीकृत बिहार में 14 जोड़ी वंदे भारत एवं 21 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस का संचलन हो रहा है। उत्तराखंड को रिकॉर्ड रू. 4,769 करोड़ का आवंटन। उत्तराखंड में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण का कार्य पूरा। उत्तराखंड में रू. 39,491 करोड़ की रेल परियोजनायें चल रही हैं। उत्तराखंड में ऋषिकेश-रूद्रप्रयाग नई लाइन निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। उत्तराखंड में 03 जोड़ी वंदे भारत एवं 01 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस का संचलन हो रहा है। जीएम पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने कहा पूर्वोत्तर रेलवे सेवित उत्तर प्रदेश, बिहार एवं उत्तराखंड के लिये रिकॉर्ड बजट आवंटन किया गया है। इज्जतनगर में ए.आई. बेस्ड एलीफेंट प्रोटेक्शन सिस्टम लगाया जायेगा। बोरवणकर ने पूर्वोत्तर रेलवे पर चल रही परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुये कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे पर नई लाइन,तीसरी लाइन, दोहरीकरण की अनेक परियोजनायें चल रही हैं। नई लाइन निर्माण परियोजना-सहजनवा-दोहरीघाट (81.17 किमी.)- रू. 1,319 करोड़ की लागत से यह नई लाइन निर्माण परियोजना तीन चरणों में पूरी की जायेगी। प्रथम चरण में सहजनवा-बांसगांव (32.95 किमी.), दूसरे चरण में बांसगांव-बडहलगंज (36.80 किमी.) तथा तीसरे एवं अंतिम चरण में बडहलगंज-न्यू दोहरीघाट (11.42 किमी.) का कार्य किया जायेगा।

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव। अमृत विचार

हेल्पलाइन नंबरों के प्रति किया गया जागरूक

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना ढेबरुआ मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा महिला सशक्तिकरण के क्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय सिसवा और शिव भारी की बालिकाओं/महिलाओं को मिशन शक्ति के सम्बंध में जानकारी देते हुए विभिन्न योजनाओ तथा हेल्पलाइन नम्बरों के विषय पर बताया गया। क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी तथा थानाध्यक्ष नरायन लाल श्रीवास्तव थाना ढेबरुआ के नेतृत्व में मिशन शक्ति व साइबर क्राइम, मिशन शक्ति केंद्र, बहू बेटी सम्मेलन एवं नए कानून के संबंध के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम उच्च प्राथमिक विद्यालय सिसवा और शिव भारी की बालिकाओं/ महिलाओं को दहेज उत्पीड़न व 03 नये कानून के बारे में एवं केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

न्यूज ब्रीफ

केंद्रीय बजट में प्रदूषण नियंत्रण मद में कटौती पर कांग्रेस का हमला

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने केंद्रीय बजट में प्रदूषण नियंत्रण के लिये आवंटित राशि में 209 करोड़ रुपये की कटौती को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यह कटौती सरकार की प्रदूषण नियंत्रण को लेकर असंवेदनशीलता और प्राथमिकताओं की कमी को उजागर करती है। यादव ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि पिछले वर्ष देश भर में प्रदूषण नियंत्रण के लिए 1300 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जिसे इस वर्ष घटाकर 1091 करोड़ कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजधानी दिल्ली, जो दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल है, उसके लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को मात्र 35.26 करोड़ रुपये देना नाकाफी है।

आय से अधिक संपत्ति मामले में अकाली नेता मजीठिया को जमानत

चंडीगढ़। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेता और पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को एक हाई-प्रोफाइल भ्रष्टाचार मामले में जमानत दी। पंजाब सतर्कता ब्यूरो के आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति जमा करने के आरोपों के बाद मजीठिया पिछले सात महीनों से नाभा जेल में बंद थे। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने मजीठिया का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. एस. मुरलीधर और पंजाब सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश दिया। न्यायालय ने इस बात को ध्यान में रखा कि जांच रिपोर्ट पहले ही दाखिल की जा चुकी है।

नई श्रम संहिता के नियमों को फरवरी के अंत तक अंतिम रूप

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि औद्योगिक संबंध संहिता के तहत नियमों को फरवरी के अंत तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ को सूचित किया कि लोगों से सुझाव मांगे गए हैं और नियमों को तैयार करने पर विचार किया जा रहा है। अदालत औद्योगिक संबंध संहिता 2020 के कार्यान्वयन से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो ट्रेड यूनियन, औद्योगिक प्रतिष्ठान में रोजगार की शर्तों और औद्योगिक विवादों के निपटारे से संबंधित सभी कानूनों को एकीकृत करती है।

पत्नी की हत्या पर कोर्ट ने पति को सुनाई दोहरी उम्रकैद की सजा

अलाप्पुझा (केरल)। केरल में अलाप्पुझा की अदालत ने पत्नी की हत्या करने के जुर्म में सोमवार को एक व्यक्ति को दोहरी उम्रकैद की सजा सुनाई। अलाप्पुझा की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भारती एस. ने चेरथला के पास पल्लीपुरम के निवासी राजेशकुमार उर्फ राजन को पत्नी एंबिली की हत्या के लिए सजा सुनाई। अदालत ने अभियुक्त को संबंधित धाराओं में दोषी पाया।

चुनाव आयोग में ममता का एंग्री शो, सीईसी के साथ बैठक छोड़ी, दिल्ली पुलिस से भी भिड़ंत

एसआईआर से प्रभावित लोगों को साथ लेकर आयोग में पेश करने पहुंची थीं पश्चिम बंगाल की सीएम

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रतिनिधिमंडल को धमकाने का आरोप लगाकर आयोग को भाजपा का दलाल बताया
- चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा- बात सुने बगैर बैठक छोड़कर निकल गईं ममता

पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान करीब 58 लाख मतदाताओं के नाम बगैर उचित प्रक्रिया के मतदाता सूची से हटा दिए जाने का मुद्दा लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से वार्ता करने पहुंचीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बैठक के बीच ही भड़क गईं। बैठक अधूरी छोड़कर बाहर निकलीं ममता ने ज्ञानेश कुमार पर उनके प्रतिनिधिमंडल को अपमानित करने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग पर भाजपा का दलाल होने का आरोप लगाया। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि ममता आयोग के शीर्ष अधिकारियों की बात सुने बगैर नाराज होकर बैठक से चली गईं। इससे पहले उनकी दिल्ली पुलिस से भी भिड़ंत हुई।

अधिकारियों के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ने तृणमूल कांग्रेस के नेताओं से कहा था कि कानून का शासन सर्वोपरि रहेगा और कानून को हाथ में लेने वालों के खिलाफ कानून के प्रावधानों और निर्वाचन आयोग की शक्तियों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि पहले टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने बात रखी, इसके बाद ममता बनर्जी ने बात की। उन्होंने जो बिंदु उठाए, उन सबको ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त एसएस संधू तथा विवेक जोशी ने नोट किया।

राज्यसभा में टीएमसी सांसदों ने की नारेबाजी

ममता बनर्जी से पुलिस की बहस के बाद तृणमूल की राज्यसभा में उपनेता सागरिका घोष ने बाद में यह मुद्दा संसद के उच्च सदन में उठाया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एसआईआर प्रक्रिया के पीड़ितों का एक प्रतिनिधिमंडल जिन्होंने हर तरह के नुकसान झेले हैं, उन्हें दिल्ली पुलिस ने परेशान किया और उनके साथ बदसलूकी की। तृणमूल सदस्यों ने पुलिस की निंदा करते हुए सदन में नारे भी लगाए। इससे राज्यसभा की कार्यवाई कुछ देर के लिए बाधित रही।

जब ज्ञानेश कुमार ने जवाब देना शुरू किया तो टीएमसी नेताओं ने कई बार बीच में हस्तक्षेप किया। ममता बनर्जी नाराज थीं और गुस्से में बैठक छोड़कर चली गईं।

अधिकारियों के मुताबिक ज्ञानेश कुमार ने टीएमसी नेताओं से कहा कि पार्टी के विधायक आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ खुले तौर पर अपमानजनक व धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

चुनाव आयोग के बाहर विरोध स्वरूप काली शॉल पहनकर ममता ने मीडिया से बात की।

मतदाता सूची की सफाई होने तक बंगाल में चुनाव नहीं होने देंगे: शुभेंदु

कोलकाता। वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि उनकी पार्टी एसआईआर के तहत मतदाता सूची की सफाई होने तक पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नहीं होने देगी। राज्यपाल सीवी आनंद बोस को एक ज्ञापन सौंपने के बाद अधिकारी ने दिल्ली में ममता बनर्जी की गतिविधियों को नाटक करार दिया। कहा कि ईआरओ, एईआरओ और बीएलओ मतदाताओं को जानबूझकर परेशान कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस पर एसआईआर प्रभावित लोगों को धमकाने का आरोप, तीखी बहस

नई दिल्ली। ममता बनर्जी की सोमवार को दिल्ली के चाणक्यपुरी में स्थित बंग भवन के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मियों से बहस हुई और उन्होंने अपने राज्य में एसआईआर से प्रभावित परिवारों के उत्पीड़न का आरोप लगाया। ममता ने कहा, चुनाव आयोग के समक्ष मुद्दे उठाने को बंगाल से लोग आए हैं, लेकिन उन्हें धमकाया जा रहा है। उन्होंने बंग भवन परिसर के बाहर बड़ी तादाद में पुलिसकर्मियों की तैनाती पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वह इसके लिए पुलिस को नहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को दोषी ठहराती हैं। कहा, पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर से प्रभावित 50 परिवारों को दिल्ली लाया गया है और वे चाणक्यपुरी स्थित बंग भवन सहित राज्य सरकार की विभिन्न भवनों में ठहरे हुए हैं। ममता सोमवार सुबह चाणक्यपुरी स्थित बंग भवन पहुंचीं, जहां उनकी भारी सुरक्षा तैनाती को लेकर दिल्ली पुलिस से बहस हुई। इस बीच, साकेत गोखले, डोला सेन, काकोली घोष दस्तीदार और बापी हलदर सहित तृणमूल कांग्रेस के सांसद दिल्ली के उन विभिन्न स्थानों पर पहुंचे, जहां एसआईआर से प्रभावित परिवार रह रहे हैं। कैलाश कॉलोनी स्थित पश्चिम बंगाल विद्युत विकास निगम लिमिटेड के अतिथि गृह के बाहर तैनात पुलिसकर्मियों से गोखले की बहस होती दिखाई दी।

एसआईआर में लगे अधिकारियों पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए।

चुनाव आयोग से बाहर निकलने के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि वह बेहद आहत और दुखी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर राज्य में 58 लाख मतदाताओं के नाम बिना उचित प्रक्रिया हटा दिए गए लोगों को अपना पक्ष रखने का मौका तक नहीं दिया गया। ममता यह भी आरोप लगाया कि भाजपा शासित असम में एसआईआर नहीं हुआ, जबकि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु को निशाना बनाया गया।

जन्म प्रमाण पत्र मांगे जाने पर आपत्ति जताते हुए ममता ने कहा कि पहले अधिकतर जन्म घरों में होते थे, ऐसे में यह दस्तावेज मांगना अव्यावहारिक है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बीएलओ समेत 150 से अधिक लोगों की मौत हुई और कई जीवित लोगों को मतदाता सूची में मृत घोषित कर दिया गया, जो पूरी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग कह रहा है कि उसने जो कुछ भी किया है, वह सही है। ये लोग भाजपा के निर्देश पर काम कर रहे हैं। मैं लाखों लोगों को दिल्ली ला सकती हूं और उन्हें किसी के भी सामने पेश कर सकती हूं।

वांगचुक ने नेपाल, बांग्लादेश जैसे प्रदर्शनों के लिए जेन जी को उकसाने की कोशिश की

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने नेपाल और बांग्लादेश की तरह विरोध प्रदर्शन के लिए जेन जी को उकसाने की कोशिश की थी।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और पीवी वराले की पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि वांगचुक ने अरब स्प्रिंग जैसे आंदोलन का भी जिक्र किया था। इस आंदोलन से अरब जगत के कई देशों में सरकारें गिर गई थीं। मेहता ने कहा कि उन्होंने जेन जी को उकसाने के लिए अपने भाषण को सावधानीपूर्वक तैयार किया और नेपाल और बांग्लादेश की तरह आंदोलन का आह्वान किया तथा महात्मा गांधी के भाषणों का इस्तेमाल अपने असली इरादे को छिपाने के लिए किया। शीर्ष अदालत जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो की याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत उनकी हिरासत को चुनौती दी थी।

- केंद्र सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दी गई दलील

ईडी की याचिका सुनवाई लायक नहीं: बंगाल सरकार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दाखिल कर आई-पैक कार्यालय पर छापेमारी के दौरान राज्य मशीनरी की ओर से किए गए हस्तक्षेप के खिलाफ ईडी द्वारा दाखिल याचिका की पोषणीयता को चुनौती दी है। राज्य सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट में इसी तरह के एक मामले के लंबित होने का हवाला दिया है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने 15 जनवरी को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पश्चिम बंगाल सरकार, राज्य के डीजीपी राजीव कुमार और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को ईडी की याचिका पर नोटिस जारी किया था।

असम के सीएम की टिप्पणियों के खिलाफ याचिका

नई दिल्ली। जमीयत उलमा-ए-हिंद (एमएम) ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की हालिया टिप्पणियों को सांप्रदायिक, बेहद विभाजनकारी और संविधान की भावना के विरुद्ध बताते हुए उनके खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। संगठन के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने याचिका में अदालत से संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के लिए कड़े और प्रवर्तन योग्य दिशानिर्देश तैयार करने का अनुरोध किया ताकि नफरत फैलाने या किसी समुदाय को निशाना बनाने के लिए सार्वजनिक पदों का दुरुपयोग न हो।

फ्यूल कंट्रोल स्विच में खराबी पर बोइंग 787 विमान सेवा से बाहर

नई दिल्ली। एयर इंडिया के एक पायलट ने सोमवार को एक बोइंग 787-8 विमान के फ्यूल स्विच में खराबी की शिकायत के बाद विमान को सेवा से बाहर कर दिया है। यह पायलट उड़ान एआई 132 लेकर लंदन से बेंगलुरु आया था।

बेंगलुरु हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उसने फ्यूल स्विच में खराबी की शिकायत की। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया, हमारे एक पायलट ने एक बोइंग 787-8 विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच में संभावित खराबी की जानकारी दी थी। इस प्राथमिक जानकारी के बाद हमने संबंधित विमान को सेवा से बाहर कर दिया है। कहा गया कि वह विमान बनाने वाली कंपनी से प्राथमिकता के आधार पर इसकी जांच कराएगी। इसके बारे में डीजीसीए को भी जानकारी दे दी गई है। पिछले साल 12 जून को गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे की प्राथमिक जांच में पाया गया था कि फ्यूल कंट्रोल स्विच बंद होने के कारण इंजन तक ईंधन की आपूर्ति नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ था। दुर्घटनाग्रस्त विमान बोइंग कंपनी का ही 787 ड्रीमलाइनर था।

जम्मू-कश्मीर में पत्रकारों से पूछताछ पंजाब केसरी पर कार्रवाई की निंदा

नई दिल्ली। समाचार पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशकों की राष्ट्रीय संस्था इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी (आईएनएस) ने जम्मू-कश्मीर में पत्रकारों को अकारण पूछताछ के लिए बुलाए जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि सरकारी अधिकारियों को मीडियाकर्मियों के साथ हर बातचीत में 'कानूनी प्रक्रिया का कड़ाई से अनुपालन' करना चाहिए।

आईएनएस ने पंजाब के अधिकारियों की ओर से अग्रणी अखबारों में एक पंजाब केसरी के खिलाफ कार्रवाई पर भी गंभीर चिंता जताते हुए उसकी निंदा की है। आईएनएस के अध्यक्ष विवेक गुप्ता ने इन मुद्दों पर एक बयान में इस पर बल दिया कि बोलने की स्वतंत्रता संविधान प्रदत्त है और लोकतंत्र में स्वतंत्र मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

नरवणे की पुस्तक पर भाजपा और कांग्रेस के बीच शुरू हुआ घमासान

नरवणे की पुस्तक से मोदी के मंत्री क्यों घबराए हैं: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को भाजपा के राष्ट्रवाद को झूठा करार दिया और सवाल किया कि पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे की पुस्तक में ऐसा क्या लिखा है कि मोदी सरकार के मंत्री घबरा रहे हैं। सरकार संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा के गंभीर सवालों पर जवाब देने से ऐसे बच रही है जैसे उसकी दुखती रग पर किसी ने हाथ रख दिया हो।

- कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा के राष्ट्रवाद को फर्जी करार दिया

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आरएसएस-भाजपा की वैचारिक आधारशिला ही तथ्यों को छिपाने पर टिकी है, तभी ये कायर मोदी सरकार संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा के गंभीर सवालों पर जवाब देने से ऐसे बच रही है जैसे उसकी दुखती रग पर किसी ने हाथ रख दिया हो। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक बेहद गंभीर मुद्दा उठाया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया, पूर्व सेनाध्यक्ष की किताब में ऐसा क्या लिखा है जिससे मोदी सरकार के बड़े-बड़े मंत्री घबरा रहे हैं। उनकी किताब को प्रकाशित होने से कौन रोक रहा है।

झूठे आरोपों से राहुल ने संसद की गरिमा कम की: भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के फैसले की अवहेलना करते हुए सदन में भारत-चीन सीमा मुद्दे पर अपने झूठे आरोपों से संसद की गरिमा को कम किया और भारतीय सैनिकों का मनोबल गिराया।

- किरेन रीजीजू ने कहा- यह भारत को बदनाम करने की साजिश

लोकसभा में उस समय हंगामा हो गया जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के एक अप्रकाशित 'संस्मरण' को उद्धृत करने का प्रयास करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर निशाना साधा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए आरोप लगाया कि यह जानबूझकर और भारत को बदनाम करने तथा देश की सेना का मनोबल गिराने की सोची-समझी साजिश का हिस्सा था। रीजीजू ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ न करें और भारत-विरोधी तत्वों की भाषा न बोलें। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को राजनीतिक हथियार न बनाएं।

राष्ट्रीय हितों पर एकसमान रुख अपनाए विपक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में सोमवार को भाजपा सदस्य सदानंदन मास्टर ने विपक्षी दलों से अपील की कि वे सिर्फ विरोध के लिए विरोध न करें और उनसे राष्ट्रीय हितों पर समान रुख अपनाना चाहिए। सदानंदन ने उच्च सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करते हुए यह बात कही। उन्होंने सत्ता पक्ष की तरफ से धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। सदानंदन ने आसन की अनुमति से अपनी सीट पर बैठकर अपनी बात रखी।

सदानंदन द्वारा पेश धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करते हुए भाजपा की विश्राम मेधा कुलकर्णी ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए हमें अथक परिश्रम करना है और आर्थिक समीक्षा बताती है कि हमारी अर्थव्यवस्था कितनी मजबूत है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में तीन करोड़ करदाता बढ़े हैं। इसका मतलब है कि युवाओं को रोजगार मिल रहा है, लोगों की आर्थिक क्षमता बढ़ी, वह क्रय कर रहे हैं और कर भी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ से अधिक लोगों का गरीबी रेखा से ऊपर आना बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि चार करोड़ से अधिक आवास बनाए गए, 80 करोड़ लोगों को अनाज दिया गया, 56 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला, 20 लाख से अधिक लोग स्टार्टअप में काम कर रहे हैं। यह उपलब्धियां बताती हैं कि मेहनत भी की और मेहनत सफल भी हुई। उन्होंने कहा कि 12 करोड़ से अधिक लाभार्थी मुद्रा योजना के हैं जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं की है।

डिजिटल इंडिया कहीं जॉबलेस इंडिया न बन जाए : कांग्रेस

एआई को वर्तमान की सचाई करार देते हुए राज्यसभा में कांग्रेस सदस्य ने कहा कि सरकार को एआई पर श्वेतपत्र जारी करना चाहिए और भविष्य के लिए बेहतर रणनीति बनानी चाहिए ताकि डिजिटल इंडिया कहीं जॉबलेस इंडिया न बन जाए। शून्यकाल के दौरान कांग्रेस के अशोक सिंह ने आईटी क्षेत्र से जुड़ा मुद्दा उठाया उन्होंने कहा कि हमारे देश की मध्यम वर्गीय आकांक्षाओं की रीढ़ कहलाने वाला यह क्षेत्र आज संकट के दौर से गुजर रहा है क्योंकि इस पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हावी होता जा रहा है। भाजपा के डॉ के लक्ष्मण, रामभाई हरजीभाई मोकारिया, बाबूभाई जेसंगभाई देसाई ने, लक्ष्मीकांत बाजपेयी और मनोनीत हर्षवर्द्धन श्रंगला ने भी आसन की अनुमति से लोक महत्व से जुड़े अपने-अपने मुद्दे उठाए।

कर्नाटक : राज्यपाल ने हेट स्पीच विरोधी बिल राष्ट्रपति को भेजा, सरकार भड़की

बेंगलुरु, एजेंसी

- गृहमंत्री ने लगाया बिल को ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश का आरोप

कर्नाटक सरकार की ओर से पारित घृणास्पद भाषण एवं घृणा अपराध (निवारण) विधेयक को राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने विचारार्थ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेज दिया है। इस पर तीखी टिप्पणी करते हुए राज्य सरकार के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने आरोप लगाया है कि राज्यपाल की मंशा विधेयक को ठंडे बस्ते में डालने की है।

इस विधेयक में घृणा संबंधी अपराध के मामले में एक लाख रुपये तक के जुर्माने और कम से कम सात साल कैद की सजा का प्रावधान है। बेलगावी में शीतकालीन सत्र के दौरान दोनों सदनों में पारित किए गए विधेयक को दिसंबर 2025 के अंत में गहलोत के पास भेज दिया गया था। परमेश्वर ने कहा कि राज्यपाल ने विधेयक के 28 बिंदुओं पर सवाल उठाए हैं और इसे राष्ट्रपति के पास भेज दिया है। उन्होंने कहा, अगर राष्ट्रपति अपनी टिप्पणियों के साथ इस विधेयक को हमें वापस भेजती हैं तो हम कुछ कार्रवाई करेंगे और इसे राज्यपाल की सहमति के लिए फिर भेजेंगे।

परमेश्वर ने कहा, हमें बोलने की स्वतंत्रता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई भी कुछ भी कह सकता है। हमें यह देखना होगा कि इसका हमारे समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसीलिए यह विधेयक पेश किया गया है। उनके अनुसार, नफरती भाषण के ऐसे मामले सामने आए, जिसके कारण सरकार ने कानून लाने के बारे में सोचा। भाजपा को निशाना बनाते हुए उन्होंने कहा, अगर आप अब भी कहते हैं कि यह उचित नहीं है, तो आपके इरादे क्या हैं। क्या इसका मतलब यह होना चाहिए कि कोई भी किसी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल चाहते हैं कि यह विधेयक कभी लागू न हो।

मणिपुर में सरकार के गठन के लिए भाजपा ने शुरू की तैयारी

- विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया

नई दिल्ली। भाजपा के संसदीय बोर्ड ने मणिपुर पार्टी विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए होने वाली बैठक के लिए पार्टी महासचिव तरुण चुघ को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया। भाजपा का यह कदम पूर्वोत्तर राज्य में सरकार के संभावित गठन का संकेत माना जा रहा है।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की मौजूदा कानूनी मियाद अगले सप्ताह समाप्त हो रही है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा, भाजपा संसदीय बोर्ड ने मणिपुर में पार्टी विधायक दल नेता के चुनाव के लिए राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पूर्वोत्तर के इस राज्य में पहली बार 13 फरवरी, 2025 को मेइती और कुकी समुदायों के बीच महीनों तक चली जातीय हिंसा के बाद छह महीने के लिए राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। अगस्त 2025 में इसे और छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया था। मणिपुर की 60 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक है और केंद्र ने उसे निलंबित रखा है। भाजपा विधायक दल की बैठक मंगलवार को होने की संभावना है। हालांकि, स्पष्ट नहीं है कि बैठक कहां होगी। सूत्रों के मुताबिक, मणिपुर के करीब 20 विधायक रविवार रात को दिल्ली पहुंचे जबकि बाकी विधायक भाजपा नेतृत्व के निर्देश पर सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे।

कर्नाटक में महिला ने तीन बच्चों की हत्या के बाद की आत्महत्या की कोशिश

बागलकोट। बागलकोट जिले में घरेलू विवाद के कारण 28 वर्षीय एक महिला ने अपने तीन बच्चों को फंदे से लटकाने के बाद जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया।

पुलिस ने बताया कि बादामी तालुक के हीरेमुच्चलगुड्डा गांव में हुई घटना में बच्चों की मौत हो गई जबकि उनकी मां अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान समृद्धि (5), प्रीतम (4) और सुक्षित (2) के रूप में हुई। बच्चों की मां रूपा हनुमंत गौदर ने भी आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन वह बच गई। जांच से पता चला है कि उसने सास और पति से झगड़ों के कारण यह कदम उठाया।

गंभीर सवाल | राकांपा विधायक ने विमान हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग की, कहा- पायलटों को बार-बार बदला गया, विमान में एक कागज तक नहीं जला

विमान हादसे में अजित पवार समेत छह की मौत, लाशें पांच ही क्यों मिलीं

मुंबई, एजेंसी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विधायक अमोल मिटकरी ने पिछले सप्ताह हुए उस विमान हादसे पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जिसमें पार्टी के नेता अजित पवार की मृत्यु हो गई थी। उन्होंने इस हादसे की किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मिटकरी ने हादसे से जुड़ी कई विसंगतियों पर संदेह व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, "सवालों का बवंडर उठ रहा है। मैं मौत पर राजनीति करने का पाप नहीं करूंगा, लेकिन मन में कई शंकाएं और सवाल हैं। दुर्घटना में छह लोगों की मौत हुई तो फिर केवल 5 शव ही क्यों मिले, छठा शव कहां गायब हो गया। उन्होंने कहा कि उड़ान भरने से पहले यात्रियों की सूची डिजिटल रूप से दर्ज की जाती है तो इतनी गंभीर विसंगति क्यों है। उन्होंने कहा कि उड़ान में कागज का एक टुकड़ा भी क्यों नहीं जला और उससे पहले पायलटों को इतनी बार क्यों बदला गया। मिटकरी ने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर मांग करूंगा कि इस मामले में एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए। मैं अपने पार्टी नेताओं, समूह नेताओं और सुनेत्रा पवार से बात करने के बाद यह निर्णय लूंगा।

राउत ने कहा- ये हादसा जज लोया की मौत की तरह रहस्यमय

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के राज्यसभा सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने भी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस विमान हादसे पर सवाल उठाए। कहा, अजीत पवार की अपनी राकांपा को शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के साथ विलय करने की योजना भाजपा के लिए बड़ी हार साबित होने वाली थी। इस कदम से देश की राजनीति पूरी तरह बदल जाती। अजीत पवार ने बार-बार कहा था कि उनके पास भाजपा के घोटालों की फाइल है और वह सही समय पर इसका खुलासा करेंगे। अजीत पवार ने यह बयान 15 जनवरी को दिया था और यह वास्तव में रहस्यमय है कि ठीक 10 दिन बाद एक दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। इसने मुझे याद दिलाया कि कैसे न्यायमूर्ति बृजगोपाल लोया की रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हुई थी। राउत ने सोमवार को राज्यसभा में में भी भाजपा पर हमला करते हुए कहा, 15 जनवरी को अजीत पवार ने भाजपा पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और 10 दिनों के भीतर उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

- भाजपा सांसद और अधिवक्ता उज्ज्वल निकम ने कहा कि जज लोया की मृत्यु का कारण दिल का दौरा बताया गया था। भाजपा प्रवक्ता नवनाथ बन ने भी कहा कि जज लोया मामले में कुछ नहीं हुआ। अजीत दादा विमान हादसे के मामले में भी सच्चाई सामने आ जाएगी। महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा, संजय राउत अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं और इसीलिए वे ऐसे बेतुके बयान दे रहे हैं।

राकांपा नेताओं ने पार्टी के विलय को खारिज किया

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मृत्यु के बाद राकांपा के दोनों गुटों के संभावित विलय की अटकलें तेज हो गई थीं लेकिन अजीत पवार गुट के वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को स्पष्ट रूप से विलय की किसी भी बातचीत से इन्कार कर दिया। राकांपा के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने शरद पवार गुट के कुछ नेताओं के दावों का जवाब देते हुए कहा कि अजीत पवार ने दोनों गुटों के विलय के संबंध में उनके साथ कभी कोई चर्चा नहीं की थी। राकांपा विधायक अनिल पाटिल ने कहा कि अगर अजीत पवार ने विलय के संबंध में कोई फैसला लिया भी था, तो उनकी मृत्यु के साथ वह समाप्त हो गया है।

हमारी प्रत्येक कृति छेनी बनकर हमारा जीवन रूपी पत्थर गढ़ती है।
–विनोबा भावे, संत

महत्वाकांक्षी बजट

यह बजट एक नियमित विशिष्ट वित्तीय दस्तावेज़ से कहीं अधिक व्यापक अर्थ रखता है। यह उस दीर्घकालिक राष्ट्रीय दृष्टि का हिस्सा है, जिसके केंद्र में 'विकसित भारत' का लक्ष्य है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, आपूर्ति शृंखलाओं के पुनर्संतुलन, तकनीकी बदलावों और भू-राजनीतिक तनावों के बीच प्रस्तुत यह बजट संकेत देता है कि भारत केवल परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की नहीं, बल्कि उन्हें आकार देने की तैयारी में है। इस बजट की बुनियादी विशेषता इसका संतुलित राजकोषीय दर्शन है। सरकार ने एक ओर पूंजीगत व्यय को ऐतिहासिक स्तर पर बढ़ाकर 12.20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाया है, तो दूसरी ओर राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा है। यह संयोजन दर्शाता है कि विकास और अनुशासन को परस्पर पूरक तत्व के रूप में देखा जा रहा है।

एक दशक पूर्व लगभग दो लाख करोड़ रुपये के आसपास रहा पूंजीगत व्यय आज जिस स्तर पर पहुंचा है, वह अवसंरचना-आधारित विकास मॉडल के प्रति सरकार की स्पष्ट प्रतिबद्धता का संकेत है। अवसंरचना निवेश का उद्देश्य केवल सड़कों, जलमार्गों या लॉजिस्टिक्स गलियारों का विस्तार भर नहीं है, बल्कि भारत के आर्थिक भूगोल को पुनर्परिभाषित करना है। समर्पित माल ढुलाई गलियारे, राष्ट्रीय जलमार्ग और 'पूर्वोदय' जैसी परियोजनाएं उत्पादन, वितरण और निर्यात की लागत को कम कर प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की दिशा में निर्णायक साबित हो सकती हैं। दीर्घकाल में यही निवेश निजी क्षेत्र के लिए गुणक प्रभाव उत्पन्न करेगा। विनिर्माण क्षेत्र में बजट का रुख स्पष्ट रूप से रणनीतिक आत्मनिर्भरता की ओर है। रक्षा विनिर्माण में आयात शुल्क में दी गई रियायतें घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ तकनीकी क्षमताओं के विकास का आधार बन सकती हैं। यह दृष्टिकोण आर्थिक नीति को सामरिक नीति से जोड़ने का संकेत देता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए प्रस्तावित त्रिपक्षीय रणनीति, विकास कोष, डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से नकदी प्रवाह सुगमता और छोटे शहरों में व्यावसायिक मार्गदर्शन तथा रोज़गार सृजन की रीढ़ को मजबूत कर सकती है। सरकार विकास को केवल बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं रखना चाहती। सेवा और डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में कर अवकाश, डेटा केंद्रों और क्लाउड सेवाओं को प्रोत्साहन तथा चिकित्सा पर्यटन व आयुर्वेद के आधुनिकीकरण की योजनाएं भारत को वैश्विक डिजिटल और वेलनेस हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में रणनीतिक कदम है। कृषि क्षेत्र में बजट की दृष्टि उत्पादन-केंद्रित सोच से आगे बढ़कर पारिस्थितिकी-तंत्र निर्माण की ओर है। कृत्रिम मेधा आधारित पहल और उच्च मूल्य फसलों के लिए समर्पित मिशन किसानों को उद्यमी बनाने की संभावना रखते हैं।

यदि इन पहलों का प्रभावी क्रियान्वयन हो, तो ग्रामीण आय और मूल्य संवर्धन दोनों में वृद्धि संभव है। हालांकि, किसी भी बजट की वास्तविक परीक्षा उसके क्रियान्वयन में निहित होती है। पूंजीगत व्यय का समयबद्ध निष्पादन, राज्यों के साथ सहकारी संघवाद और नियामकीय प्रक्रियाओं का सरलीकरण इसकी सफलता की शर्तें होंगी, इन्हें सुसंगत रूप से धरातल पर उतारना आवश्यक है।

प्रसंगवश

डीप फेक का निशाना बनते चर्चित लोग

डीप फेक तकनीक के बढ़ते दुरुपयोग ने डिजिटल दुनिया में एक नई और गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के ज़रिये तैयार किए जा रहे फर्जी वीडियो और ऑडियो अब इतने वास्तविक लगते हैं कि आम व्यक्ति के लिए सच और झूठ में अंतर कर पाना लगातार कठिन होता जा रहा है। हाल के दिनों में इस तकनीक का इस्तेमाल कर देश-दुनिया की कई प्रतिष्ठित हस्तियों को निशाना बनाया गया है, जिससे न केवल उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है, बल्कि आम लोगों को आर्थिक क्षति भी उठानी पड़ी है।

हाल ही में राज्यसभा सांसद, प्रसिद्ध लेखिका और समाजसेवी सुधा मूर्ति भी डीप फेक का शिकार हुई हैं। उनकी आवाज़ और चेहरे का इस्तेमाल कर बनाए गए फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिनमें उन्हें विभिन्न वित्तीय योजनाओं का प्रचार करते हुए दिखाया गया। इन वीडियो ने देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोगों तक अपनी पहुंच बना ली, जिससे भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

धनीश शर्मा
लेखक

इन घटनाओं के बीच सुधा मूर्ति स्वयं सामने आईं और इन वीडियो को पूरी तरह फर्जी बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इंटरनेट पर उनकी आवाज़ और चेहरे का इस्तेमाल कर बनाए जा रहे सभी वीडियो तकनीक के दुरुपयोग का परिणाम हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसे किसी भी विज्ञापन या संदेश पर भरोसा न करें और सतर्क रहें। उनका कहना था कि वे कभी भी किसी निवेश योजना या पैसों से जुड़े प्रचार का हिस्सा नहीं रही हैं।

वहीं फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके नाम से दो-तीन वीडियो तेज़ी से वायरल होते रहे, जिनमें यह दावा किया गया कि यदि कोई व्यक्ति 200 डॉलर या 20,000 रुपये का निवेश करता है, तो उसे दस गुना तक रिटर्न मिलेगा। सुधा मूर्ति ने इन दावों को पूरी तरह झूठा और भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के लालच भरे संदेशों का उद्देश्य केवल लोगों को ठगना है। सुधा मूर्ति इन्फ़ोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति की पत्नी हैं और इन्फ़ोसिस फ़ाउंडेशन की संस्थापिका रही हैं। कॉरपोरेट जगत के साथ-साथ उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

डीप फेक केवल किसी एक व्यक्ति या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। भारत में इससे पहले भी कई नामचीन हस्तियां इसका शिकार हो चुकी हैं। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का डीप फेक वीडियो वर्ष 2023 में वायरल हुआ था, जिसमें किसी अन्य महिला के शरीर पर उनका चेहरा जोड़ दिया गया था। वहीं क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर की आवाज़ और चेहरे का इस्तेमाल कर एक फर्जी वीडियो बनाया गया, जिसमें उन्हें ऑनलाइन गेमिंग और निवेश ऐप का प्रचार करते हुए दिखाया गया। अभिनेता आमिर खान की आवाज़ की नकल कर राजनीतिक प्रचार से जुड़ा डीप फेक ऑडियो भी सामने आ चुका है।

डीप फेक एक आधुनिक डिजिटल तकनीक है, जिसके ज़रिये किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज़ और हाव-भाव की हूबहू नकल की जा सकती है। सही हाथों में यह तकनीक फ़िल्म, शिक्षा और मनोरंजन के क्षेत्र में उपयोगी साबित हो सकती है, लेकिन गलत इस्तेमाल के कारण यह फर्जी समाचार फैलाने, आर्थिक ठगी करने और सामाजिक भ्रम पैदा करने का बड़ा माध्यम बनती जा रही है। सोशल मीडिया के तेज़ प्रसार के कारण ऐसा कंटेंट कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। अब समय आ गया है कि डीप फेक को लेकर आम लोगों को भी अधिक जागरूक होना पड़ेगा।

बजट: कंटेंट क्रिएटर्स को प्रोत्साहन दूरदर्शी फैसला

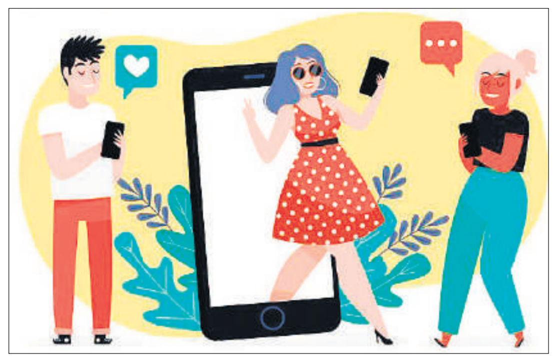

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

बजट में आर्थिक विकास, क्षमता निर्माण और सबका साथ, सबका विकास पर जोर दिया गया है। विशेष रूप से, क्रिएटिव इंडस्ट्रीज या 'ऑरेंज इकोनॉमी' को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं, जो कंटेंट क्रिएटर्स को सीधे लाभ पहुंचाएगी। ऑरेंज इकोनॉमी का मतलब क्रिएटिव सेक्टर से है, जिसमें एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स (AVGC) और डिजिटल कंटेंट शामिल हैं। ऑरेंज इकोनॉमी वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रही है। भारत में यह सेक्टर न केवल रोजगार सृजन कर रहा है, बल्कि सांस्कृतिक निर्यात को भी बढ़ावा दे रहा है। वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि AVGC इंडस्ट्री को 2030 तक लगभग 20 लाख प्रोफेशनल्स की आवश्यकता होगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने क्रिएटिव इंडस्ट्रीज को नई ऊर्जा देने का फैसला किया है। यह पहल युवाओं को डिजिटल स्किल्स से लैस करके भविष्य के लिए तैयार करने पर केंद्रित है।

दिल्ली-एनसीआर के युवा वैज्ञानिक श्रेयांस जैन कहते हैं कि वित्त मंत्री ने अपने बजट प्रस्तावों में नई रिसर्च करने वाले तमाम उत्साही युवाओं और अन्य लोगों को तोहफा दिया है। सरकारी सहयोग के अभाव में बहुत सारे लोगों के रिसर्च प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पा रहे थे। पर अब यह नहीं होगा। श्रेयांस जैन और आईआईटी के कई सहयोगी बैलून-सहायता प्राप्त रॉकेट लॉन्च सिस्टम विकसित कर रहे हैं। इस तकनीक में एक बड़ा बैलून रॉकेट को ऊपरी वायुमंडल तक ले जाता है, जहां हवा पतली होती है और प्रतिरोध कम। वहां से रॉकेट प्रज्वलित होता है, जिससे ईंधन की बचत होती है और पेलोड क्षमता 2-3 गुना बढ़ जाती है।

बजट में ऑरेंज इकोनॉमी को 'क्रिएटिव जॉब्स का नया इंजन' कहा गया है। यह सेक्टर सेवाओं पर आधारित विकास को बढ़ावा देगा। पहले से ही भारत के क्रिएटिव सेक्टर में स्टार्टअप्स की बाढ़ आ रही है, लेकिन स्किल गैप एक बड़ी चुनौती है। बजट इस गैप को भरने के लिए ठोस कदम उठाता है, जैसे कि एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में लैब्स स्थापित करना। इससे कंटेंट क्रिएटर्स को स्कूल और कॉलेज स्तर से ही ट्रेनिंग मिलेगी, जो उन्हें प्रोफेशनल वर्ल्ड में एंट्री के लिए तैयार करेगा।

बजट की सबसे प्रमुख घोषणा है मुंबई स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज (IICT) को सपोर्ट देकर कंटेंट क्रिएटर लैब्स स्थापित करना। वित्त मंत्री ने प्रस्ताव रखा कि 15,000 सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में ये लैब्स सेट अप किए जाएंगे। ये लैब्स छात्रों को एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स बनाने की ट्रेनिंग देंगे।

ये लैब्स क्यों महत्वपूर्ण हैं? श्रेयांस जैन कहते हैं कि आज की डिजिटल दुनिया में कंटेंट क्रिएटर्स यूट्यूब, इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर लाखों कमाते हैं, लेकिन कई युवाओं को प्रोफेशनल टूल्स और ट्रेनिंग की कमी होती है। ये लैब्स वीडियो प्रोडक्शन, एडिटिंग, डिजिटल स्टोरीटेलिंग और एक्सटेंडेड रियलिटी (XR) जैसी स्किल्स सिखाएंगी। IICT के नेतृत्व में ये लैब्स ग्रास रूट स्तर पर टैलेंट को निखारेंगी, जिससे भारत का क्रिएटर वर्क फोर्स मजबूत होगा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इससे गेम डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और स्टोरी टेलर्स की नई पीढ़ी तैयार होगी, जो इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी पर आधारित कंटेंट बनाएगी।

इसके अलावा, बजट में ईस्टर्न रीजन में एक नया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड डेवलपमेंट स्थापित करने का प्रस्ताव है। यह डिजाइन एजुकेशन को बढ़ावा देगा, जहां कंटेंट क्रिएटर्स विजुअल डिजाइनिंग सीख सकेंगे। एक और महत्वपूर्ण पहल है डिजिटल नॉलेज ग्रिड का निर्माण, जो भारत की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन संपत्तियों को डिजिटली डॉक्यूमेंट करेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि इससे हिस्टोरियंस, रिसर्चर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए नए जॉब्स बनेंगे। यह ग्रिड एक ओपन प्लेटफॉर्म होगा, जहां कंटेंट क्रिएटर्स भारतीय हेरिटेज पर आधारित वीडियोज, डॉक्यूमेंट्रीज और डिजिटल कंटेंट बना सकेंगे। यह पहल क्यों प्रोत्साहनकारी है? कंटेंट क्रिएटर्स अक्सर ऑथेंटिक सोर्स की तलाश में रहते हैं। डिजिटल नॉलेज ग्रिड उन्हें हाई-क्वालिटी डेटा प्रदान करेगा, जिससे वे एजुकेशनल और एंटरटेनमेंट कंटेंट बना सकेंगे। इससे टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि 20 आइकॉनिक डेस्टिनेशंस पर 10,000 टूरिस्ट गाइड्स को अपस्किल करने का पायलट प्रोग्राम शुरू होगा। कंटेंट क्रिएटर्स इन डेस्टिनेशंस पर वीडियोज बनाकर मोनेटाइज कर सकेंगे।

बजट में क्रिएटिव सेक्टर के लिए अप्रत्यक्ष प्रोत्साहन भी है। इस बाबत 10,000 करोड़ रुपये रखे गए हैं, जो क्रिएटिव स्टार्टअप्स को फंडिंग देगा। साथ ही, म्यूनिसिपल बॉन्ड्स के लिए 100 करोड़ का इंसेंटिव बड़े शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारने में मदद करेगा, जो क्रिएटिव हब्स विकसित कर सकता है।

इस बीच, आज के समय में यूट्यूबर, पॉडकास्टर, इंस्टाग्राम क्रिएटर, गेमिंग स्ट्रीमर और डिजिटल लेखक एक नई अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुके हैं। बजट में इन्हें सीधे नाम लेकर भले कुछ न दिया गया हो। सबसे पहले डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करें। सरकार ने इंटरनेट कनेक्टिविटी, 5G, और डिजिटल सेवाओं को मजबूत करने पर ज़ोर दिया है। इसका सीधा फायदा कंटेंट क्रिएटर्स को मिलता है, क्योंकि बेहतर इंटरनेट का मतलब है तेज़ अपलोड, बेहतर लाइव स्ट्रीमिंग और ज़्यादा दर्शकों तक पहुंचना। ग्रामीण और छोटे शहरों में इंटरनेट फैलने से नए क्रिएटर्स को भी मौका मिल रहा है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रो. प्रभांशु ओझा कहते हैं कि निर्मला सीतारमण का बजट कंटेंट क्रिएटर्स को एजुकेशन, स्किलिंग और जॉब क्रिएशन के माध्यम से प्रोत्साहित करता है। ये लैब्स और डिजिटल नॉलेज ग्रिड जैसी पहलें भारत को क्रिएटिव सुपर पॉवर बनाने की दिशा में कदम हैं। यह बजट युवा-केंद्रित है, जो 'विकसित भारत' के विजन को मजबूत करता है।

> बजट में विशेष रूप से, क्रिएटिव इंडस्ट्रीज या 'ऑरेंज इकोनॉमी' को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं, जो कंटेंट क्रिएटर्स को सीधे लाभ पहुंचाएगी।

आमने सामने

मेरे पास नरवणे की किताब में लिखी बातें हैं, जिन्हें पढ़कर यह समझ आ जाएगा कि 'कौन देशभक्त है और कौन नहीं।' नरवणे की किताब में लिखा है कि डोकलाम में चार चीनी टैंक भारत की धरती पर आ रहे थे, वे करीब 100 मीटर दूर थे।
–राहुल गांधी
नेता प्रतिपक्ष

मैं चाहता हूं कि लोकसभा में विपक्ष के नेता सदन के समक्ष वह पुस्तक प्रस्तुत करें, जिसका वे हवाला दे रहे हैं, क्योंकि जिस पुस्तक का वे उल्लेख कर रहे हैं, वह प्रकाशित नहीं हुई है। राहुल गांधी को सदन में बिना तथ्य के बोलने की इजाजत न मिले।
–राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

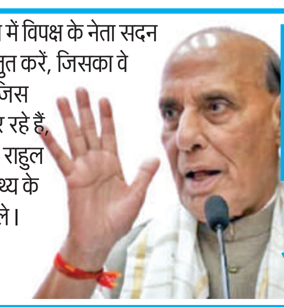

पाकिस्तान: बलूचिस्तान के विद्रोह के निहितार्थ

अरविंद जयतिलक
लेखक

यह पहली बार नहीं है जब बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों द्वारा अपनी आजादी का बिगुल फूंका गया है। वे पाकिस्तान के निर्माण के समय से ही अपनी आजादी की मांग कर रहे हैं। आमतौर पर उनके आंदोलन का आधार लोकतांत्रिक है, लेकिन जब पाकिस्तानी सरकार का अत्याचार बढ़ा तो उन्हें हथियार उठाने की जरूरत आन पड़ी। अब वे अपनी आजादी के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। देखा भी जा रहा है कि वे पाकिस्तान की सरकार और सेना दोनों को कड़ी चुनौती दे रहे हैं।

गत वर्ष ही बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाइजैक कर पाकिस्तानी हुकूमत के माथे पर शिकन ला दिया था। इससे निपटने में पाकिस्तानी सेना के पसीने छूट गए थे। उस समय पाकिस्तान ने बीएलए लड़ाकों के हाथ तीस पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या की बात कबूली थी। ध्यान देना होगा कि बलोच लिबरेशन आर्मी लगातार मांग करता आ रहा है कि पाकिस्तान सरकार बलूच के राजनीतिक कैदियों, गायब हुए लोगों, अलगाववादी नेताओं, लड़ाकों और उनके कार्यकर्ताओं को बिना किसी शर्त के रिहा करे। अन्यथा उन्हें खतरनाक परिणाम भुगतना होगा, लेकिन पाकिस्तान का अत्याचार जारी है।

जानना आवश्यक है कि बलूचिस्तान तेल और खनिज से संपन्न पाकिस्तान का सबसे बड़ा और कम आबादी वाला राज्य है। यहां सर्वाधिक आबादी बलूचों की है और उनका आरोप है कि पाकिस्तान की सरकार उनके साथ भेदभाव और शोषण करती है। उनके खनिज संपदा का जमकर दोहन करती है, लेकिन उनकी बुनियादी जरूरतों का तनिक भी ख्याल नहीं रखती है। कहना गलत नहीं होगा कि राजनीतिक तौर पर बलूचों के साथ भेदभाव, नाइंसाफी और शोषण ने वहां के लोगों के मन में पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ नफरत का भाव भर दिया है।

पाकिस्तानी सेना दशकों से बलूचिस्तान में अलगावादियों का उत्पीड़न व हत्या कर रही है। अब तक पाकिस्तानी सेना के हाथों हजारों बलूच नागरिक मारे जा चुके हैं। पाकिस्तानी सेना द्वारा 2006 में बलोच नेता नवाब अकबर बुगती की हत्या के बाद बलूचियों पर अत्याचार पहले से बढ़ गया है। 2005 में अकबर बुगती और मीर बलाच मारी द्वारा पाकिस्तान सरकार के समक्ष 15 सूत्री मांग रखी गई थी। इस मांग में बलूचिस्तान प्रांत के संसाधनों पर ज्यादा नियंत्रण और सैनिक ठिकानों के निर्माण पर रोक का मुद्दा शीर्ष पर था, लेकिन पाकिस्तानी सरकार ने मांगों को खारिज कर दिया। नतीजा टकराव बढ़ गया।

हकीकत यह है कि बलूचिस्तान के नागरिक अलगाववादी नहीं, बल्कि अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों से लैस है। पाकिस्तान के कुल प्राकृतिक गैस का एक तिहाई यहीं से निकलता है, लेकिन विडंबना है कि उसका आनुपातिक लाभ बलूचिस्तान को नहीं मिलता है। उदाहरण के लिए 1952 में बलूचिस्तान के डेरा बुगती में गैस के भंडार का पता लगा और 1954 से गैस का उत्पादन शुरू हो गया। पाकिस्तान के अन्य तीनों प्रांतों को उसका लाभ तुरंत मिलने लगा, लेकिन बलूचिस्तान को यह लाभ 1985 में मिला।

इसी तरह चीन के साथ तांबा, सोना और चांदी उत्पादन करने की पाकिस्तानी चगाई मरुस्थल योजना ने 2002 में आकार लिया। तय हुआ कि बलूचिस्तान को उसका वाजिब लाभ मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस योजना के तहत प्राप्त लाभ में चीन का हिस्सा 75 फीसद और पाकिस्तान का 25 फीसद है, लेकिन इस 25 फीसद में बलूचिस्तान के हिस्से में सिर्फ दो फीसद ही आता है। यह स्थिति तब है जब पाकिस्तानी संविधान के 18वें संशोधन के मुताबिक बलूचिस्तान को विशेष अधिकार प्राप्त हैं। इसी नाइंसाफी का नतीजा है कि बलूचिस्तान के नागरिक आक्रोशित हैं और पाकिस्तान से अलग होने की मांग कर रहे हैं।

इतिहास में जाएं तो 15 अगस्त, 1947 को भारत के साथ ही बलूचिस्तान ने भी अपनी आजादी का एलान किया था, लेकिन अप्रैल 1948 में पाकिस्तानी सेना ने मीर अहमद यार खान को अपना राज्य कलात छोड़ने पर मजबूर कर दिया। उनसे जबरन कलात की आजादी के खिलाफ समझौते पर हस्ताक्षर करवाया गया, जबकि उनके भाई प्रिंस अब्दुल करीम खान इस समझौते के विरुद्ध थे। वे किसी भी कीमत पर बलूचिस्तान का 23 फीसद हिस्सा पाकिस्तान को देने को तैयार नहीं थे, लिहाजा उन्होंने 1948 में पाकिस्तान के खिलाफ अलगाव का बिगुल फूंक दिया। उनके नेतृत्व में बलूच नागरिकों ने अफगानिस्तान की जमीन से पाक सैनिकों के खिलाफ गुरिल्ला जंग छेड़ दिया।

इस संघर्ष को नवाब नवरोज खान ने आगे बढ़ाया, लेकिन इसकी कीमत उन्हें भारी चुकानी पड़ी। पाकिस्तान की सरकार ने उनके दोनों बेटों और भतीजों को फांसी पर लटका दिया। इस अत्याचार के बाद भी जब बलूचों का स्वर धीमा नहीं पड़ा तो यहां 1973-74 में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया और अलगाववादियों के विरुद्ध दमनात्मक कार्रवाई तेज हो गई।

> पहली बार नहीं है जब बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने आजादी का बिगुल फूंका है। वे पाकिस्तान के निर्माण से ही आजादी की मांग कर रहे हैं।

सोशल फोरम

सबसे पहले घोड़ों को डराने में हुआ बारूद का इस्तेमाल

ऐन जलूत के युद्ध (Battle of Ain Jalut) और मामलुक वंश के उदय ने इतिहास की धारा बदल दी थी। ऐन जलूत का युद्ध (1260), जहां मंगोलों का अजेय रथ रुका। बगदाद के पतन के बाद ऐसा लग रहा था कि मंगोल पूरे इस्लाम जगत को मिटा देंगे, लेकिन ऐन जलूत की लड़ाई ने इस धारणा को बदल दिया।

SHOAIB GAZI
शोएब गाजी
ब्लॉगर

रणनीति और धोखा: मामलुक सेनापति कुतुज़ (Qutuz) और बैबर्स (Baibars) ने मंगोलों की अपनी ही रणनीति (पीछे हटने का नाटक करना) का इस्तेमाल उनके खिलाफ किया। वे मंगोलों को एक संकरी घाटी में खींच लाए, जहां पहले से ही मामलुक घुड़सवार छिपे हुए थे।

हलाकू की अनुपस्थिति: एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब मंगोल महान खान (मोंगके खान) की मृत्यु हो गई और हलाकू अपनी सेना का एक बड़ा हिस्सा लेकर वापस लौट गया, पीछे केवल एक छोटी टुकड़ी (करीब 10,000–20,000 सैनिक) छोड़ गया।

परिणाम: यह इतिहास में पहली बार था कि मंगोलों को किसी आमने-सामने की लड़ाई में निर्णायक रूप से हार का सामना करना पड़ा और वे कभी उस हार का बदला नहीं ले पाए।

मामलुक वंश: 'मामलुक' शब्द का अर्थ होता है 'स्वामित्व वाला' या गुलाम। ये योद्धा गुलाम थे, जिन्हें बचपन से ही सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था। वे मध्य युग के सबसे बेहतरीन प्रशिक्षित घुड़सवार योद्धा माने जाते थे।

राजनीतिक बदलाव: जब बगदाद के खलीफा का पतन हुआ, तो मामलुक सुल्तानों ने खुद को इस्लाम का रक्षक घोषित कर दिया। उन्होंने जीवित बचे अब्बासी राजकुमारों को काहिरा (Cairo) में शरण दी और उन्हें नाममात्र का खलीफा बनाए रखा, ताकि उनकी अपनी सत्ता को धार्मिक वैधता मिल सके।

विरासत: उन्होंने न केवल मंगोलों को रोका, बल्कि धर्मयुद्ध (Crusades) करने वाली यूरोपीय सेनाओं को भी मध्य पूर्व से पूरी तरह बाहर कर दिया।

एक रोचक तथ्य: ऐन जलूत के युद्ध में पहली बार हैंड कैनन (Hand Cannons) या शुरुआती बारूद के हथियारों का इस्तेमाल मंगोल घोड़ों को डराने के लिए किया गया था।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

शिक्षा बजट से उम्मीदें और आशंकाएं

सरकार ने शिक्षा बजट में 8.27 प्रतिशत की वृद्धि कर 1,39,289 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो निसंदेह यह संकेत देता है कि शिक्षा को विकास की धुरी मानने की सोच अभी जीवित है, हालांकि सवाल यह भी है कि क्या यह वृद्धि देश की विशाल युवा आबादी, क्षेत्रीय असमानताओं और शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़ी चुनौतियों के मुकाबले पर्याप्त है या फिर यह केवल एक प्रतीकात्मक कदम बनकर रह जाएगी। इस बजट का सबसे अधिक चर्चित और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रस्ताव देश के हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल निर्माण की घोषणा है। 789 जिलों में छात्रावासों की यह योजना बालिका शिक्षा को लेकर लंबे समय से चली आ रही संरचनात्मक बाधाओं को तोड़ने का प्रयास है।

ग्रामीण व पिछड़े इलाकों में शिक्षा छोड़ने की सबसे बड़ी वजह सुरक्षा, आवास और सामाजिक दबाव हैं। यदि यह योजना समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से लागू होती है, तो यह न केवल उच्च शिक्षा में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाएगी बल्कि स्टैम (एसटीईएम) जैसे क्षेत्रों में उनकी मौजूदगी को भी मजबूत करेगी। पूर्व में घोषित कई छात्रावास योजनाएं अधूरी इमारतों, अपर्याप्त सुविधाओं और संचालन के अभाव में दम तोड़ चुकी हैं। बजट घोषणा के साथ-साथ राज्यों के साथ समन्वय, रखरखाव और सामाजिक जागरूकता पर भी उतना ही जोर जरूरी होगा।

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

सरकार का 'एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट एंड एंटरप्राइज' दृष्टिकोण इस बजट की वैचारिक रीढ़ कहा जा सकता है। उच्च शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई भारतीय शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलताओं में से एक रही है। इस अंतर को पाटने के लिए हाई-पॉवर स्थायी समिति के गठन की घोषणा स्वागत योग्य है, लेकिन भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में केवल समितियों से बदलाव की उम्मीद करना बेमानी होगा। जब तक पाठ्यक्रम, मूल्यांकन प्रणाली और फैकल्टी ट्रेनिंग में ठोस सुधार नहीं होंगे, तब तक डिग्रीधारी, लेकिन बेरोजगार युवाओं की समस्या बनी रहेगी। समिति का असली मूल्यांकन उसके सुझावों की गति और जमीन पर उनके क्रियान्वयन से होगा।

पांच यूनिवर्सिटी टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव शिक्षा, शोध और उद्योग के त्रिकोण को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वाकांक्षी कदम है। औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स हब के आसपास विश्वविद्यालयों, शोध केंद्रों और आवासीय परिसरों का एकीकृत विकास, यदि सही ढंग से हुआ, तो यह भारतीय उच्च शिक्षा को वैश्विक मानकों के करीब ला सकता है। इससे इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और प्लेसमेंट के अवसर बढ़ेंगे और छात्रों को 'रेडी फॉर इंडस्ट्री' बनाया जा सकेगा। भारत में पहले से मौजूद कई औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास शिक्षा संस्थानों का विकास असंतुलित रहा है, जहां निजी संस्थान गुणवत्ता के बजाय मुनाफे को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में यूनिवर्सिटी टाउनशिप मॉडल को केवल रियल एस्टेट प्रोजेक्ट न बनने देने के लिए कड़े नियामक ढांचे और अकादमिक स्वायत्तता की जरूरत होगी।

आयुष और आयुर्वेद को लेकर बजट में की गई घोषणाएं भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की कोशिश का हिस्सा हैं। तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थानों की स्थापना, आयुर्वेदिक दवाओं की टेस्टिंग के लिए नेशनल लैब्स और बायोफार्मा हब बनाने की योजना, यह सब आयुर्वेद को वैज्ञानिक और व्यावसायिक आधार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कोविड-19 के बाद आयुर्वेद को मिली वैश्विक स्वीकार्यता को यदि मानकीकरण, शोध और गुणवत्ता नियंत्रण के साथ आगे बढ़ाया गया, तो भारत इस क्षेत्र में नेतृत्व कर सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

प्राचीन तीर्थों में प्रमुख संभल

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
लखनऊ

सृष्टि के आरंभ में ही भगवान विश्वकर्मा ने अड़सठ तीर्थों और उन्नीस पुण्य कूपों के सहित संभल तीर्थ का निर्माण किया था। सत्ययुग में इसका नाम 'सत्यव्रत', त्रेता में 'महागिरि', द्वापर में 'पिंगल' और अब कलियुग में 'शंभल' है। शंभल आजकल 'संभल' नाम से प्रसिद्ध है। संभल माहात्म्य और अन्य पुराणों में भी तालव्य शकार से 'शंभल' नाम का उल्लेख है, किंतु आजकल 'संभल' नाम ही प्रचलित है। यह इसलिए है, क्योंकि कुछ लोग तालव्य 'शकार का उच्चारण नहीं कर पाते। ऐसा माना जाता है कि 'शंभल' और 'संभल' दोनों 'शम्भ्वालय' शब्द के अपभ्रंश हैं। 'शम्भ्वालय' शब्द से 'शंभु का आलय' अर्थ स्पष्ट ध्वनित होता है। इसे गुप्त रखने के लिए ही इस स्थान को 'शंभल' कहा जाता है।

पृथ्वीराज चौहान की राजधानी

संभल अति प्राचीनकाल से पावन भगवद्धाम के रूप में प्रसिद्ध रहा है। आधुनिक शोधकर्ताओं ने भी इस पर व्यापक रूप से प्रकाश डाला है। प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर छठी शताब्दी में हर्ष के शासनकाल में संभल में ब्राह्मणों की प्रधानता थी और उनके माध्यम से ज्ञान का सूर्य संभल में उदयाचल के शिखर पर चमक रहा था। डॉ. ब्रजेन्द्रमोहन शांख्यधर के अनुसार ईसा की बारहवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में पृथ्वीराज चौहान का संभल में आधिपत्य था तथा उनकी पुत्री बेला वहां सती हुई थी। उन्होंने शत्रुओं पर आक्रमण करने के लिए और उनके आक्रमणों से बचने के लिए संभल को अपनी राजधानी भी बनाया था। यहां सुरंगों के माध्यम से अपनी रक्षा का प्रबंध किया गया था। यहां दिल्ली, अजमेर और कन्नौज को जाने वाली सुरंगें थीं। खुदाई होने पर अब कहीं-कहीं उनके चिह्न मिलते हैं।

तीनों कोनों पर स्थापित शिवलिंग

संभल माहात्म्य के पढ़ने से ज्ञात होता है कि पूरा संभल हरि-मंदिर ही है। इसके तीनों कोनों पर तीन शिवलिंग स्थापित हैं। दक्षिण में संभलेश्वर, पूर्व में चंद्रेश्वर और उत्तर में भुवनेश्वर। इन तीन कोनों वाले संभल की बाहरी परिक्रमा चौबीस कोस की है। प्रत्येक कार्तिक शुक्लपक्ष की चतुर्थी-पंचमी को इस परिक्रमा में हजारों नर-नारी सम्मिलित होते हैं। इसके बारह कोस के भीतरी क्षेत्र में अड़सठ तीर्थ और उन्नीस कूप हैं। इसके इतने बड़े आकार में ब्रह्मा जी का निवास है। इसके ठीक मध्य में तलवार हाथ में लिए, घोड़े पर सवार श्रीकल्कि भगवान की दिव्यमूर्ति से सुशोभित 'हरिमंदिर' था, जिसे मध्यकाल में विधर्मी आक्रांताओं द्वारा ध्वस्त कर दिया गया। बाद में इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने इस स्थान के निकट एक बैष्णव मंदिर का निर्माण करवाया, जो अब श्रीविष्णु कल्कि मंदिर नाम से प्रसिद्ध हैं। कल्कि पुराण तृतीय अंश 18 अध्याय, श्लोक 4 में स्पष्ट उल्लेख है -यत्राष्टषष्टितीर्थानां सम्भवः शम्भलेभवत्। मृत्योर्मोक्षः क्षितौ कल्केरकलस्य पदाश्रयात्।। अर्थात् जहां अड़सठ तीर्थों का संभव हुआ है, वह तीर्थ शिरोमणि संभल भगवान, कल्कि के चरणों के प्रताप से मोक्ष का धाम है।

पुराणों में वर्णित संभल

कल्कि पुराण में कल्कि भगवान के संभल में अवतरण की विस्तृत कथा वर्णित है। श्लोक 1/1/15 कहता है - प्रलयकाल के अंत में जगत की सृष्टि करने वाले लोकपितामह ब्रह्मा अपनी पीठ से भयंकर मलिन पातक की सृष्टि की, वह अधर्म नाम से विख्यात हुआ। उस अधर्म का प्रचार आरंभ होते ही सब देवता दुखी होकर श्रीनारायण को भूमंडल की दुर्दशा सुनाते हैं। तब विष्णु भगवान संभल (उत्तर प्रदेश) में विष्णुयशा ब्राह्मण के यहां अपने अवतार का वचन देते हैं। लक्ष्मी जी सिंहलद्वीप में बृहद्रथ राजर्षि की धर्मपत्नी कौमुदी की कोख से जन्म लेती हैं। इनका नाम 'पद्मा' है। कल्कि भगवान का वैशाखमास के शुक्लपक्ष की द्वादशी के दिन कन्या लग्न में अवतार होता है। भगवान चतुर्भुजरूप से माता-पिता को दर्शन देकर ब्रह्मा जी की प्रार्थना से द्विभुज रूप धारण करते हैं। भगवान शिव के द्वारा भेजे गए वेदमय शुक के माध्यम से सिंघलद्वीप में पद्मावती के स्वयंवर का समाचार प्राप्त कर श्रीकल्कि भगवान उस स्वयंवर में पधारे। वहां लक्ष्मी रूपिणी के साथ श्रीकल्कि भगवान का विवाह संस्कार संपन्न हुआ। पद्मावती को साथ लेकर भगवान कल्कि ने विश्वकर्मा द्वारा सुसज्जित संभल नगर में प्रवेश किया। श्रीहरि की यह अवतारकथा परममंगलकारिणी है, जैसा कि कल्कि पुराण में कहा गया है- कल्कि महाविष्णु के परम अद्भुत अवतार की यह कथा भक्तिपूर्वक पढ़ने और सुनने वालों के सभी अमंगलों का नाश करने वाली है।

30 साल बाद बना शुक्र और शनि का दुर्लभ संयोग

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

शनि-शुक्र का 30 साल बाद दुर्लभ संयोग मीन राशि में बना है, जिसने ज्योतिष जगत में मालव्य राजयोग का प्रारंभिक स्वरूप रचा है। यह योग स्थिरता के कारक शनि और सुख-वैभव के दाता शुक्र का अनुपम मेल है, जब शुक्र उदय अवस्था में अपनी उच्च राशि मीन की ओर अग्रसर होकर शनि से युति करेंगे। 28 जनवरी का अर्धकेंद्र योग (शनि मीन में, शुक्र मकर में) प्रारंभिक ऊर्जा का संकेत है, जो पूर्ण युति तक (मार्च तक) कार्य करता रहता है। शनि मीन में 29 मार्च 2025 से 3 जून 2027 तक रहेंगे, लेकिन शुक्र के साथ निकट युति केवल 2 मार्च से 26 मार्च तक चरम पर होगी। यह 30 वर्ष बाद का संयोग धन-प्रगति का लंबा प्रभाव छोड़ेगा।

योग का ज्योतिषीय महत्व

शनि-शुक्र युति मीन में कर्म और भोग का दुर्लभ संतुलन स्थापित करती है। शनि पहले से मीन में स्थित हैं, जबकि शुक्र 1 फरवरी के उदय से ठीक पहले 28 जनवरी को इस योग को सक्रिय किया।

28 जनवरी 2026 से बना शनि-शुक्र का दुर्लभ अर्धकेंद्र योग (45 डिग्री दूरी) मुख्य रूप से एक दिवसीय या अल्पकालिक प्रभाव वाला है, लेकिन इसका व्यापक फल मीन युति तक जारी रहेगा। वास्तविक शनि-शुक्र युति मीन राशि में 2 मार्च 2026 को सुबह लगभग 5 बजे बनेगी और लगभग 26 दिनों तक (26 मार्च 2026 तक) प्रभावी रहेगी। हिंदू पंचांग के अनुसार, शुक्र का मीन गोचर 2 मार्च से शुरू होकर 28 मार्च के आसपास समाप्त होगा, जब शुक्र अगली राशि में प्रवेश करेंगे मीन जल राशि गुरु के अधीन होने से यह युति आध्यात्मिक ऊंचाइयों को भी छूएगी। पिछले 30 वर्षों में ऐसी युति दुर्लभ रही, जो जीवन के कठिन दौर को वैभवपूर्ण मोड़ देती है। वर्तमान गोचर चक्र में यह शनि की साढ़ेसाती और शुक्र की दशा प्रभावित राशियों के लिए वरदान सिद्ध होगा। वास्तु शास्त्र में उत्तर-पूर्व कोण की शुद्धि (जल स्रोत स्थापना) और फेंग-शुई में दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में गुलाबी क्रिस्टल रखने से ग्रह ऊर्जा का अधिकतम लाभ मिलेगा।

सभी राशियों पर विस्तृत प्रभाव

- **मेष राशि :** 12 वें भाव में यह योग विदेश यात्रा, छिपे खर्चों पर नियंत्रण और आध्यात्मिक जागरण लाएगा। नौकरीपेशा लोगों को अप्रत्याशित लाभ, लेकिन जल्दबाजी से बचें। प्रेम संबंध गहराएंगे।
- **वृषभ राशि :** 11 वें भाव से मित्र मंडली और सामाजिक नेटवर्क से धन लाभ। विवाह योग प्रबल, व्यापारिक साझेदारी मजबूत होगी। सौंदर्य और विलासिता पर निवेश फलदायी।
- **मिथुन राशि :** 10 वें भाव में करियर का स्वर्णिम काल, प्रमोशन, नई जिम्मेदारियां। रचनात्मक क्षेत्रों में मान-सम्मान, प्रेमी से स्थायी बंधन की संभावना।
- **कर्क राशि :** भाग्य स्थान (9 वें भाव) सक्रिय, उच्च शिक्षा, धार्मिक यात्रा या पिता से सहयोग। कानूनी मामलों में विजय, धन संचय में वृद्धि।
- **सिंह राशि :** 8 वें भाव से विरासत, बीमा या रहस्यमय लाभ। वैवाहिक जीवन में मधुरता, स्वास्थ्य में सुधार, लेकिन नियमित जांच जरूरी। आध्यात्मिक साधना फलेगी।
- **कन्या राशि :** 7 वें भाव में साझेदारी मजबूत, व्यापार वृद्धि। नीच प्रभाव कम होकर वैवाहिक सुख बढ़ेगा, लेकिन निर्णय सावधानी से लें।
- **तुला राशि :** 6 वें भाव से शत्रु पर विजय, स्वास्थ्य उन्नति और नौकरी में स्थिरता। विवाद सुलझेंगे, ऋण मुक्ति के योग।
- **वृश्चिक राशि :** 5 वें भाव में संतान सुख, रोमांस चरम पर। रचनात्मकता, शिक्षा और निवेश में सफलता, कलात्मक क्षेत्र चमकेंगे।
- **धनु राशि :** 4 वें भाव से घर-सुख, वाहन खरीद और माता से लाभ। संपत्ति सौदे आदर्श, पारिवारिक शांति स्थापित होगी।
- **मकर राशि :** 3 वें भाव में साहस वृद्धि, भाई-बहन सहयोग। संचार, लेखन या मीडिया क्षेत्र में प्रगति, छोटी यात्राएं सुखद।
- **कुंभ राशि :** 2 वें भाव से धन वर्षा, वाणी शक्ति प्रभावी। पारिवारिक सुख, बचत में इजाफा और स्वादिष्ट भोजन का आनंद।
- **मीन राशि :** लग्न में योग व्यक्तित्व को चुंबकीय बनाएगा। विवाह, करियर और स्वास्थ्य में चरम सफलता यह आपका स्वर्णिम समय है।

पौराणिक कथा

मौन का वरदान

प्राचीन काल में सरस्वती नदी के तट पर एक समृद्ध राज्य था। उस राज्य में देवदत्त नाम का एक विद्वान ब्राह्मण रहता था। शास्त्रों का उसे गहरा ज्ञान था, वाणी में अद्भुत प्रभाव था, किंतु उसका स्वभाव अत्यधिक वाचाल था। वह हर सभा में बोलता, हर विषय पर अपनी राय देता और प्रायः बिना सोचे-समझे कठोर वचन कह बैठता। उसकी विद्या के कारण लोग उसका सम्मान करते थे, पर उसके वचनों से कई मन आहत भी होते थे। एक दिन देवदत्त ज्ञान-यज्ञ के लिए वन की ओर गया। वहां उसे एक तपस्वी मिले, जो वर्षों से मौन व्रत धारण किए हुए थे। देवदत्त ने उन्हें बार-बार प्रश्न किए, पर वे शांत रहे। उनकी निःशब्द उपस्थिति ने देवदत्त को विचलित कर दिया। अंततः उसने उपहास करते हुए कहा, "हे मुनिवर, यदि आप बोल नहीं सकते तो तपस्या का क्या लाभ?" तभी उस तपस्वी का तेजस्वी रूप प्रकट हुआ। वे स्वयं बृहस्पति थे, देवताओं के गुरु। उन्होंने मधुर स्वर में कहा, "वत्स, वाणी ईश्वर का वरदान है, किंतु उसका संयम उससे भी बड़ा तप है।"

यह कहकर बृहस्पति ने देवदत्त को वरदान दिया- "एक दिन के लिए तुम्हारे मुख से केवल वही वचन निकलेंगे, जो सत्य और कल्याणकारी होंगे।" देवदत्त हंस पड़ा। उसे लगा यह तो साधारण-सा वरदान है। पर जैसे ही वह नगर लौटा, उसे अनुभव हुआ कि वह बिना सोचे कुछ भी नहीं बोल पा रहा है। जहां पहले वह तुरंत प्रतिक्रिया देता था, वहां अब उसे मौन रहना पड़ रहा था। कई बार लोग उससे प्रश्न करते, पर वह उत्तर देने से पहले भीतर झांकता कि क्या उसका वचन किसी को चोट तो नहीं पहुंचाएगा। दिन ढलते-ढलते देवदत्त को अनुभूति हुई कि मौन में एक अद्भुत शांति है। उसके शब्द अब कम थे, पर प्रभावशाली थे। जिन स्थानों पर वह पहले विवाद उत्पन्न करता था, वहां अब सौहार्द बन रहा था। संध्या समय बृहस्पति पुनः प्रकट हुए। देवदत्त ने विनम्र होकर कहा, "गुरुदेव, आज मैंने जाना कि अनियंत्रित वाणी अज्ञान है और संयमित मौन ही सच्चा ज्ञान।" बृहस्पति मुस्कराए और अंतर्धान हो गए। उस दिन से देवदत्त ने व्रत लिया कि वह बोलेगा तो सोचकर और मौन रखेगा तो समझकर।

बोधकथा

अवसर और विवेक

एक साधारण-सा व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की राह पर चला जा रहा था। दिन ढलने को था, धूप मद्धिम पड़ चुकी थी। तभी रास्ते में उसे एक गंभीर, तेजस्वी व्यक्तित्व वाला पुरुष दिखाई दिया। उसके चेहरे पर अद्भुत शांति और आंखों में गहराई थी। उस अजनबी ने थके स्वर में पानी मांगा। व्यक्ति ने बिना कोई प्रश्न किए, बिना यह सोचे कि सामने कौन है, अपना लोटा आगे बढ़ा दिया और उसकी प्यास बुझाई। पानी पीते ही उस पुरुष का स्वर बदल गया। उसने कहा, "वत्स, तुम मुझे पहचान नहीं सके, पर मैं यमराज हूं। आज मैं तुम्हारे प्राण लेने आया था। किंतु तुम्हारे इस निःस्वार्थ कर्म ने मुझे तुम्हें एक अवसर देने के लिए बाध्य कर दिया है।"

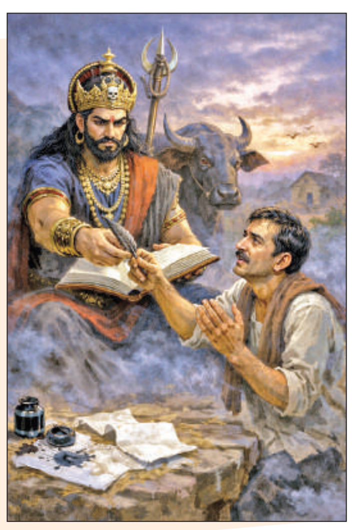

यह कहकर यमराज ने उसे एक डायरी थमाई और बोले, "इसमें जो कुछ भी तुम लिखोगे, वही सत्य हो जाएगा, किंतु ध्यान रहे, तुम्हारे पास केवल पांच मिनट हैं।" व्यक्ति का मन उत्सुकता और लोभ से भर उठा। उसने जल्दी-जल्दी डायरी के पन्ने पलटने शुरू किए। पहले पृष्ठ पर लिखा था कि उसका पड़ोसी लॉटरी जीतकर करोड़पति बनने वाला है। यह पढ़ते ही उसके मन में ईर्ष्या जाग उठी। उसने तुरंत लिख दिया कि पड़ोसी की लॉटरी न निकले। अगले पन्ने पर लिखा था कि उसका मित्र चुनाव जीतकर मंत्री बनने वाला है। उसे यह भी सहन नहीं हुआ। उसने लिख दिया कि वह चुनाव हार जाए। इसी तरह वह एक के बाद एक पन्ने पलटता गया और हर जगह दूसरों के उज्ज्वल भविष्य को अंधकार में बदलता चला गया। समय का ध्यान ही नहीं रहा। अंततः जब उसने अंतिम पन्ना पलटा, तो वहां उसका स्वयं का नाम लिखा था। उसका हृदय धड़क उठा। जैसे ही उसने अपनी किस्मत लिखने के लिए कलम उठाई, यमराज ने डायरी उसके हाथ से ले ली। यमराज गंभीर स्वर में बोले, "वत्स, तुम्हारा समय समाप्त हो चुका है। तुम्हें जो शक्ति अपने जीवन को संवारने के लिए दी गई थी, उसे तुमने दूसरों का अहित करने में व्यर्थ कर दिया। जिसने अपने अवसर का दुरुपयोग किया, वह स्वयं अपने विनाश का कारण बनता है। अब तुम्हारा अंत निश्चित है।" यह सुनते ही व्यक्ति का सिर लज्जा और पश्चाताप से झुक गया। उसकी आंखों से आंसू बहने लगे, किंतु अब समय लौटकर नहीं आ सकता था।

यह कथा हमें सिखाती है कि ईश्वर द्वारा दिया गया समय, शक्ति और अवसर अत्यंत मूल्यवान होते हैं, जो व्यक्ति दूसरों के कल्याण में उन्हें लगाता है, वही सच्चे अर्थों में सुखी और धन्य होता है। दूसरों का बुरा सोचने वाला अंततः स्वयं ही अपना भविष्य बिगाड़ लेता है।

जीवन को संवारने वाला सर्वोत्तम गुण है संयम

सुनील कुमार महला
लेखक

मनुष्य जीवन को सुचारु, सार्थक और सुखद बनाने में कई गुणों की आवश्यकता होती है, जैसे सत्यनिष्ठा (ईमानदारी), करुणा और संवेदनशीलता, आत्मनियंत्रण (क्रोध, लालच, ईर्ष्या जैसी भावनाओं पर नियंत्रण), धैर्य, परिश्रम, अनुशासन, कृतज्ञता (जो मिला है उसकी सराहना करना और अहंकार से दूर रहना), सहयोग भावना, आदर और विनम्रता तथा सकारात्मक सोच आदि, लेकिन संयम उनमें सबसे उत्तम और प्रभावशाली गुण माना गया है। संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में संयम के बारे में यह कहा गया है कि-'संयमः सर्वसाधूनां भूषणं परमं स्मृतम्। संयमेनैव जीवन्ति विद्वांसोऽखिलकारिषु॥' तात्पर्य यह है कि संयम सभी सज्जनों का परम आभूषण है। विद्वान लोग अपने सभी कार्यों में संयम के बल पर ही सफल होते हैं। वास्तव में यहां यह जानने और समझने की जरूरत है कि संयम का मतलब क्या है। दरअसल, संयम का अर्थ है-'अपने विचारों, इच्छाओं, भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित रखते हुए संतुलित ढंग से जीवन जीना। सरल शब्दों में कहें, तो वास्तव में यह वह क्षमता है, जिसमें व्यक्ति कठिन परिस्थितियों, क्रोध, लालच, वासना या किसी भी आवेग के समय भी शांति, विवेक और मर्यादा बनाए रखता है।

संयम जीवन में आत्मनियंत्रण, संतुलन और विवेकपूर्ण आचरण का नाम है। संयम का अर्थ केवल इच्छाओं को दबाना नहीं, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार अपने मन, वचन और कर्म को नियंत्रित रखना है, जो व्यक्ति अपनी भावनाओं, क्रोध, लालच, बोलचाल और व्यवहार पर रोक लगा सकता है, वही वास्तव में परिपक्वता की राह पर चलता है। संयमी व्यक्ति जीवन में हर स्थिति में धैर्य बनाए रखता है। कठिन समय में वह घबराता नहीं, बल्कि विवेक से निर्णय लेता है। यही कारण है कि ऐसे लोग जीवन में अधिक सफल होते हैं, क्योंकि जल्दबाजी और आवेश में लिए निर्णय अक्सर नुकसान पहुंचाते हैं। संयमित मन सोचने, समझने और सही दिशा चुनने में सक्षम होता है। सफलता उन्हीं के कदम चूमती है, जिनके विचार नियंत्रित होते हैं और जिनका ध्यान लक्ष्य पर केंद्रित रहता है, जो व्यक्ति सदैव संयम में स्थित रहता है, उसकी सिद्धि और सफलता निश्चित है। संस्कृत में एक श्लोक के माध्यम से यह उल्लेख किया गया है कि यः संयमं न जहाति दुःखसमयेऽपि दूरतः। तं नित्यमभिजानन्ति देवाः साधुवरं नरम्॥'

यानी कि जो व्यक्ति दुख या संकट में भी संयम नहीं छोड़ता, देवता भी उसे श्रेष्ठ मनुष्य मानते हैं। वास्तव में, संयम मनुष्य को भीतर से मजबूती देता है। यह ऐसा गुण है, जो हर परिस्थिति में व्यक्ति को सही दिशा देता है और उसे सम्मान व सफलता दिलाता है। यह संयम ही होता है, जो सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाता है, मानसिक शांति और स्थिरता लाता है।

याद रखिए कि जिस व्यक्ति में संयम होता है, वह छोटी-छोटी बातों पर विचलित नहीं होता। मन स्थिर रहता है, तनाव कम होता है। संयम हमारे संवाद को संतुलित रखता है और संबंध मजबूत बनाता है। मतलब यह है कि यह हमारे रिश्तों में मधुरता लाता है। जीवन में बड़ी उपलब्धियां पाने के लिए धैर्य और निरंतरता चाहिए। संयम व्यक्ति को विचलित होने से बचाता है और लक्ष्य की ओर बनाए रखता है। संयम खाना-पीना, खर्च करना, बोलना, भावनाओं को व्यक्त करना आदि सब पर स्व-नियंत्रण देता है, जिससे जीवन अनुशासित बनता है। सच तो यह है कि संयमी व्यक्ति परिपक्व, विश्वसनीय और संतुलित माना जाता है। यह व्यक्तित्व का श्रेष्ठ गुण है। संयम से व्यक्ति के भीतर एक आत्मिक शांति पैदा होती है। वह दूसरों की बातों पर अनावश्यक प्रतिक्रिया नहीं देता, छोटी बातों पर परेशान नहीं होता। इसलिए वह कभी ज्यादा दुखी नहीं होता, क्योंकि दुख का बड़ा कारण हमारी अनियंत्रित प्रतिक्रियाएं ही होती हैं। संयम हमें सिखाता है कि हर बात पर प्रतिक्रिया देना आवश्यक नहीं, कभी-कभी मौन और धैर्य ही बुद्धिमानी होती है। संयमित जीवन जीने वाला व्यक्ति दूसरों की भावनाओं को समझता है, सम्मान देता है और विवादों से दूर रहता है। उसके व्यवहार में मर्यादा और नम्रता होती है, जिससे समाज में उसका सम्मान बढ़ता है।

आज के तेज रफ्तार जीवन में जहां तनाव, प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता हर कदम पर साथ चलती है, वहां संयम का महत्व और भी बढ़ जाता है। संयम हमें संतुलन, स्थिरता और सकारात्मकता सिखाता है। अतः जो व्यक्ति संयम रखना जानता है, वह न केवल सफल होता है, बल्कि मानसिक रूप से भी सुखी रहता है। संयम ही जीवन का वास्तविक आभूषण है, जो हमें सही दिशा और समृद्ध जीवन की ओर ले जाता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,666.46	25,088.40
बढ़त	943.52	262.95
प्रतिशत में	1.17	1.06

सोना 1,52,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,60,000 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, मंगलवार, 3 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एप्पल की भारत में रिकॉर्ड 28% मूल्य हिस्सेदारी

नई दिल्ली। प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल ने भारतीय स्मार्टफोन बाजार में 28 प्रतिशत की अपनी अब तक की सबसे अधिक मूल्य हिस्सेदारी दर्ज की है। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार यह उपलब्धि प्रीमियम उपकरणों के बढ़ते चलन ls संभव हुई है, जिसमें उपभोक्ता तेजी से महंगे उपकरण चुन रहे हैं। रिपोर्ट में दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में महत्वपूर्ण बदलाव को रेखांकित किया गया है। जहां बिक्री की संख्या में वृद्धि स्थिर है, वहीं बाजार का कुल बिक्री मूल्य बहुत तेजी से बढ़ रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारतीय खरीदार अब महंगे मॉडल ले रहे हैं। काउंटरपॉइंट के अनुसार, 2024 में भारत में एप्पल की मूल्य हिस्सेदारी 23 प्रतिशत थी। आईफोन 16 सीरीज की सफलता, आकर्षक वित्तपोषण योजनाओं और एक्सचेंज ऑफर ने कंपनी को देश में अपनी सर्वोच्च मूल्य हिस्सेदारी तक पहुंचा दिया है।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री 14% बढ़ी

नई दिल्ली। मध्यम आकार की मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री जनवरी में 14 प्रतिशत बढ़कर 1,04,322 इकाई रही। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 91,132 वाहनों की बिक्री की थी। रॉयल एनफील्ड ने सोमवार को बताया कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री 93,781 इकाई रही, जो जनवरी 2025 की 81,052 इकाई के मुकाबले 16 प्रतिशत अधिक है। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का निर्यात पांच प्रतिशत बढ़कर 10,541 इकाई रहा, जो बीते वित्त वर्ष के समान महीने में 10,080 इकाई था।

अशोक लेलैंड ने 21,920 वाहन बेचे

नई दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी अशोक लेलैंड की कुल बिक्री जनवरी में 27 प्रतिशत बढ़कर 21,920 इकाई पर पहुंच गई। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 17,213 वाहन बेचे थे। अशोक लेलैंड ने कहा कि उसकी घरेलू बिक्री 31 प्रतिशत बढ़कर 20,079 इकाई रही, जबकि जनवरी, 2025 में यह 15,327 इकाई थी। घरेलू बाजार में मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 12,833 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 9,864 इकाई थी।

7-8% की वृद्धि दर कायम रखना शीर्ष प्राथमिकता

सीतारमण बोलीं- वृद्धि की रफ्तार होगी अच्छी तो सभी को होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सात से आठ प्रतिशत की वृद्धि दर को कायम रखना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है, क्योंकि इससे सभी नागरिकों को फायदा होता है और रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा होते हैं। रविवार को आम बजट पेश करने के बाद देशभर के कॉलेज से आए विद्यार्थियों से सीतारमण ने कहा कि अगर आर्थिक वृद्धि की रफ्तार अच्छी होगी, तो इसका फायदा सभी नागरिकों तक पहुंचेगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि आर्थिक वृद्धि से नौकरियां पैदा होती हैं, ज्यादा लोग श्रमबल से जुड़ते हैं और उत्पादकता बढ़ती है। सीतारमण ने आगे कहा कि नियोक्ता महिलाओं की दक्षता और सटीकता से काम करने की प्रतिभा से श्रमबल में उनके योगदान को तेजी से पहचान रहे हैं। अर्द्धकुशल भूमिकाओं में महिलाओं की बढ़ती संख्या से इसका पता चलता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि निदेशक मंडल में महिलाओं के सीमित प्रतिनिधित्व को लेकर चिंता बनी हुई है और ज्यादा महिलाओं को नेतृत्व के पदों पर आगे आने की जरूरत है ताकि फैसले लेने में उनकी भूमिका हो और वे दूसरों के लिए रोल मॉडल बन सकें। उन्होंने कहा कि प्रगति हुई है, लेकिन अभी और बहुत कुछ करने की जरूरत है।

वित्त मंत्री ने बताया कि पिछले बजट के बाद से, सरकार ने ऑरेंज'' इकॉनमी (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स क्षेत्र) के लिए लगातार नीतियां, वित्तपोषण और समर्थन सुनिश्चित किया है। आज का टेलीविजन मीडिया भी ऐसी रचनात्मक सामग्री पर निर्भर करता है। यह कई अवसरों वाला शानदार क्षेत्र है। रचनात्मकता को हर दिन चुनौती मिलती है, और अगर आपमें काबिलियत है, तो यह निश्चित रूप से एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आगे बढ़ना चाहिए। वित्त मंत्री ने विद्यार्थियों को बजट तैयार करने में शामिल कदमों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि बजट की तैयारी अक्टूबर के आखिर या नवंबर में शुरू होती है, जिसमें उद्योग समूह, कारोबार क्षेत्र, अर्थशास्त्री, ट्रेड यूनियन के साथ-साथ सोआम लोगों के सुझाव भी शामिल होते हैं। इसके बाद इन सुझावों को छांटा जाता है, संबंधित मंत्रालयों और राज्यों के साथ चर्चा की जाती है, और व्यवहार्यता और कार्यान्वयन के लिए उन्हें बेहतर बनाया जाता है।

वृद्धि के लिए निवेश बढ़ाने पर सरकार का ध्यान

● बोलीं- राजकोषीय घाटे की स्थिति से पता चलता है कि सरकार की प्राथमिकता वृद्धि है

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट में आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए निवेश को प्राथमिकता दी गई है और राजकोषीय घाटे की स्थिति से पता चलता है कि सरकार की प्राथमिकता वृद्धि है। सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव वैश्विक अनिश्चितता से है और कई केंद्रीय बैंक पीली धातु में निवेश कर रहे हैं। इससे यह भी पता चलता है कि निवेशकों को किसी एक विशेष मुद्रा पर भरोसा नहीं है और इसीलिए सोने की खरीदारी में होड़ मची है। वायदा एवं विकल्प खंड में प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) में वृद्धि पर वित्त मंत्री ने कहा कि यह सट्टेबाजी वाले वायदा एवं विकल्प कारोबार में कदम रखने वालों को हतोत्साहित करने के लिए है। बजट में राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर चलते हुए, अगले वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत रखा गया है, जबकि मार्च, 2026 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए यह 4.4 प्रतिशत है।

सरकार बजट सत्र के दूसरे चरण मं आईबीसी संशोधन विधेयक करेगी पेश

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सरकार की नौ मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र के दूसरे चरण में दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश करने की योजना है। संसदीय समिति ने रिपोर्ट दे दी है। दिवाला कानून में प्रस्तावित संशोधन समयबद्धता और दक्षता को और बेहतर बनाने में मदद करेंगे। साथ ही भारत की ऋण शोधन व्यवस्था को वैश्विक सर्वोत्तम गतिविधियों के अनुरूप बनाएंगे। उन्होंने कहा कि संसदीय समिति ने दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) से संबंधित प्रस्तावित कानून पर रिपोर्ट दे दी है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की जिम्मेदारी भी संभाल रही सीतारमण ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि कुछ शर्तों के अधीन, समिति के सुझावों को शामिल करते हुए दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक को नौ मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र के दूसरे चरण में पेश किया जाएगा। यह 2016 में लागू हुए आईबीसी अधिनियम का सातवां संशोधन होगा। अंतिम संशोधन 2021 में हुआ था। उल्लेखनीय है कि सरकार ने 12 अगस्त, 2025 को लोकसभा में दिवाला एवं और ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) में संशोधन के लिए एक विधेयक पेश किया था।

राजस्व घाटा अनुदान खत्म होने से राज्यों पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी

● 16वें वित्त आयोग ने पांच वर्षों के लिए केंद्रीय करों में राज्यों की 41% हिस्सेदारी का दिया सुझाव

व्यय सचिव वी वुअलनाम ने कहा है कि 16वें वित्त आयोग द्वारा हस्तांतरण के बाद दिए जाने वाले राजस्व घाटा अनुदान को खत्म करने की सिफारिश का राज्यों की वित्तीय स्थिति पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने सोमवार को बताया कि केवल कुछ ही राज्यों को यह अनुदान मिल रहा था और 2025-26 में इसकी कुल राशि घटकर मात्र 13,000 करोड़ रह गई है।

उन्होंने कहा कि राजस्व घाटा अनुदान एक क्रमिक रूप से कम होने वाला अनुदान था और 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार इसे 2025-26 तक खत्म होना ही था। अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता वाले 16वें वित्त आयोग ने एक अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाले पांच वर्षों के लिए केंद्रीय करों में राज्यों की 41 प्रतिशत हिस्सेदारी का सुझाव दिया है। आयोग ने स्थानीय निकायों के अनुदान को दोगुना करने का सुझाव दिया है, जबकि राज्यों के लिए राजस्व घाटा अनुदान को खत्म कर दिया है। व्यय सचिव ने विश्वास जताते हुए कहा कि मुझे भरोसा है कि 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों को समग्र रूप से लागू करने से राज्यों की वित्तीय स्थिति काफी स्थिर और मजबूत हो जाएगी। केंद्र सरकार को अपने राजकोषीय लक्ष्यों और ऋ्रण प्रबंधन पथ का पालन सुनिश्चित करने के लिए बहुत सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बाद राज्यों को भारी मात्रा में धनराशि दी जाएगी। वित्त आयोग के हस्तांतरण सूत्र के अनुसार केंद्रीय कर संग्रह में राज्यों का हिस्सा 14 लाख करोड़ होगा। उन्होंने कहा कि अनुदानों के साथ-साथ केंद्र प्रायोजित योजनाओं तथा केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं जैसे अन्य मदों को मिलाकर सरकार से राज्यों को जाने वाली कुल राशि 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक होगी। वुअलनाम ने कहा कि सरकार ने सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है और हमें बहुत सावधानी से आगे बढ़ना होगा ताकि हमारे राजकोषीय लक्ष्य, हमारी वृद्धि यात्रा और अन्य सभी लक्ष्यों का पालन किया जा सके।

सरकार को राजकोषीय लक्ष्यों पर सावधानी बरतनी होगी

वुअलनाम ने कहा कि केंद्र को अपने राजकोषीय लक्ष्यों और ऋण प्रबंधन पथ का पालन सुनिश्चित करने के लिए बहुत सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बाद राज्यों को भारी मात्रा में धनराशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अनुदानों के साथ-साथ केंद्र प्रायोजित योजनाओं तथा केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं जैसे अन्य मदों को मिलाकर सरकार से राज्यों को जाने वाली कुल राशि 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक होगी। सरकार ने सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है और हमें बहुत सावधानी से आगे बढ़ना होगा ताकि हमारे राजकोषीय लक्ष्य, हमारी विकास यात्रा और सभी का पालन किया जा सके।

बजट के बाद उद्योग जगत में दिखाई दे रही आशावादिता

● केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने की एनएसई के सीईओ, उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बैठक

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को मुंबई में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीष चौहान के साथ बजट 2026-27 के समग्र लाभों पर चर्चा के लिए बैठक की। इस बैठक में म्यूचुअल फंड और परिसंपत्ति प्रबंधन से जुड़े निवेशक और प्रमुख उद्योग प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

गोयल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि एनएसई में आयोजित बैठक बेहद उपयोगी और संवादपूर्ण रही। बजट के बाद उद्योग जगत में दिख रही आशावादिता, इससे मिलने वाले वृद्धि अवसरों से जुड़ा उत्साह और बैठक में सामने आए नए विचार और सुझाव उत्साहजनक हैं। यह बैठक वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) में बढ़ोतरी से जुड़ा प्रस्ताव रखे जाने के एक दिन बाद हुई है। बजट में वायदा अनुबंधों पर एसटीटी को 0.02 से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा है। वहीं, विकल्प प्रीमियम पर एसटीटी 0.10 से बढ़ाकर 0.15 और विकल्प सौदे करने पर 0.125 से बढ़ाकर 0.15 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव है। सरकार को एसटीटी से 73,700 करोड़ राजस्व मिलने की उम्मीद है।

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि में मामूली सुधार : पीएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी

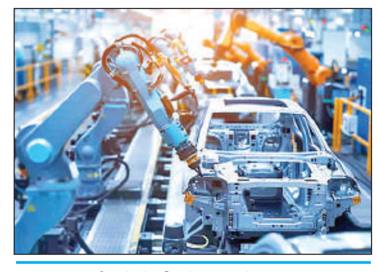

● नए ऑर्डर में तेजी से वृद्धि के बावजूद कारोबारी विश्वास साढ़े तीन साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में जनवरी में मामूली सुधार देखने को मिला। हालांकि नए ऑर्डर में तेजी से वृद्धि के बावजूद कारोबारी विश्वास साढ़े तीन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया है। सोमवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) दिसंबर के दो साल के निचले स्तर 55 से बढ़कर जनवरी में 55.4 रहा। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारतीय विनिर्माण कंपनियों में जनवरी में सुधार देखा गया, जिसका कारण नए ऑर्डर, उत्पादन एवं रोजगार में वृद्धि रही। कच्चे माल की लागत में मध्यम वृद्धि हुई जबकि फैक्ट्री-गेट कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार धीमी पड़ी जिससे विनिर्माताओं के मुनाफे पर हल्का दबाव पड़ा। फैक्ट्री-गेट कीमत का मतलब वह कीमत है जिस पर कोई उत्पाद उसके विनिर्माता के कारखाने या गोदाम से निकलता है।

सर्वेक्षण में शामिल प्रतिभागियों ने कहा कि मांग में मजबूती, नए कारोबार में वृद्धि और प्रौद्योगिकी में निवेश ने उत्पादन को समर्थन दिया। कुल बिक्री को घरेलू बाजार से गति मिली। निर्यात के नए ऑर्डर में भी वृद्धि हुई लेकिन रफ्तार अपेक्षाकृत कमजोर रही। जिन कंपनियों के निर्यात ऑर्डर बढ़े, उन्होंने एशिया, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोप और पश्चिम एशिया से अधिक मांग का हवाला दिया।

यूपीआई से लेन-देन मुफ्त बना रहेगा : वित्तीय सेवा सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

● बैंकों की गड़बड़ी के कारण साइबर धोखाधड़ी तीन प्रतिशत से भी कम

वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने सोमवार को कहा कि यूपीआई (एकीकृत भुगतान इंटरफेस) को समर्थन देने को लेकर 2026-27 के बजट में 2,000 करोड़ रुपये के प्रावधान से इसके जरिये मुफ्त में लेन-देन बना रहेगा। उन्होंने कहा कि बैंकों की गड़बड़ी के कारण साइबर धोखाधड़ी तीन प्रतिशत से भी कम है और लोगों की सतर्कता से इस समस्या से निपटा जा सकता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में डिजिटल भुगतान एप यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड के लिए 2,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी की घोषणा की है। यह 2025-26 में संशोधित अनुमान के अनुसार 2,196 करोड़ रुपये थी। नागराजू ने कहा कि यूपीआई को समर्थन देने को लेकर बजट में 2,000 करोड़ के प्रावधान का मतलब है कि इसके जरिये मुफ्त में लेन-देन जारी रहेगा। साइबर धोखाधड़ी पर नागराजू ने कहा कि बैंकों की गड़बड़ी के कारण साइबर धोखाधड़ी तीन प्रतिशत से भी कम है और लोगों की सतर्कता से इससे निपटा जा सकता है। विकसित भारत के लिए बैंकों के लिए बजट में उच्च अधिकार प्राप्त समिति के गठन पर उन्होंने कहा कि अभी समिति के कामकाज के नियम एवं शर्तें तैयार की जाएंगी। उसके बाद समिति का गठन होगा। इस पहल का मकसद समिति के जरिये खाका तैयार करना है कि आखिर कैसे बैंकों को विकसित भारत के लिए तैयार किया जाएगा। अभी बैंकों में एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) कम है, लाभ अच्छा है। हम मजबूत और बेहतर बैंक की स्थिति में हैं। बड़े बैंकों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि हमारे जैसे देश के लिए हमें तीन से चार बड़े बैंकों की आवश्यकता है। वित्त मंत्रालय सार्वजनिक बैंकों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को बढ़ाकर 49% करने पर विचार कर रहा है ताकि उनकी पूंजी आधार को मजबूत किया जा सके। एफडीआई सीमा को 49 प्रतिशत बढ़ाने के लिए मंत्रालयों के बीच परामर्श जारी है।

एसईजेड को घरेलू बाजार में बिक्री की छूट से आयात पर घटेगी निर्भरता : वाणिज्य सचिव

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में स्थित इकाइयों को घरेलू बाजार में सामान बेचने की अनुमति देने के बजट प्रस्ताव से आयात पर निर्भरता घटेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने बताया कि इस घोषणा का विवरण अगले दो-तीन महीनों में जारी कर दिया जाएगा। सरकार ने रविवार को बजट में एक विशेष उपाय के रूप में एसईजेड इकाइयों को कुछ शर्तों और मात्रात्मक प्रतिबंधों के साथ घरेलू बाजार में रियायती आयात शुल्क दरों पर माल बेचने की अनुमति देने की घोषणा की है। यह इन क्षेत्रों की लंबे समय से लंबित मांग थी, क्योंकि वैश्विक अनिश्चितताओं और श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर भारत में उच्च आयात शुल्क के कारण वे अपने अतिरिक्त उत्पादन को घरेलू बाजार में नहीं बेच पा रहे थे। सचिव ने कहा कि इस प्रस्ताव से अन्य देशों से आयात करने के बजाय एसईजेड इकाइयों से ही सामान खरीदने में मदद मिलेगी। अग्रवाल ने कहा कि यह कदम आयात प्रतिस्थापन में मदद करेगा और बेहतर रोजगार सृजन सुनिश्चित करेगा। इससे घरेलू क्षेत्र की कंपनियों और एसईजेड इकाइयों के बीच प्रतिस्पर्धा के समान अवसर भी उपलब्ध होंगे।

त्रिकोण पैटर्न : संभावित बड़े मूवमेंट का संकेतक

शेयर बाजार और अन्य वित्तीय बाजारों में तकनीकी विश्लेषण के तहत त्रिकोण कैंडल पैटर्न को एक महत्वपूर्ण चार्ट पैटर्न माना जाता है। यह पैटर्न तब बनता है, जब किसी शेयर या इंडेक्स की कीमतें एक सीमित दायरे में सिमटने लगती हैं और धीरे-धीरे ऊपर या नीचे की दिशा स्पष्ट होने से पहले संकुचित होती जाती हैं। आमतौर पर यह पैटर्न बाजार में अनिश्चितता, संतुलन और संभावित बड़े मूवमेंट का संकेत देता है। निवेशक और ट्रेडर इस पैटर्न को इसलिए ध्यान से देखते हैं, क्योंकि इसके पूरा होने के बाद कीमत में तेज ब्रेकआउट या ब्रेकडाउन देखने को मिल सकता है। सही पहचान और पुष्टि के साथ यह पैटर्न ट्रेडिंग के अच्छे अवसर प्रदान करता है।

वॉल्यूम की भूमिका : त्रिकोण पैटर्न में वॉल्यूम का खास महत्व होता है। पैटर्न के बनते समय वॉल्यूम धीरे-धीरे कम होता जाता है, जबकि ब्रेकआउट या ब्रेकडाउन के समय वॉल्यूम में तेज़ बढ़ोतरी देखी जाती है। यही बढ़ा हुआ वॉल्यूम ब्रेकआउट की पुष्टि करता है।

ट्रेडिंग रणनीति

- ब्रेकआउट के ऊपर क्लोजिंग मिलने पर खरीदारी की जाती है।
- ब्रेकडाउन के नीचे क्लोजिंग मिलने पर बिकवाली की जाती है।
- स्टॉप लॉस त्रिकोण के विपरीत सिरे के पास लगाया जाता है ताकि जोखिम सीमित रहे।

निवेशकों के लिए महत्व : त्रिकोण पैटर्न निवेशकों और ट्रेडरों को बाजार की अगली संभावित दिशा का संकेत देता है। हालांकि केवल इसी पैटर्न पर निर्भर रहना सही नहीं होता। बेहतर परिणाम के लिए इसे आरएसआई, एमएसीडी और सपोर्ट-रेजिस्टेंस जैसे अन्य तकनीकी संकेतकों के साथ मिलाकर देखना चाहिए।

पैटर्न के प्रकार

सिमेट्रिकल ट्रायंगल

इस पैटर्न में ऊपरी ट्रेंडलाइन नीचे की ओर झुकी होती है और निचली ट्रेंडलाइन ऊपर की ओर। यह बाजार में असमंजस की स्थिति को दर्शाता है। ब्रेकआउट किसी भी दिशा में हो सकता है।

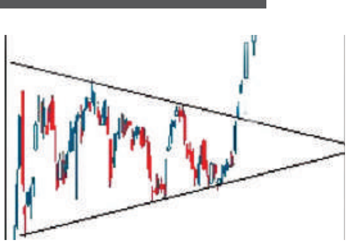

असेंडिंग ट्रायंगल

इसमें ऊपरी रेजिस्टेंस लाइन लगभग सीधी रहती है, जबकि सपोर्ट लाइन ऊपर की ओर जाती है। यह आमतौर पर बुलिश संकेत देता है और ऊपर की ओर ब्रेकआउट की संभावना अधिक होती है।

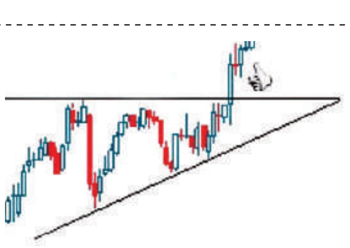

डिसेंडिंग ट्रायंगल

इसमें सपोर्ट लाइन सीधी रहती है और रेजिस्टेंस लाइन नीचे की ओर झुकी होती है। इसे बेयरिश पैटर्न माना जाता है और नीचे की ओर ब्रेकडाउन के संकेत देता है।

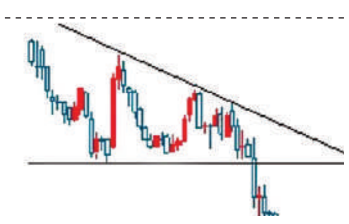

गिरावट से उबरा बाजार सेंसेक्स 943 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

● तेल एवं गैस, बैंक और वाहन कंपनियों के शेयरों में खरीदारी निफ्टी भी 263 अंक की तेजी

आम बजट के दिन भारी गिरावट का सामना करने वाले घरेलू शेयर बाजार ने सोमवार को जोरदार वापसी की। तेल एवं गैस, बैंक और वाहन कंपनियों के शेयरों में खरीदारी आने से बीएसई सेंसेक्स 943 अंक चढ़कर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी में 263 अंक की तेजी दर्ज की गई।

बीएसई का सेंसेक्स 943.52 अंक की बढ़त के साथ 81,666.46 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,009.31 अंक चढ़ा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी 262.95 अंक बढ़कर 25,088.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 282.65 अंक तक पहुंचा था। विशेषज्ञों के मुताबिक, कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में गिरावट और बजट के दिन की भारी गिरावट से प्रमुख कंपनियों के शेयरों में मूल्य-आधारित खरीदारी से घरेलू शेयर बाजारों को राहत मिली। सेंसेक्स की कंपनियों में से पावर ग्रिड में 7.61 और अडाणी पोर्ट्स में 4.76% की तेजी रही। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, इंटरग्लोब एविएशन (यानी इंडिगो), आईसीआईसीआई बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ में रहीं।

एफपीओ से एलआईसी में हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली। सरकार अगले वित्त वर्ष में अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) से बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलआईसी में अपनी हिस्सेदारी और घटाने पर विचार कर रही है। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने सोमवार को यह जानकारी दी।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में सरकार की 96.5% हिस्सेदारी है। सरकार ने मई, 2022 में आईपीओ के माध्यम से 902-949 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची थी। इस शेयर बिक्री से सरकार को 21,000 करोड़ मिले थे। नागराजू ने कहा कि एलआईसी के सार्वजनिक निर्गम को धीरे-धीरे लाना होगा। हमने निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग से सरकारी हिस्सेदारी कम करने की संभावनाओं को देखने के लिए कहा है।

विचार विमर्श

वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा- केंद्र ने बजट में वित्तीय अनुशासन को लेकर अपनी स्पष्ट प्रतिबद्धता जताई

राजकोषीय घाटे को 4.3% पर रखने में सफल होगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने सोमवार को कहा कि भारत सितंबर, 2025 में जीएसटी दरों में कटौती के बाद कर राजस्व में मामूली गिरावट आने का अनुमान होने के बावजूद 2026-27 में 4.3% राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल करने में सफल रहेगा।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि केंद्र सरकार ने बजट में वित्तीय अनुशासन को लेकर अपनी स्पष्ट प्रतिबद्धता जताई है, जिससे स्थिर समेकन की दिशा मजबूत होती है और यह वैश्विक अपेक्षाओं के अनुरूप है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4 और 2026-27 में 4.3% के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य के साथ स्पष्ट रूपरेखा पेश की है, जो वृद्धि और जिम्मेदारी के साथ खर्च के बीच संतुलन का संकेत देता है। एसएंडपी ने कहा कि भारत 2026-27 में घाटे का अपना लक्ष्य हासिल कर लेगा, भले ही सरकार ने जीएसटी की आय को कम आंका हो। मजबूत खपत और संग्रह क्षमता में वृद्धि से जीएसटी राजस्व बढ़ सकता है। एजेंसी ने कहा कि केंद्रीय बैंक से लगातार मिलने वाले लाभांश और संभावित पूंजीगत व्यय में कमी भी घाटे के लक्ष्य को पूरा करने में मददगार होंगे। रेटिंग एजेंसी ने अनुमान लगाया कि उपभोक्ता खर्च और सार्वजनिक निवेश भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर को अगले वित्त वर्ष में 6.7 और 2027-28 में सात प्रतिशत पर बनाए रखेंगे।

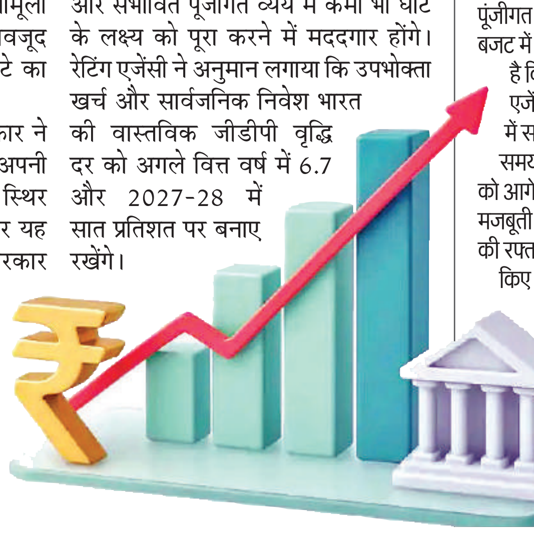

वैश्विक स्थिरता को लेकर प्रतिबद्धता दर्शाता है बजट : फिच

नई दिल्ली। भारत का बजट सरकारी कर्ज में क्रमिक कमी के जरिये व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसे वृद्धि संभावनाओं को मजबूत करने के लिए मजबूत पूंजीगत व्यय कार्यक्रम के साथ संतुलित किया गया है। फिच रेटिंग्स ने सोमवार को यह बात कही। बजट में हालांकि किसी बड़े पैमाने के सुधार की विशेष घोषणा नहीं की गई, लेकिन फिच का मानना है कि उसे आगे और सुधारों की उम्मीद है खासकर विनियमन में ढील देने के एजेंडे पर। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि मजबूत जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि भारत के कई संप्रभु ऋण मानकों में सकारात्मक गति ला रही है और यदि यह बनी रहती है, तो शेष राजकोषीय चुनौतियों के बावजूद समय के साथ देश की ऋण खाके में सुधार हो सकता है। फिच ने कहा कि हालिया सुधारों की गति को आगे बढ़ाने से निजी निवेश में तेजी आने में मदद मिलेगी और भारत की संभावित वृद्धि को अधिक मजबूती मिलेगी। राजकोषीय समेकन बहुत सीमित रहने की संभावना है। फिच ने कहा कि समेकन की रफ्तार का धीमा होना हमारे इस आकलन के अनुरूप है कि जीडीपी वृद्धि से अधिक समझौता किए बिना घाटे में और कमी लाना कठिन होता जा रहा है। सरकार ने अधिक कड़े समेकन की बजाय पूंजीगत व्यय को 2026-27 की जीडीपी के 3.1 प्रतिशत पर अपेक्षाकृत स्थिर रखने का विकल्प चुना है। यह कदम संभवत: निजी निवेश की सुस्त गति की भरपाई के प्रयास को दर्शाता है। फिच रेटिंग्स के निदेशक जेरेमी जूक ने कहा, "भारत का बजट सरकारी कर्ज में क्रमिक कमी के रास्ते के जरिये व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसे वृद्धि संभावनाओं को बढ़ाने के लिए मजबूत पूंजीगत व्यय कार्यक्रम के साथ संतुलित किया गया है।" फिच ने 2026-27 में आर्थिक वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

वैश्विक शांति के लिए अमेरिका भारत संबंधों की मजबूती अहम

- शीर्ष अमेरिकी नेताओं की द्विपक्षीय संबंधों की सुदृढ़ता का आह्वान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के दोनों दलों के शीर्ष सांसदों और नेताओं ने भारत-अमेरिका संबंधों तथा प्रवासी भारतीयों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह साझेदारी विश्व भर में शांति और स्थिरता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है तथा उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को अधिक मजबूत करने का आह्वान किया।

न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को यहां एक विशेष स्वागत समारोह का आयोजन किया। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत बिनय श्रीकांत प्रधान और उप महावाणिज्यदूत विशाल हर्ष ने समारोह में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। इस समारोह में सरकारी अधिकारी, कारोबारी नेता, शिक्षा और संस्कृति जगत के नेता, भारतीय-अमेरिकी समुदाय के कई प्रमुख सदस्य, राजनयिक कोर के सदस्य और विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथि शामिल हुए।

सभा को संबोधित करते हुए डेलवेयर के गवर्नर मैट मेयर ने इस बात पर जोर दिया कि उनके राज्य में भारतीय समुदाय सबसे तेजी से बढ़ने वाला प्रवासी समुदाय है। उन्होंने डेलवेयर की विदेश सचिव चारुनी पतिबांडा-सांचेज के माता-पिता की प्रवासी यात्रा को याद किया, जो अमेरिका में इस पद को संभालने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी थीं।

मेयर मार्च में भारत की यात्रा करने वाले हैं, जिसमें वह मुंबई, दिल्ली और हैदराबाद में एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। सफोल्क काउंटी से रिपब्लिकन अमेरिकी प्रतिनिधि निक ला लोटा ने न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में इतालवी और आयरिश समुदायों के बाद बढ़ते भारतीय समुदाय को तीसरा समुदाय बताया।

फिर से वैश्विक चिंता का सबब

निपाह वायरस

निपाह वायरस स्वास्थ्य जगत के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभरा है। वर्तमान में भारत के कुछ राज्यों, विशेषकर पश्चिम बंगाल और केरल में कुछ मामले आने के बाद स्वास्थ्य एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। यह केवल भारत तक सीमित चिंता नहीं है; ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वियतनाम और सिंगापुर जैसे देशों ने भी अपनी सीमाओं पर सुरक्षा प्रावधान और हवाई अड्डों पर स्क्रीनिंग तेज कर दी है। दक्षिण अफ्रीका ने हाल ही में भारत में मिले मामलों के बाद जनता से सतर्क रहने की अपील की है। निपाह एक ज़ूनोटिक वायरस है, यह जानवरों से इंसानों में फैलता है। इसके प्राकृतिक वाहक फ्रूट बैट्स (फल खाने वाले चमगादड़) हैं। इसकी मृत्यु दर चौंकाने वाली है, जो 40 से 75% के बीच रहती है, जिससे यह कोविड-19 जैसे अन्य वायरस की तुलना में कहीं अधिक घातक हो जाता है।

लक्षण और पहचान

- पहले सामान्य फ्लू : निपाह के लक्षण संक्रमण के 4 से 14 दिनों के भीतर दिखाई देते हैं। शुरुआत में यह सामान्य फ्लू जैसा लगता है, लेकिन बहुत तेजी से गंभीर हो जाता है।
- शुरुआती लक्षण : तेज बुखार आना, सिरदर्द होना, मांसपेशियों में भी दर्द, उल्टी और गले में खराश भी होती है।
- गंभीर लक्षण : संक्रमित व्यक्ति को चक्कर आने के साथ मानसिक भ्रम, सांस लेने में गंभीर समस्या और मस्तिष्क में सूजन हो सकता है।
- अंतिम स्थिति : संक्रमण से मरीज 24-48 घंटों में कोमा में जा सकता है।

डब्ल्यूएचओ रख रहा नजर

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और भारत सरकार का नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) इस स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। जनवरी 2026 के अंत तक पश्चिम बंगाल के बारासात में दो स्वास्थ्य कर्मियों में इसके संक्रमण की पुष्टि हुई थी, जिसके बाद लगभग 196 लोगों की निगरानी की गई। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने इसे वैश्विक स्तर पर कम जोखिम वाली श्रेणी में रखा है क्योंकि इसका मानव-से-मानव प्रसार बहुत अधिक नहीं है, फिर भी इसकी गंभीरता को देखते हुए बचाव ही सबसे बड़ा उपाय माना जा रहा है। भारत सरकार ने इसके लिए विशेष आइसोलेशन वार्ड, मोबाइल लैब (बीएसएल-3) और त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (आरआरटी) को तैनात किया है ताकि किसी भी संभावित प्रकोप को तुरंत नियंत्रित किया जा सके। ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, वियतनाम, दक्षिण अफ्रीका जैसे देश अपने स्तर पर सतर्कता बरत रहे हैं। उन्होंने नागरिकों के लिए सुझाव भी जारी किए हैं।

अभी कोई इलाज नहीं

- वर्तमान में निपाह वायरस के लिए कोई स्वीकृत टीका या विशेष एंटीवायरल दवा उपलब्ध नहीं है।
- इलाज का तरीका : अस्पताल में सपोर्टिव केयर ही मुख्य सहारा है। इसमें बुखार कम करने की दवाएं और सांस लेने के लिए वेंटिलेटर सहायता शामिल है।
- अनुसंधान की स्थिति : ऑक्सफोर्ड विवि बांग्लादेश में एक वैक्सीन का फेज-2 ट्रायल कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया में मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का परीक्षण भी जारी है।

क्या न करें

- जमीन पर गिरे या पक्षियों द्वारा कुतरे गए फलों को बिल्कुल न खाएं। खुले बर्तनों में रखी खजूर की ताड़ी का सेवन न करें। चमगादड़ों के रहने वाले इलाकों से दूर रहें। यदि किसी को तेज बुखार और भ्रम हो, तो उसे तुरंत अस्पताल ले जाएं, खुद इलाज न करें।

वर्ल्ड ब्रीफ

वेनेजुएला में जेवियर ताराजोना जेल से रिहा

काराकस। वेनेजुएला में विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो के सहयोगी एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता जेवियर ताराजोना को सरकार द्वारा लाए गए माफी विधेयक के तहत जेल से रिहा कर दिया गया है। मानवाधिकार संगठनों और उनके परिवार के सदस्यों ने रविवार को यह जानकारी दी। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शुक्रवार को माफी विधेयक की घोषणा की थी, जिसके जरिए सैकड़ों कैदियों की रिहाई का रास्ता खुला है। जेवियर ताराजोना वेनेजुएला के गैर-लाभकारी मानवाधिकार संगठन फंडारेडेस के निदेशक हैं।

अमेरिकी कवि एक्सजे कैनेडी का निधन

न्यूयॉर्क। पुरस्कार विजेता अमेरिकी कवि, लेखक, अनुवादक एवं शिक्षक एक्स.जे. कैनेडी का निधन हो गया है। वह 96 वर्ष के थे। कैनेडी ने 'द बेडफोर्ड रीडर' और अन्य पाठ्यपुस्तकों के जरिए करोड़ों विद्यार्थियों को शिक्षित किया और बाल कथाओं एवं चुटीली कविताओं के जरिए पाठकों को आकर्षित किया। 'द बेडफोर्ड रीडर' कॉलेज विद्यार्थियों द्वारा व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली पाठ्यपुस्तक है। कैनेडी की पुत्री डॉ. केट कैनेडी के अनुसार, एक्स जे कैनेडी का रविवार को मैसाचुसेट्स के पीबॉडी स्थित अपने घर पर निधन हो गया।

पोलैंड में ठंड से 50 से अधिक की मौत

वॉरसॉ। पोलैंड में कड़ाके की ठंड के कारण अब तक 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। आंतरिक मामलों और प्रशासन के उपमंत्री विस्लाव श्चेपान्स्की ने सोमवार को बताया कि कड़ाके की ठंड और शीतलहर अपने चरम पर है। ठंड से पीड़ितों के बारे में दुखद खबर है। अब तक 54 लोगों की मौत और 36 हाइपोथर्मिया के मामलों की जानकारी सामने आई है। उन्होंने कहा कि परित्यक्त इमारतों में रहने वाले लोग विशेष रूप से जोखिम में हैं।

चीन ने म्यांमार गिरोह के चार को फांसी दी

ताइपे। चीन ने छह चीनी नागरिकों की मौत का कारण बने और म्यांमार से चार अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के घोटाले और जुए का नेटवर्क संचालित करने के दोषी पाए गए चार लोगों को फांसी दे दी। दक्षिण चीन की शेनझेन इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने सोमवार सुबह जारी एक बयान में इन सजाओं की पुष्टि की। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि फांसी कब दी गई। म्यांमार में इसी मामले में 11 अन्य लोगों को पिछले सप्ताह सजा सुनाई गई।

ट्रंप को ईरान से समझौते की उम्मीद खामेनेई की युद्ध के विरुद्ध चेतावनी

ट्रंप बोले-हमने जंगी पोत तैनात किए लेकिन समस्या का चाहते हैं कूटनीतिक हल

- ट्रंप ने कहा-आने वाले दो दिनों में हमें समझौते की है उम्मीद

तेहरान/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ समझौता होने की उम्मीद जताई है, जबकि ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका कोई भी टकराव शुरू करता है तो वह क्षेत्रीय युद्ध में बदल सकता है। ट्रंप ने फ्लोरिडा के पाम बीच पर अपने मार-आ-लागो आवास से कहा कि अमेरिका ने पश्चिमी एशिया में भले ही अपने युद्ध पोत तैनात किए हैं लेकिन वह इस समस्या का कूटनीतिक हल चाहता है।

ट्रंप ने कहा कि हमने वहां दुनिया के सबसे बड़े, सबसे ताकतवर युद्ध पोत तैनात किए हैं। उम्मीद है कि आने वाले दो दिनों में हम कोई समझौता कर लेंगे। अगर समझौता नहीं होता है तो हमें पता चल जायेगा कि वह सही थे या नहीं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया जब खामेनेई ने सोशल मीडिया एक्स पर जारी कई बयानों में अमेरिका को सैन्य कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दी थी। खामेनेई ने पोस्ट किया कि अमेरिका युद्ध शुरू करेगा तो इस बार एक क्षेत्रीय युद्ध होगा। अमेरिकी कभी-कभी युद्ध की बात करते हैं और कहते हैं कि वे युद्ध पोतों और लड़ाकू विमानों के साथ आएंगे। यह कोई नई बात नहीं है। ईरान ऐसी बातों से डरता नहीं। उन्हें ईरानियों को ऐसी चीज़ों से डराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। खामेनेई ने कहा कि ईरान संघर्ष नहीं चाहता लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो ईंट का जवाब पत्थर से देगा। उन्होंने अमेरिका पर संसाधनों के लालच में ईरान पर दबाव बनाने का आरोप लगाया। खामेनेई ने कहा, हम लड़ाई शुरू करने वालों में नहीं हैं। हम किसी पर जुल्म नहीं करना चाहते। हम किसी देश पर हमला नहीं करना चाहते लेकिन अगर कोई हम पर हमला करता है तो उसे ईरान से करारा जवाब मिलेगा।

ईरान ने ईयू के सभी राजदूतों को किया तलब

दुबई। ईरान ने सोमवार को कहा कि उसने अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के यूरोपीय संघ (ईयू) के फैसले पर विरोध दर्ज कराने के वास्ते इसके सभी राजदूतों को तलब किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ईरान को शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की कथित हत्या और सामूहिक फांसी के मामलों को लेकर अमेरिका की सैन्य कार्रवाई का खतरा झेलना पड़ रहा है। अमेरिकी सेना ने यूएसएस अब्राहम लिंकन विमानवाहक पोत और कई मिसाइल विध्वंसक जहाजों को पश्चिम एशिया में तैनात कर दिया है। हालांकि, यह अब भी स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बल प्रयोग का फैसला करेंगे या नहीं।

ट्रंप समझदारी से लेंगे कोई फैसला

इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि अमेरिका से उनका विश्वास उठ चुका है लेकिन वे परमाणु हथियारों पर निष्पक्ष और न्यायसंगत समझौते के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मुझे युद्ध की चिंता नहीं है। मुझे गलत सूचना और दुष्प्रचार अभियान के कारण लिए जाने वाले सैन्य फैसलों की चिंता है। जाहिर है कि कुछ लोग हैं जो अपने फायदे के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को इस युद्ध में खींचना चाहते हैं। मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप इतने समझदार हैं कि वह अपने फैसले खुद ले सकते हैं। कहा कि अमेरिका हमारे देश पर पहले की तरह कब्जा करना चाहता है लेकिन अब यह संभव नहीं है। उसे किसी भी हिमाकत का बहुत करारा जवाब मिलेगा।

साल 2026 के ग्रैमी पुरस्कारों की हुई घोषणा, दलाई लामा ने रचा इतिहास

- 90 की उम्र में ग्रैमी पाने वाले पहले व्यक्ति बने दलाई लामा

लॉस एंजेलिस, एजेंसी

संगीत के सबसे बड़े पुरस्कार ग्रैमी के 68वें संस्करण के विजेताओं की घोषणा यहां रविवार को हुई। रैपर बैड बनी के एल्बम डेबी तिरार मास फोतोज़ ने साल के सर्वश्रेष्ठ एल्बम का पुरस्कार जीता, जबकि साल के सबसे बेहतरीन रिकॉर्ड का पुरस्कार रैपर एवं गीतकार केंड्रिक लैमर तथा गायक एवं गीतकार सिज़ा के गीत लुथर ने जीता।

साल के सबसे बेहतरीन गीत का पुरस्कार वाइल्डफ्लावर ने जीता जिसे बिली एलिश और फिनीयस ओ'कॉनेल ने गाया है, जबकि साले के सबसे बेहतरीन नए कलाकार का खिताब ओलिविया डीन ने जीता। सर्वश्रेष्ठ पॉप वोकल एल्बम का खिताब मेहेम ने जीता जिसे मशहुर गायिका लेडी गागा ने गाया है। सर्वश्रेष्ठ सोलो पॉप का खिताब लोला यंग को मेसी के लिए मिला। सर्वश्रेष्ठ रैप एल्बम का पुरस्कार केंड्रिक लैमर ने जीएनएक्स के लिए जीता। जहां, बेस्ट पॉप डुओ या बेस्ट ग्रुप परफॉर्मेंस का खिताब सिन्थिया एरिवो और एरियाना ग्रांडे ने डिफाइंग ग्रैविटी के लिए जीता, वहीं सर्वश्रेष्ठ रॉक एल्बम का खिताब टर्नस्टाइल के नेवर इनफ ने जीता। पहली बार किसी स्पैनिश भाषा के एल्बम ने सर्वश्रेष्ठ एल्बम का खिताब जीता। केंड्रिक लैमर ने पांच खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वाइल्डफ्लावर के लिए सबसे बेहतरीन गीत का खिताब जितने वाले बिली एलिश और उनके भाई फिनीयस ओ'कॉनेल ने तीसरी बार इस श्रेणी में खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। सबसे आश्चर्यजनक नाम दलाई लामा का रहा। अडियो-बुक रिकॉर्ड करने के लिए उन्हें ग्रैमी पुरस्कार दिया गया, जो कि 90 की उम्र में पहला ग्रैमी पाने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं।

चीन ने किया दलाई को पुरस्कार देने का विरोध

बीजिंग। चीन ने दलाई लामा को दिए गए ग्रैमी पुरस्कार की निंदा करते हुए कहा कि वह तिब्बती आध्यात्मिक नेता द्वारा इस सम्मान का उपयोग चीन विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किए जाने का कड़ा विरोध करता है। दलाई लामा को पुरस्कार मिलने पर उनकी प्रतिक्रिया पूछे जाने पर, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने चीन के इस आरोप को दोहराया कि 90 वर्षीय आध्यात्मिक नेता धर्म के नाम पर अलगाववादी गतिविधियां चला रहे हैं। कहा कि दलाई लामा विशुद्ध रूप से धार्मिक व्यक्ति नहीं हैं।

पुरस्कार पाने से फिर चूकीं अनुष्का शंकर

लॉस एंजिलिस। सितार वादक अनुष्का शंकर ग्रैमी पुरस्कार समारोह में दो नामांकन मिलने के बावजूद कोई पुरस्कार नहीं जीत पाईं। ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस श्रेणी में बैड बनी के ईओओ को पुरस्कार के लिए चुना गया। इस श्रेणी में अनुष्का के फ्यूजन बैंड शक्ति के सहयोग से बने गीत शिरिनीज ड्रीम (लाइव) को नामांकित किया गया था। अनुष्का को ग्लोबल म्यूजिक एल्बम श्रेणी में भी भारतीय संगीतकार सिद्धांत भाटिया (साउंड्स ऑफ कुंभ) और शक्ति के माइंड एक्सप्लोजन के साथ नामांकित किया गया था लेकिन पुरस्कार कैटानो वेलोसो व मारिया बेथनिया के कैटेनो ई बेथनिया आओ वीवो को मिला। अनुष्का शंकर को अब तक ग्रैमी में 13 बार नामांकन मिल चुका है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पोस्ट की इंडिया गेट की तस्वीर

न्यूयॉर्क। दिल्ली में स्थित इंडिया गेट को भारत का खूबसूरत मेहराबदार विजय स्मारक बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में ऐसा ही एक स्मारक सभी स्मारकों में सबसे बेहतरीन होगा। दिल्ली में 42 मीटर ऊंचा इंडिया गेट आर्क-डी-ट्रायम्फ कहा जाता है। यह प्रथम विश्व युद्ध और तीसरे एंग्लो-अफगान युद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना के लिए लड़ते हुए शहीद हुए 70,000 भारतीय सैनिकों की स्मृति और सम्मान में स्थापित किया गया है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में इस प्रतिष्ठित भारतीय स्मारक की तस्वीर साझा करते हुए कहा, भारत का खूबसूरत मेहराबदार विजय स्मारक। हमारा मेहराबदार स्मारक सबसे बेहतरीन होगा!

शेख हसीना को दी भ्रष्टाचार मामले में 10 साल की सजा

- बांग्लादेश की अदालत ने दो अलग-अलग केस में सुनाई सजा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को सरकारी आवास परियोजना में भूमि आवंटन से जुड़ी अनियमितताओं से संबंधित भ्रष्टाचार के दो अलग-अलग मामलों में सोमवार को 10 साल के कठोर कैद की सजा सुनाई।

ढाका की विशेष अदालत ने 79 वर्षीय शेख हसीना को सरकारी पद का गलत इस्तेमाल कर पुरबाचोल स्थित राजधानी उन्नयन कर्तृपक्ष (राजुक) न्यू टाउन परियोजना में अपनी भतीजी एवं ब्रिटेन की लेबर पार्टी की सांसद व वहां की पूर्व मंत्री ट्यूलिप सिद्दीक सहित अन्य लोगों को आवासीय भूखंड दिलाने के मामले में 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। न्यायाधीश रोबी-उल आलम ने इसी मामले में शेख हसीना की दो भतीजियों और एक भतीजे को भी अलग-अलग अवधि की जेल की सजा सुनाई। सिद्दीक की छोटी बहन आजमान सिद्दीक और भाई रदवान मुजीब सिद्दीक बॉबी को सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। अपदस्थ प्रधानमंत्री और उनके रिश्तेदारों को यह सजा उनकी अनुपस्थिति में हुई सुनवाई के बाद दी गई। 16 आरोपियों में से केवल एक, भूखंड आवंटित करने वाली संस्था राजुक के वरिष्ठ अधिकारी खुर्शीद आलम पर ही व्यक्तिगत रूप से मुकदमा चला और फैसले के समय वह अदालत में मौजूद थे।

वैज्ञानिक रामनाथन को क्रैफोर्ड पुरस्कार

ह्यूस्टन। भारतीय मूल के जलवायु वैज्ञानिक वीरभद्रन रामनाथन को रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने भू-विज्ञान में 2026 का क्रैफोर्ड पुरस्कार देने की घोषणा की है। भू-विज्ञान का नोबेल कहे जाने वाले इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के तहत रामनाथन को सुपर-प्रदूषकों और वायुमंडलीय ब्राउन क्लाउड्स पर शोध के लिए सम्मानित किया गया है, जिसने ग्लोबल वॉर्मिंग की समझ को नई दिशा दी।

रामनाथन (82) ने 1975 में नासा में काम करते हुए एक ऐतिहासिक खोज की थी। उन्होंने बताया कि क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी), जो एरोसोल और रेफ्रिजरेशन में व्यापक रूप से इस्तेमाल होते थे, वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में 10,000 गुना अधिक प्रभावी तरीके से गर्मी खींचते हैं।

आर्मेनिया से सुरक्षा सहयोग को मजबूत करेगा भारत

- आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे सीडीएस जनरल चौहान

नई दिल्ली/यरेवन, एजेंसी

भारत के प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल फिलहाल आर्मेनिया की आधिकारिक यात्रा पर है। इस दौरे को दोनों देशों के साझा रणनीतिक हितों और दीर्घकालिक रक्षा व सुरक्षा सहयोग को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया गया है।

इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय (आईडीएस एचक्यू) ने एक्स पर इस चार दिवसीय दौरे से जुड़ी कुछ जानकारी और तस्वीरें साझा कीं। आईडीएस एचक्यू ने एक पोस्ट में लिखा, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान के नेतृत्व में भारतीय रक्षा प्रतिनिधिमंडल एक फरवरी को आर्मेनिया पहुंचा। यह दौरा दोनों देशों के साझा रणनीतिक हितों और दीर्घकालिक रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग को मजबूत बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत यरेवन में भारत की राजदूत नीलाक्षी साहा सिन्हा और आर्मेनिया गणराज्य की सशस्त्र सेनाओं के उप प्रमुख मेजर जनरल टेमूर शहनजरयान ने किया।

आईडीएस एचक्यू ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि जनरल चौहान ने यरेवन में आर्मेनियाई जनसंहार स्मारक और संग्रहालय पर पुष्पांजलि अर्पित कर जनसंहार में जान गंवाने वाले 15 लाख आर्मेनियाई नागरिकों को श्रद्धांजलि दी।

एआई के लिए ऑप्टिकल चिप्स बना रहा चीन

बीजिंग। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेज़ी से बढ़ते इस्तेमाल और उसकी बढ़ती ऊर्जा खपत के बीच चीन अब पारंपरिक इलेक्ट्रॉनिक चिप्स के विकल्प के रूप में ऑप्टिकल चिप्स पर बड़ा दांव लगा रहा है। इन चिप्स को फ़ोटोन चिप्स भी कहा जाता है। ये चिप्स भविष्य में एआई की प्रोसेसिंग रफ्तार बढ़ाने और बिजली की खपत कम करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। ऑप्टिकल चिप्स ऐसे सेमीकंडक्टर होते हैं, जो बिजली (इलेक्ट्रॉन्स) की बजाय रोशनी (फोटॉन्स) के ज़रिए सूचना को प्रोसेस करते हैं। फोटॉन्स बहुत तेज़ गति से चलते हैं और इनमें गर्मी के रूप में ऊर्जा का नुकसान नहीं होता, इसलिए ये चिप्स पारंपरिक चिप्स से ज्यादा तेज़ हो सकते हैं।

आज का भविष्यफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 3 फरवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 4 फरवरी 00 .40 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

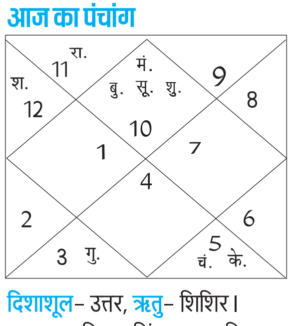

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मघा 22 .10 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

मेष — आज अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर रखें। मन में किसी कारण दबाव रहेगा। अति आत्मविश्वास के कारण काम बिगड़ सकते हैं। दांपत्य संबंधों में स्वार्थ की भावना को न आने दें। करियर में नए प्रयोग कर सकते हैं। दिनचर्या अस्त-व्यस्त न रखें।

वृष — आज आपकी दिनचर्या अत्यधिक अनुशासित रहेगी। सभी कार्यों को सुनियोजित तरीके से करने से सफलता मिलेगा। जॉब में मनोनुकूल स्थानांतरण हो सकता है। व्यवसाय में आपकी आय बढ़ सकती है। अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए तत्पर रहेंगे।

मिथुन — आज महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। संतान की उन्नति से मन उत्साहित रहेगा, लेकिन आपको उन पर अधिक दबाव नहीं बनाना चाहिए। महत्वपूर्ण कार्य किसी कारणवश टल सकते हैं। पुराने मित्रों से चर्चा होगी।

कर्क — आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। व्यय की तुलना में आपकी आय बढ़ेगी। रुकी हुई परियोजनाओं को प्रारंभ कर सकते हैं। जीवनसाथी को करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है।

सिंह — आज बिना पूछे दूसरों को ज्ञान न दें। गर्भवती स्त्रियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। आपको अपने सम्मान की चिंता रहेगी। लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें। कार्यक्षेत्र में अधिकारी वर्ग से बहस न करें।

कन्या — आज स्थायी संपत्ति प्राप्त होने की संभावना है। अपने काम पर फोकस करेंगे। साझेदारी वाले व्यवसाय में आपको लाभ हो सकता है। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है।

तुला — आज नए काम में मन लगेगा। व्यवसाय में सुगमता रहेगी। अपने विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। आपकी सामाजिक स्थिति मजबूत होगी। महंगी वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में परस्पर सम्मान का भाव बढ़ेगा।

वृश्चिक — आज शेयर मार्केट में निवेश लाभकारी होगा। छात्र पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बौद्धिक चर्चाओं में भाग ले सकते हैं। व्यापार को लेकर बड़ी डील हो सकती है। कार्यक्षेत्र में बॉस आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। मन में आध्यात्मिक विचार जन्म लेंगे।

धनु — आज आपको धन हानि होने की आशंका है। इसीलिए उधार लेन-देन बिल्कुल न करें। छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान न हों। वरना मुख्य बातों से आपका ध्यान भटक सकता है। अधिक गर्म व ठंडे खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।

मकर — आज व्यापार में अपनी उन्नति से संतुष्ट रहेंगे। विलासिता के साधनों में आप धन खर्च करेंगे। धन की कमी दूर होगी। कार्यक्षेत्र में सभी कार्य आपके अनुसार होते जाएंगे। आपकी जीवनशैली बहुत अच्छी रहेगी। अपने खानपान की आदतों पर नियंत्रण रखें।

कुंभ — आज सहकर्मियों के माध्यम से आपको धन लाभ होगा, लेकिन आपको सभी कार्य अपने दम पर करने चाहिए। दूरस्थ क्षेत्र की यात्रा हो सकती है। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं। युवा अपने करियर को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

मीन — आज महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को जॉब के अवसर प्राप्त होने की संभावना है। नई विद्या या स्किल्स को सीखने का प्रयास करेंगे। नई परियोजनाओं में धन निवेश कर सकते हैं। लंबित कानूनी मामलों को लेकर थोड़े परेशान होंगे।

सुडोकू-50

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8		4		7		1	
	6		2				9	
3					5			
		6				2		1
			3		6	5		
8		1						
	9		1					6
	5				3		4	
	4		5	7	8		2	

सुडोकू - 49 का हल

2	7	5	6	9	1	4	8	3
6	8	9	3	7	4	2	1	5
3	1	4	2	5	8	7	6	9
1	2	3	4	8	9	5	7	6
8	4	7	5	2	6	3	9	1
9	5	6	7	1	3	8	4	2
5	3	1	9	4	7	6	2	8
4	6	8	1	3	2	9	5	7
7	9	2	8	6	5	1	3	4

"पाकिस्तान के बहिष्कार पर आईसीसी ने एक बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने खेल भावना के बारे में बात की है और हम आईसीसी से पूरी तरह सहमत हैं। जब तक हम आईसीसी से बात नहीं कर लेते। बीसीसीआई इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेगी। –राजीव शुक्ला

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, मंगलवार, 3 फरवरी 2026

हाईलाइट

हरमनप्रीत, मंधाना और दिव्या अवार्ड्स के लिए नामांकित

नई दिल्ली। भारत की महिला विश्व कप 2025 की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर और उप-कप्तान स्मृति मंधाना तथा शतरंज की प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिव्या देशमुख '2025 बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' पुरस्कारों के लिए नामांकित हैं। पिस्टल निशानेबाजी में सनसनी मचाने वाली सुरुचि सिंह और ट्रैक एवं फील्ड एथलीट ज्योति याराजी इस प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार के लिए नामांकित अन्य दो खिलाड़ी हैं।

अब्दुसत्तोरोव ने मास्टर्स खिताब जीता

विक आन जी (नीदरलैंड्स)। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने खराब फॉर्म से जूझ रहे अर्जुन एरिगेसी को हराकर सोमवार को यहां टाटा स्टील मास्टर्स का खिताब जीत लिया। जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश संयुक्त आठवें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों के बीच शीर्ष पर रहे। गुकेश ने अंतिम दौर में जर्मनी के विन्सेंट केमर से ड्रॉ खेला और 6.5 अंक के साथ भारतीय खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने हालांकि प्रतियोगिता के दौरान आधे अंक जुटाकर उम्मीद से खराब प्रदर्शन किया और 2750 रेटिंग अंक से नीचे खिसक गए। आर प्रज्ञानानंद ने भी नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट के साथ ड्रॉ खेला व 5.5 अंक के साथ टूर्नामेंट खत्म किया।

फार्मूला वन फिर शुरू करना चाहता है मंत्रालय

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय भविष्य में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फार्मूला वन फिर शुरू करने का इच्छुक है और 2013 में आखिरी बार भारत में हुई रेस फिर शुरू करने के लिये ट्रैक अधिकारियों से बातचीत का सिलसिला शुरू हो चुका है। मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि खेलमंत्री मनसुख मांडविया पिछले सप्ताह ग्रेटर नोएडा में ट्रैक का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से बात भी की है जिसने अब दिवालिया को चुके ट्रैक के मालिक जेपी समूह से परिसर अपने नियंत्रण में ले लिया है। अडानी समूह जेपी समूह खरीदने की दौड़ में है और अगर ऐसा हो गया तो भारत में रेस को वापिस लाने की कोशिशों को बल मिलेगा।

भारत बड़े अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों का भरोसेमंद मेजबान : मांडविया

नई दिल्ली। ओलंपिक 2036 की मेजबानी के इच्छुक भारत को अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिये भरोसमंद और सफल मेजबान बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि पिछले एक साल में 20 से अधिक खेलों में 45 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करके भारत ने यह साबित कर दिया है। पिछले महीने इंडिया ओपन बैडमिंटन के आयोजन से जुड़े मसलों के लिये हुई आलोचना के बीच खेलमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय महासंघों से मिले समर्थन का हवाला दिया। भारत में 2030 राष्ट्रमंडल खेल अहमदाबाद में होंगे और इसी शहर को ओलंपिक 2036 की मेजबानी के दावेदार के रूप में चुना गया है।

दिल्ली की नजरें लगातार चौथी बार फाइनल के टिकट पर

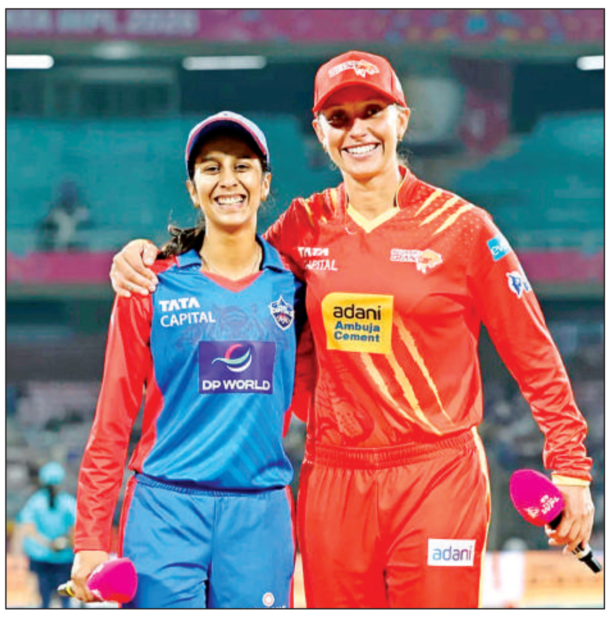

दिल्ली की कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स व गुजरात की कप्तान एश्ले गार्डनर।

वडोदरा, एजेंसी

लगातार तीन बार उपविजेता रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के एलिमिनेटर मुकाबले में मंगलवार को यहां जब पहली बार प्लेऑफ में पहुंची गुजरात जाएंट्स के खिलाफ उतरेगी तो उसकी कोशिश चौथी बार फाइनल में पहुंचने की होगी।

डब्ल्यूपीएल के छोटे से इतिहास में सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल दिल्ली कैपिटल्स ने एक बार फिर लीग चरण को सफलतापूर्वक पार करते हुए शीर्ष तीन में जगह बनाई। इसके साथ ही वह अब तक के सभी चार सत्रों में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र टीम बन गई है। मौजूदा सत्र में हालांकि दिल्ली का अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिसमें दबदबे वाले प्रदर्शन के साथ-साथ गिरावट भी देखने को मिली। टीम ने अब तक चार मैच जीते हैं और उसे इतने में हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली की गेंदबाजी की अगुवाई तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने की है। मौजूदा सत्र में 14 विकेट लेने वाली इस गेंदबाज ने आखिरी ओवरों में काफी प्रभावित किया है। उन्हें बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरनी (14 विकेट) का अच्छा साथ मिला है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी हरफनमौला मारिजेन कैप (10 विकेट) ने गेंदबाजी में नियंत्रण और भरोसेमंद प्रदर्शन जारी रखा है। बल्लेबाजी में कैप की हमवतन लौरा वोल्वार्ट (241 रन) और लिजेल ली (240 रन) ने शीर्ष क्रम में मजबूती प्रदान की है। भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (208 रन) के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी हालांकि चिंता का विषय बनी हुई है। पिछले मैच में कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने दबाव की स्थिति में अपनी फॉर्म दोबारा हासिल की। वह इससे पहले पूरे सत्र में निरंतरता के लिए जूझती नजर आई थीं। गुजरात जायंट्स की टीम दूसरी ओर एलिमिनेटर में जबरदस्त आत्मविश्वास के साथ उतरेंगी। उन्होंने लगातार तीन मैचों की हार के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत की हैट्रिक लगाई। टीम ने इस दौरान गत चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ 11 रन की अहम जीत भी हासिल की। यह दो बार की चैंपियन टीम के खिलाफ उनकी पहली जीत थी। टीम ने जीत से ही नॉकआउट में अपनी जगह पक्की की।

महिला प्रीमियर लीग : एलिमिनेटर मुकाबला

दिल्ली कैपिटल्स : जेमिमा रॉड्रिग्स (कप्तान), तानिया भाटिया, चिनेल हेनरी, लिजेल ली, निकी प्रसाद, शेफाली वर्मा, लौरा वोल्वार्ड्ट, लुसी हैमिल्टन, मारिजेन कैप, अलाना किंग, स्नेह राणा, प्रगति सिंह, मिन्नू मणि, नंदिनी शर्मा, श्री चरणी, एड्डुला स्रुजना।

गुजरात जायंट्स : एश्ले गार्डनर (कप्तान), कनिका आहूजा, सोफी डिवाइन, भारती फुलमाली, किम गार्थ, काशवी गौतम, राजेश्वरी गायकवाड़, हैप्पी कुमारी, जिंतिमनी कलिता, तनुजा कंवर, बेथ मूनी (विकेटकीपर), रेणुका सिंह, अनुष्का शर्मा, शिवानी सिंह, आयुषी सोनी, जॉर्जिया वेयरहम, डैनी व्याट-हॉज।

- गुजरात जाएंट्स के खिलाफ भिड़ंत आज शाम 7:30 बजे से

भारत के खिलाफ मैच बहिष्कार पर आईसीसी ने पाक को दी चेतावनी

प्रतिबंध और राजस्व पर रोक सहित अन्य कड़े कदम उठाए जाने की संभावना

दुबई, एजेंसी

टी-20 विश्व कप
4 दिन शेष

- 15 फरवरी को तय है भारत-पाकिस्तान का मुकाबला

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान सरकार द्वारा भारत के खिलाफ टी-20 विश्व कप मैच के बहिष्कार ''चुनिंदा भागीदारी'' की घोषणा के बाद कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करते हुए आपसी सहमति से कोई समाधान तलाशेगा। ऐसा माना जा रहा है कि आईसीसी इस मुद्दे पर जल्द ही बैठक करने जा रहा है। इस बैठक में आईसीसी भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने पर प्रतिबंध लगा सकता है और आईसीसी की ओर से पाकिस्तान के राजस्व पर भी रोक सहित अन्य कड़े कदम उठा सकता।

15 फरवरी को होने वाला भारत-पाकिस्तान मुकाबला टूर्नामेंट का सबसे अधिक व्यावसायिक रूप से लाभदायक ग्रुप मैच माना जा रहा है। पाकिस्तान सरकार द्वारा सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई पोस्ट के कुछ ही घंटों बाद आईसीसी ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आईसीसी की ओर से जारी एक बयान में कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि इस निर्णय से पीसीबी अपने देश पर होने वाले क्रिकेट के दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करेगा, क्योंकि इसका असर वैश्विक क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने की संभावना है, जिसका पाकिस्तान स्वयं सदस्य और लाभार्थी है। आईसीसी के नियमों के अनुसार किसी मैच का बहिष्कार होने की स्थिति में पाकिस्तान को अपने अंक गंवाने पड़ेगे और उसके नेट रन रेट पर असर पड़ेगा, लेकिन भारत के नेट रन रेट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके अलावा भारत को जीत के दो अंक भी मिलेंगे। बयान में कहा गया कि आईसीसी को अब तक इस मामले पर पीसीबी से कोई औपचारिक संवाद प्राप्त नहीं हुआ है। आईसीसी के बयान में कहा गया आईसीसी पाकिस्तान सरकार द्वारा दिए गए उस बयान को संज्ञान में ले रहा है, जिसमें उन्होंने 2026 आईसीसी पुरूष टी-20 विश्व कप में अपनी राष्ट्रीय टीम को चुनिंदा मैचों में भाग लेने का निर्देश दिया है। आईसीसी अभी भी इस संबंध में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से आधिकारिक संवाद की प्रतीक्षा कर रहा है। हालांकि चयनात्मक भागीदारी की यह स्थिति किसी वैश्विक खेल आयोजन की मूल भावना से मेल नहीं खाती, जहां सभी क्वालिफाई कर रही टीमों से तय कार्यक्रम के अनुसार समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करने की अपेक्षा की जाती है।

उन्होंने कहा आईसीसी के टूर्नामेंट खेल भावना, प्रतिस्पर्धा, निरंतरता और निष्पक्षता पर आधारित होते हैं और चयनात्मक भागीदारी प्रतियोगिताओं की भावना और पवित्रता को कमजोर करती है। हालांकि आईसीसी राष्ट्रीय नीति से जुड़े मामलों में सरकारों की भूमिका का सम्मान करता है, लेकिन यह निर्णय वैश्विक खेल या पाकिस्तान के लाखों प्रशंसकों सहित दुनिया भर के प्रशंसकों के हित में नहीं है।

आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी अपने देश में क्रिकेट पर पड़ने वाले इसके महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करेगा, क्योंकि इसका असर वैश्विक क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ सकता है, जिसका वह स्वयं सदस्य और लाभार्थी है। आईसीसी की प्राथमिकता में आईसीसी पुरूष टी-20 विश्व कप का सफल आयोजन करना है और यह पीसीबी सहित उसके सभी सदस्यों की जिम्मेदारी भी होनी चाहिए। आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करते हुए आपसी सहमति से कोई समाधान तलाशेगा।

पाकिस्तान ग्रुप ए में भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स और अमेरिका के साथ है। वे अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेंगे, जो भारत के साथ टूर्नामेंट का सह-मेजबान है। पाकिस्तान सात फरवरी को टी-20 विश्व कप के उद्घाटन दिन नीदरलैंड्स के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा।

सरकार का फैसला मानेगा पीसीबी : सूत्र

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के बहिष्कार के सरकार के फैसले पर चुप्पी साध रखी है लेकिन उच्च पदस्थ सूत्रों ने स्वीकार किया कि उनके पास सरकार के निर्देश मानने के अलावा कोई चारा नहीं है। तमाम नाटकीयता के बीच पाकिस्तानी टीम सात फरवरी से शुरू हो रहा विश्व कप खेलने कोलंबो रवाना हो गई है। पीसीबी के एक शीर्ष सूत्र ने बताया कि अगर भारत के खिलाफ नॉकआउट चरण में कोई मैच खेलना पड़ता है तो बोर्ड सरकार का फैसला मानेगा। सूत्र ने कहा सरकार ने बोर्ड को भी बता दिया है कि टीम भारत के खिलाफ विश्व कप का मैच नहीं खेलेगी और अंक जाने देगी। अगर नॉकआउट चरण में भारत से खेलने की नौबत आई तो उस समय सरकार के फैसले पर अमल किया जाएगा।

आईसीसी को करनी चाहिए कार्रवाई : गावस्कर, भज्जी

नई दिल्ली, एजेंसी

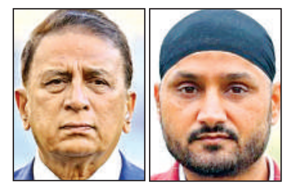

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का अनुमान है कि पाकिस्तान 'यू टर्न' लेगा, लेकिन उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी को टी-20 विश्व कप के मैच का बहिष्कार करने पर आईसीसी को उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।

पाकिस्तान सरकार ने फैसला किया है कि उसकी टीम कोलंबो में भारत के खिलाफ यह मैच नहीं खेलेगी और इसका कोई आधिकारिक कारण भी नहीं दिया। ऐसा माना जा रहा है कि बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने के लिए यह कदम उठाया गया है। बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर कर दिया गया है जिसने सुरक्षा कारणों से भारत में खेलने से इनकार किया था।

गावस्कर ने कहा मुझे लगता है कि अगले चार या पांच दिन में दुनिया भर से प्रतिक्रिया आने लगेगी तो संभव है कि पाकिस्तान अपना फैसला बदल ले। टूर्नामेंट सात फरवरी से शुरू होगा और पाकिस्तान को सारे मैच श्रीलंका में खेलने हैं। गावस्कर ने कहा इसमें क्या नया है। हम सभी को पता है कि पाकिस्तानी क्रिकेटर रिटायर होते हैं और चार दिन बाद फैसला बदलकर कहते हैं कि हमारे प्रशंसकों ने और खेलने के लिए कहा है। उन्होंने कहा पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मिसाल कायम की है। वे संन्यास का फैसला बदलते रहते हैं लिहाजा 15 फरवरी से पहले ऐसा कुछ हो सकता है। गावस्कर और हरभजन सिंह दोनों ने कहा कि अगर आईसीसी पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करती है तो यह सही होगा। उन्होंने कहा पाकिस्तान के पास भारत के खिलाफ बड़े मैच से पीछे हटने का कोई कारण नहीं है। अनुबंध का उल्लंघन करने का कारण नहीं बता पाने पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा पहले उन्हें कोई दिक्कत नहीं थी लेकिन बांग्लादेश के मसले के बाद वे इसमें कूद पड़े। इस फैसले का असर आईसीसी पर पड़ सकता है लिहाजा आईसीसी को कानूनी कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। इससे पूरे टूर्नामेंट पर असर पड़ सकता है।

भारत ए ने अमेरिका को हराया

नवी मुंबई, एजेंसी

अभ्यास मैच

- तिलक वर्मा ने पास किया फिटनेस टेस्ट, टीम को राहत

तिलक वर्मा पेट के निचले हिस्से की सर्जरी के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करते हुए सभी मानकों पर खरे उतरे जिससे भारतीय टीम प्रबंधन ने राहत की सांस ली होगी। उनकी और अन्य आईपीएल सितारों की मौजूदगी वाली भारत ''ए'' टीम ने सोमवार को यहां बड़े स्कोर वाले अभ्यास मैच में अमेरिका को 38 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ए के बल्लेबाजों ने सीनियर टीम द्वारा तय किए गए 'हर कीमत पर आक्रामक होकर खेलने' के रवैये को अपनाया।

तमिलनाडु के विकेटकीपर नारायण जगदीशन की 11 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 55 गेंद में 104 रन की पारी से टीम ने तीन विकेट पर 238 रन बनाए। इसके जवाब में अमेरिका ने सपाट पिच पर अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन आखिरकार 200 रन ही बना पाई। संजय कृष्णमूर्ति के 18 गेंद पर 41 रन की पारी खेली। राष्ट्रीय चयन समिति, मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए प्राथमिकता तिलक की मैच फिटनेस की जांच करना था जिन्होंने बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में तीन सप्ताह का 'रिटर्न टू प्ले' (खेलने के लिए वापसी) प्रोटोकॉल पूरा किया था।

25 करोड़ डॉलर के नुकसान की आशंका

नई दिल्ली। आईसीसी के किसी टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाला मुकाबला अनुमान के मुताबिक करीब 25 करोड़ डॉलर (2200 करोड़ रुपये से अधिक) का राजस्व पैदा करता है और ऐसे में आगामी टी20 विश्व कप में इस अहम मुकाबले के नहीं होने से सभी हितधारकों को भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्तों के चलते भारत और पाकिस्तान केवल बहु-टीम टूर्नामेंटों में ही आमने-सामने होते हैं, लेकिन इस मुकाबले को लेकर रोमांच इतना जबरदस्त होता है कि आईसीसी हर वैश्विक आयोजन में दोनों टीमों को एक ही ग्रुप में रखता है। पाकिस्तान सरकार ने 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले इस बहु-प्रतीक्षित मुकाबले के बहिष्कार की घोषणा की।

मुट्ठी में आसमां

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस चैंपियनशिप के मेन्स सिंगल्स फाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हराने के बाद नॉर्मन ब्रूक्स चैलेंज कप पकड़े स्पेन के कार्लोस अल्काराज। • एजेंसी

सिंधु बगैर एशिया टीम चैंपियनशिप में भारत के सामने कड़ी चुनौती

किंगदाओ (चीन), एजेंसी

- पुरुष बैडमिंटन टीम की नजरें पोडियम पर

स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु के बिना कमजोर पड़ी भारतीय महिला टीम को यहां मंगलवार से शुरू हो रही बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में अपना खिताब बचाने में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा जबकि पुरुष टीम पोडियम पर जगह बनाने के लिए अनुभवी खिलाड़ियों पर निर्भर रहेगी। भारत ने पिछले सत्र में मलेशिया में अपना पहला महिला टीम स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा था लेकिन चोट के कारण सिंधू के हटने से उनकी पदक जीतने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू की गैरमौजूदगी में भारतीय अभियान की जिम्मेदारी तन्वी शर्मा की अगुआई वाले खिलाड़ियों के युवा समूह पर होगी। पंजाब की 17 साल की तन्वी 2024 में चैंपियन टीम का हिस्सा थी लेकिन उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। इसके अगले दो साल में तन्वी गुवाहाटी में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक और अमेरिकी ओपन सुपर 300 में फाइनल तक पहुंचकर महिला एकल में अगली बड़ी उम्मीद बनकर उभरी हैं। उन्होंने सत्र की शानदार शुरुआत की। इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झी यी और दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी को तीन गेम तक चुनौती पेश की जिससे यह साबित हुआ कि वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ मुकाबला कर सकती हैं। उन्नति हुड्डा भी 2025 के सफल सत्र के बाद इस टूर्नामेंट में आ रही हैं। यह 18 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 23वीं रैंकिंग हासिल करने में सफल रहीं। उन्होंने चीन ओपन में सिंधु को भी हराया। बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय उन्नति ने 2025 में ओडिशा मास्टर्स का खिताब भी जीता। एकल में जिम्मेदारी अब मालविका बंसोड़ और रक्षिता श्री संतोष रामराज पर भी होगी।

उत्साह

अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया को महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर में भारतीय टीम की जीत पर यकीन

मनचाहा कोच व ट्रेनर मिला, टीम का अच्छा हुआ माहौल : सविता

नई दिल्ली, एजेंसी

अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया ने स्वीकार किया कि अगले महीने हैदराबाद में होने वाला महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर भारतीय टीम के लिए करो या करो की तरह है, लेकिन उन्हें यकीन है कि कोच शोर्ड मारिन की टीम जीत के साथ इस चुनौतीपूर्ण वर्ष का आगाज करेगी। इस साल पद्मश्री सम्मान के लिये चुनी गई सविता ने भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा हमारी टीम पहले भी अच्छी थी और आज भी अच्छी है। हमने जो ट्रेनर मांगा, वह हमें मिला और जो कोच चाहा, वह भी मिला और टीम का माहौल बहुत अच्छा है। तीन सौ से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुकी इस गोलकीपर ने कहा पूरी टीम को पता है कि विश्व कप क्वालीफायर हमारे लिये ''करो या मरो'' की तरह है लेकिन इतना यकीन है कि हमें उस तरह की हॉकी खेलनी आती है कि इसे जीत सकें।

एशिया कप के जरिये अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई करने में नाकाम रही भारतीय टीम को अब हैदराबाद में आठ से 14 मार्च तक क्वालीफायर खेलना होगा जिसमें इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरूग्वे, वेल्स और आस्ट्रिया भी शामिल है। प्रत्येक क्वालीफायर में शीर्ष तीन टीमें विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी, साथ ही दोनों प्रतियोगिताओं में चौथे स्थान पर रहने वाली उच्च रैंकिंग वाली टीम भी क्वालीफाई करेगी। आगे की चुनौतियों के बारे में उन्होंने कहा कि प्रो लीग के लिये क्वालीफाई करना बहुत जरूरी है जिसके लिये नेशंस कप जीतना होगा। उन्होंने कहा प्रो लीग से बाहर होना बड़ा झटका है और अब नेशंस कप जीतकर इसके लिये क्वालीफाई करना है। हम इसके जरिये विश्व की शीर्ष आठ टीमों के खिलाफ खेल सकते हैं जिससे काफी अच्छा अनुभव मिलता है। पैतीस वर्ष की इस पूर्व कप्तान ने कहा इस साल विश्व कप और एशियाई खेल भी हैं। दोनों टूर्नामेंटों के बीच में काफी कम समय है लिहाजा फिटनेस पर काम करना होगा। एशियाई खेलों में रजत और कांस्य है लेकिन अब नजरें स्वर्ण पर है ताकि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिये सीधे क्वालीफाई कर सकें। उन्होंने कहा एशियाई खेलों में चीन से चुनौती मिलेगी लेकिन हमें उनकी और अपनी ताकत पता है। हमें विरोधी टीम की नहीं बल्कि अपनी ताकत पर फोकस करना है और इसी फलसफे से हमने नेशंस कप जीतकर प्रो लीग के लिये क्वालीफाई किया था और आगे भी करेंगे। टोक्यो ओलंपिक 2021 में चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम के प्रदर्शन में पिछले साल आई गिरावट के लिये सविता ने फिटनेस के खराब स्तर को कसूरवार ठहराया।

उन्होंने कहा खेल में उतार-चढाव आते रहते हैं और पिछले साल ऐसा ही एक दौर था। इसका सबसे बड़ा कारण यही था कि हमारी फिटनेस में कहीं न कहीं कमी रह गई थी। टोक्यो ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन के पीछे फिटनेस बहुत बड़ा कारण था।

नए कोच के आने से हुई प्रेरित

पूर्व कोच हरेंद्र सिंह के इस्तीफे के बाद शोर्ड 2017 से 2021 तक कोच रहने के बाद एक बार फिर भारतीय टीम से जुड़े हैं। सविता ने कहा शोर्ड हमें काफी प्रेरित करते हैं और सकारात्मक माहौल रखते हैं। मैदान पर वह काफी डिमांडिंग कोच हैं और खिलाड़ियों को जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं। फिटनेस समस्याओं से उबरकर हॉकी इंडिया लीग के जरिये वापसी करने वाली इस धुरंधर ने कहा अगर मैं अपनी बात करूं तो 2017 में मेरा कैरियर लगभग खत्म होने वाला था क्योंकि रियो ओलंपिक में प्रदर्शन अच्छा नहीं था। उन्होंने मुझे एक मौका दिया और वहीं से मैंने अपनी गोलकीपिंग का मजा लेना शुरू किया। उनके भरोसे से मुझे अच्छे प्रदर्शन में काफी मदद मिली।